पायनियर

Established 1865

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

RNI No. DELHIN/2012/48369 | वर्ष-14 | अंक-33 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

दो दिन के भारत दौरे पर दिल्ली पहुंचे रूस के राष्ट्रपति

पीएम मोदी ने पुतिन का किया स्वागत

एजेंसी। नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार शाम को दो दिन के दौरे पर नयी दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य लगभग आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करना है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता को लेकर बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से आज शाम पुतिन के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी की।

> दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उम्मीद

दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता का मुख्य विषय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों में सहयोग की संभावनाओं की तलाश जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा। इस बैठक पर पश्चिमी देशों द्वारा करीबी नजर रखे जाने की संभावना है। रूसी नेता का नयी दिल्ली का लगभग 27 घंटे का दौरा इसलिए और भी अहम हो गया है क्योंकि यह भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से आ रही गिरावट की पृष्ठभूमि में हो रहा है।

बैठक के बाद दोनों पक्षों के बीच व्यापार के क्षेत्रों सहित कई समझौते होने की उम्मीद है। दोनों नेताओं के बीच बैठक से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में पुतिन का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। बैठक हैदराबाद हाउस में होगी, जहां मोदी राष्ट्रपति पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए भोज का आयोजन करेंगे और इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी होगी। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। बैठक के बाद पुतिन रूसी सरकारी प्रसारक का नया इंडिया चैनल भी शुरू करेंगे, जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में दिए जाने वाले राजकीय भोज में शामिल होंगे। रूसी नेता के शुक्रवार रात करीब नौ बजे भारत से रवाना होने की संभावना है।

पुतिन के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी की। पुतिन की यात्रा ऐसे वक्त हो रही है जब भारत और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। रूसी राष्ट्रपति की यात्रा का मकसद समग्र द्विपक्षीय रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देना है। मोदी और पुतिन के बीच शुक्रवार को होने वाली शिखर वार्ता में रक्षा सहयोग बढ़ाने, द्विपक्षीय व्यापार को बाहरी दबावों से सुरक्षित रखने और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर के क्षेत्र में संभावित सहयोग पर विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है। माना जा रहा है इस वार्ता पर पश्चिमी देशों की पैनी निगाह रहेगी।

यूक्रेन संघर्ष पर भी बातचीत संभव

रूस के राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों के मद्देनजर भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद में कुछ समय के लिए गिरावट आ सकती है, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि मॉस्को आपूर्ति बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है। शिखर सम्मेलन में पुतिन द्वारा मोदी को यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने के अमेरिका के प्रयासों से अवगत कराए जाने की भी संभावना है। भारत लगातार कहता रहा है कि युद्ध खत्म करने का रास्ता केवल संवाद और कूटनीति से होकर गुजरता है। मोदी और पुतिन की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

पीएम मोदी ने नौसेना दिवस पर दी बधाई

नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नौसेना दिवस पर बल के कर्मियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि हाल के वर्षों में नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है

> हमारे तटों की सुरक्षा करते हैं भारतीय नौसैनिक

और इससे हमारी सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती में वृद्धि हुई है। चार दिसंबर को नौसेना दिवस, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है।

भारतीय नौसेना की मिसाइल बोट्स ने ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत कराची बंदरगाह पर जोरदार हमला किया था। नौसेना के सभी कर्मियों को नौसेना दिवस की शुभकामनाएं। हमारी नौसेना अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का पर्याय है। वे हमारे तटों की सुरक्षा करते हैं और हमारे सामुद्रिक हितों को बनाए रखते हैं। हाल के वर्षों में हमारी नौसेना ने आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ हुई है। उन्होंने हाल के एक अवसर को भी याद किया जब उन्होंने भारत के स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर नौसेना कर्मियों के साथ समय बिताया था।

भारत को कई चीतों का घर होने पर गर्व

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि प्रोजेक्ट चीता खोई हुई पारिस्थितिक विरासत को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है व उन्होंने वन्यजीव प्रेमियों से आग्रह किया कि वे चीतों को उनकी पूरी भव्यता में देखने के लिए भारत आएं। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने सभी वन्यजीव प्रेमियों और संरक्षणवादियों को शुभकामनाएं दीं। तीन साल पहले हमारी सरकार ने इस शानदार पशु की सुरक्षा और उस पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट चीता शुरू किया था जिसमें यह फल-फूल सके।

सार संक्षेप

बाबरी बनाने का ऐलान करने वाला टीएमसी विधायक सस्पेंड

कोलकाता/बहरामपुर। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा करके विवाद खड़ा करने वाले भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर को बृहस्पतिवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी के आंतरिक मामलों समेत विभिन्न मुद्दों पर विवादित बयान देकर चर्चा में रहे कबीर ने कहा था कि छह दिसंबर को बेलडांगा में मस्जिद की आधारशिला रखी जाएगी। छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता फिरहाद हाकिम ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि कबीर का व्यवहार ऐसे समय में घोर अनुशासनहीनता है, जब पार्टी राज्य में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काम कर रही है। मुर्शिदाबाद के नेता अखरुज्जमां और नियामत शेख की मौजूदगी में हाकिम ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मंजूरी के बाद कबीर को निलंबित किया गया है।

ईडी ने यूपी के तीन शहरों में छापे मारे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को झारखंड पोंजी योजना में धन शोधन जांच के तहत उत्तर प्रदेश के तीन शहरों में छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत जमाकर्ताओं से 300 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। मैक्सीजोन पोंजी योजना से संबंधित मामले में नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ में कम से कम 20 परिसरों की तलाशी ली जा रही है। यह योजना कथित तौर पर दो लोगों चंद्र भूषण सिंह और प्रियंका सिंह ने शुरू की थी। झारखंड पुलिस द्वारा कुछ महीने पहले गिरफ्तार किए जाने के बाद से दोनों आरोपी अभी न्यायिक हिरासत में हैं।

हसीना के बेटे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका। बांग्लादेश में एक विशेष न्यायाधिकरण ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्वासित बेटे साजिब वाजेद जॉय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह वारंट मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में उनकी मां को मौत की सजा सुनाने के एक महीने बाद जारी किया गया है। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के एक अभियोजक ने संवाददाताओं को बताया, ॽन्यायाधिकरण ने जुलाई के विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध करने के लिए उनके (जॉय के) विरुद्ध दर्ज मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

न्यायाधीशों की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं : सरकार

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि देश की विभिन्न अदालतों में न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उच्च सदन में विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रश्नकाल के दौरान भाजपा के संजय सेठ द्वारा पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। सेठ ने पूरक प्रश्न पूछते हुए सरकार का ध्यान दिलाया कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाये गये विभिन्न कदमों से देश में नागरिकों की औसत आयु सीमा बढ़ गयी है।

> विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने दी जानकारी

सेठ ने कहा कि अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश आजीवन सेवा देते हैं, जबकि ब्रिटेन, बेल्जियम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में इनकी आयु 70 वर्ष तक होती है। उन्होंने कहा कि भारत में जिला अदालतों में न्यायाधीशों की आयु सीमा 60 वर्ष, उच्च न्यायालयों में 62 वर्ष और उच्चतम न्यायालय में 65 वर्ष है। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि अदालतों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए क्या वह न्यायाधीशों की पद पर बने रहने की आयु सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है।

नकली कफ सिरप का उठा मुद्दा

नई दिल्ली। सपा की एक सांसद ने उत्तर प्रदेश में नकली कफ सिरप की बिक्री का मुद्दा बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठाया और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराने की सरकार से मांग की। शून्यकाल के दौरान सपा सांसद प्रिया सरोज ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले महीने अक्टूबर में एक खतरनाक अवैध दवा के सेवन के कारण कई मासूम बच्चों की मौत हो गई। इस पूरे प्रकरण में अब तक 98 से अधिक प्राथमिकी दर्ज हुई है।

वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में कहा कि वीजा जारी करना किसी भी सरकार का संप्रभु अधिकार है और अमेरिका के पास उसके राष्ट्रीय सुरक्षा आकलन के आधार पर वीजा देने या नहीं देने का निर्णय लेने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने हाल ही में, ताजा घोषणा बुधवार को, वीजा निर्णयों को पूरी तरह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा फैसला घोषित किया है। इस बात पर चिंता जताई जा रही है कि अमेरिका ने वीजा 'स्क्रीनिंग' प्रणाली को कड़ा कर दिया है।

अलग-अलग राज्यों में बीएलओ की मौतों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

दबाव कम करने के लिए स्टाफ बढ़ाने का निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूचियों के समयबद्ध विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में जुटे बूथ स्तरीय अधिकारियों पर कामकाज का अत्यंत दबाव होने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर गौर करते हुए बृहस्पतिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को और अधिक कर्मचारियों को तैनात करने का निर्देश दिया है ताकि बीएलओ के कामकाज के घंटो में कमी लाई जा सके। शीर्ष अदालत टीवीके की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि समयबद्ध तरीके से ड्यूटी न निभाने के लिए बीएलओ के खिलाफ प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टीवीके की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया कि कुछ निर्देश जारी किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि चुनाव आयोग के अधिकारियों की ओर से दबाव डाले जाने के कारण कई बीएलओ की मौत हो चुकी है।

> बीएलओ के खिलाफ प्राथमिकियां भी दर्ज करा रहे अधिकारी

कामकाज के कम किए जाएं घंटे

अदालत ने आदेश में कहा कि राज्य सरकारें चुनाव निर्वाचन के अधीन अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात करने की आवश्यकता पर विचार कर सकती हैं ताकि कामकाज के घंटे आनुपातिक रूप से कम किए जा सकें। पीठ ने कहा कि यदि किसी कर्मचारी के पास एसआईआर ड्यूटी से छूट मांगने का कोई विशिष्ट कारण है, तो राज्य सरकार का संबंधित अधिकारी ऐसे अनुरोधों पर मामलों के आधार पर विचार कर सकता है और उस कर्मचारी की जगह किसी अन्य को तैनात कर सकता है। हालांकि, यह न समझा जाए कि यदि उनके विकल्प उपलब्ध नहीं कराए गए हैं तो वे ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों को वापस बुला सकते हैं।

नागर विमानन महानिदेशालय के नए नियमों से ऑपरेशन प्रभावित

इंडिगो की देश भर में 300 से अधिक उड़ानें रद्द

एजेंसी। मुंबई

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन व्यवधान लगातार तीसरे दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रहने से 300 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया जबकि कई उड़ानें देर से रवाना हुईं। इस वजह से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि दोपहर तक दिल्ली में इंडिगो की 95, मुंबई में 85, हैदराबाद में 70 और बेंगलुरु में 50 उड़ानें रद्द की गईं।

> परिचालन संकट गहराया, हजारों यात्री हो रहे परेशान

अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें रद्द होने और देरी से संचालित होने की बात सामने आई है। देश के छह प्रमुख हवाई अड्डों- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद के संयुक्त आंकड़ों के आधार पर एयरलाइन की समयपालन दर बुधवार को गिरकर 19.7 प्रतिशत पर आ गई जबकि दो दिसंबर को यह 35 प्रतिशत थी। समय पर उड़ानों के संचालन के लिए चर्चित इंडिगो के उड़ान प्रबंधन में आई इतनी बड़ी गिरावट पर यात्रियों के साथ विमानन क्षेत्र के हितधारक भी सवाल उठा रहे हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उड़ानों में हो रही भारी देरी और रद्दीकरण को गंभीरता से लेते हुए एयरलाइन से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। नियामक ने कहा कि वह मौजूदा स्थिति की जांच कर रहा है और परिचालन सामान्य करने के उपायों पर एयरलाइन से चर्चा कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि इंडिगो हाल के दिनों में चालक दल की भारी किल्लत का सामना कर रहा है। दरअसल उड़ान ड्यूटी की सीमा तय करने वाले नए एफडीटीएल नियम लागू होने के बाद से ही एयरलाइन चालक दल की कमी का सामना कर रही है। नए नियमों के तहत पायलटों के लिए साप्ताहिक विश्राम समय बढ़ाया गया है और रात में लैंडिंग की संख्या सीमित की गई है ताकि उड़ान सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।

पायलटों के संगठन ने इस समस्या के लिए इंडिगो को ही जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि एयरलाइन के पास नियम लागू होने से पहले तैयारी के लिए दो साल का समय था लेकिन उसने भर्ती प्रक्रिया को धीमा रखा। इसके साथ ही पायलट संगठनों ने डीजीसीए से अनुरोध किया है कि एयरलाइंस को तब तक मौसमी उड़ान समय-सारणी की मंजूरी न दी जाए जब तक वे चालक दल की पर्याप्त उपलब्धता का प्रमाण न दें। इंडिगो ने बुधवार को अपने बयान में कहा था कि उसकी परिचालन समस्याएं कई कारणों से पैदा हुई हैं जिनमें तकनीकी गड़बड़ियां, शीतकालीन उड़ान समय-सारणी के बदलाव, प्रतिकूल मौसम, बढ़ती भीड़भाड़ और नए रोस्टरिंग नियम शामिल हैं।

पायलट भर्ती पर रोक से हुई समस्या

मुंबई। पायलटों के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने विमान कंपनी इंडिगो पर एफडीटीएल के पूर्ण कार्यान्वयन से पहले दो वर्ष की तैयारी अवधि मिलने के बावजूद बेवजह पायलट की भर्ती पर रोक लगाने जैसी अदूरदर्शी नियोजन गतिविधियां अपनाने का आरोप लगाया है। एफआईपी ने कहा कि उसने सुरक्षा नियामक डीजीसीए से आग्रह किया है कि वह विमान कंपनियों के मौसमी उड़ान कार्यक्रमों को मंजूरी न दे, जब तक कि उनके पास नई उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) मानदंडों के तहत अपनी सेवाओं को सुरक्षित एवं विश्वसनीय रूप से संचालित करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी न हों।

बीजापुर में टॉप लीडर समेत 18 नक्सली ढेर

एजेंसी। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद बृहस्पतिवार सुबह तक छह अन्य नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इलाके में अभियान अभी भी जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। इस मुठभेड़ में राज्य पुलिस की इकाई जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवानों की भी मृत्यु हुई है।

> छोटे से इनपुट पर गढ़ में घुसकर जवानों का बड़ा एक्शन

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि करीब 12 घंटे तक रुक-रुक कर हुई गोलीबारी के बाद, बुधवार देर शाम तक 12 नक्सलियों के शव बरामद किए गए। सुंदरराज ने बताया कि इलाके में तलाश अभियान के दौरान बृहस्पतिवार सुबह तक छह और शव बरामद किए गए और इसके साथ ही मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या 18 हो गई।

मृत नक्सलियों की पहचान की कोशिश

सुंदरराज ने पट्टिलिंगम ने कहा कि मारे गए नक्सलियों में से एक की पहचान मोडियामी वेल्ला के रूप में हुई है, जबकि बाकी मृत नक्सलियों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि वेल्ला माओवादियों की पीएलजीए की कंपनी नंबर दो के कमांडर के तौर पर सक्रिय था और सुरक्षाबलों पर हमलों की कई घटनाओं में शामिल था।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

पहल : ट्रेड फेयर की तर्ज पर दिल्ली में आयोजित होगा पहला स्वदेशी मेला

देशी उद्यमियों को मिलेगा बड़ा मंच

- अगले वर्ष मई में होगा आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में ट्रेड फेयर की तर्ज पर पहली बार भारतीय स्वदेशी मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में सिर्फ भारतीय उत्पाद होंगे। व्यापारिक संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से आयोजित किए जाने वाले इस मेले में आत्मनिर्भर भारत की शक्ति को प्रदर्शित किया जाएगा। इसका आयोजन अगले वर्ष मई में किया जाएगा। दरअसल, बीते 25 नवंबर को दिल्ली में कैट की राष्ट्रीय स्तर की बैठक में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वदेशी मेला लगाने का सुझाव कैट को दिया था।

इसके बाद कैट के राष्ट्रीय महासचिव व चांदनी चौक क्षेत्र के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पहल शुरू की। इसके लिए स्वदेशी मेला आयोजन बोर्ड का गठन किया गया। गुरुवार को दिल्ली में इस बोर्ड के चेयरमैन डॉ. रामगोपाल गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि अगले वर्ष एक से पांच मई तक यह मेला भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा।

इस मेले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को प्रदर्शित किया जाएगा। बोर्ड के चेयरमैन का कहना है कि भारतीय उत्पादों के लिए यह मेला एक वैश्विक मंच तैयार करेगा। यह भारत का सबसे बड़ा आयोजन होगा, जिसके बाद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतीय स्वदेशी मेलों का आयोजन होगा।

स्वदेशी मेले में ये होंगे शामिल

यह स्वदेशी मेला भारत के संपूर्ण उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को एक मंच पर लाएगा। इसमें देशभर के व्यापार संगठन, महिला उद्यमियों, एमएसएमई, कारीगरों, स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूहों, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट क्लस्टर्स और विभिन्न उत्पाद संघ की भागीदारी होगी। पूरे देश से प्रदर्शक अपने उत्पाद प्रस्तुत करेंगे। इसमें थीम आधारित सजावट और सांस्कृतिक वातावरण, कारीगरों और स्टार्टअप के लाइव डेमोन्स्ट्रेशन, प्रतिदिन कार्यक्रम, भारत की विविध खाद्य परंपराओं को दशार्ते फूड कोर्ट, इंटरेक्टिव उपभोक्ता जोन, परिवारों, युवाओं और बच्चों के लिए विशेष आकर्षण रहेंगे।

22 दिसंबर से 5 जनवरी तक एचएसवीपी ग्राउंड में होगा आयोजन

फरीदाबाद। जिला परिषद फरीदाबाद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिखा ने बताया कि हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ग्रामीण विकास विभाग के तहत सरस आजीविका मेला-2025 का आयोजन 22 दिसंबर 2025 से 05 जनवरी 2026 तक एचएसवीपी ग्राउंड, सेक्टर-12 फरीदाबाद में किया जाएगा। यह मेला ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का प्रमुख मंच है। मेले में देशभर से आई महिला उद्यमी पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम, हर्बल-ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स, गृह-सज्जा सामग्री, हस्तनिर्मित परिधान, जूट-बांस-मिट्टी शिल्प, हाथ से बने खाद्य पदार्थ सहित कई विशिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। आयोजन का लक्ष्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करना, एसएचजी सदस्यों की आय बढ़ाना है।

कैब बुक कर चालक को धक्का देकर कार लूटकर भागा

नई दिल्ली। राजधानी के बवाना इलाके में एक बदमाश ने कैब बुक करने के बाद चालक को धक्का दिया और उसकी कार लूटकर भाग गया। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही कुछ घंटे में ही आरोपी को पुलिस ने हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने कार बरामद कर ली। डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि गत 2 दिसंबर की रात बवाना थाना पुलिस को कार लूट की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो बवाना सेक्टर तीन पेट्रोल पंप के पास बाबा हरि दास कॉलोनी, टिकरी बॉर्डर निवासी पीड़ित कार चालक अंकित मिला। उसने बताया कि वह डीटीयू विश्वविद्यालय के पास वैगनआर वाहन चला रहा था। करीब साढ़े 10 बजे रात उसे सोनीपत के लिए बुकिंग मिली। करीब 11 बजे वह बवाना सेक्टर तीन के पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो सवारी ने लघुशंका करने की बात कहते हुए कार रुकवाई। आरोपी युवक कार से उतर कर लघुशंका करने गया। उसके बाद चालक भी लघुशंका करने चला गया तो वह वहां से वापस आकर कार में बैठने लगा, तभी सवारी ने उसके हाथ से चाबी छीनी और उसे धक्का मार दिया। धक्का लगने से वह गिर गया।

हरियाणा के छात्रों के पीएम मोदी को लिखे पत्र इंडिया बुक ऑफ अमेजिंग रिकॉर्ड में दर्ज

- हरियाणा में खादी को लेकर 11.72 लाख विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री को लिखा धन्यवाद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा सी.आर. मॉडल पब्लिक स्कूल सेक्टर-32 में आयोजित राज्य स्तरीय भव्य कार्यक्रम में खादी के प्रति जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूरे हरियाणा के 3610 सरकारी एवं निजी स्कूलों के 11,72,129 विद्यार्थियों द्वारा खादी को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए धन्यवाद पत्रों को इंडिया बुक ऑफ अमेजिंग रिकॉर्ड में स्थान मिला।

यह उपलब्धि न केवल प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि खादी आंदोलन को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक कदम भी है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बलप्रीत सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि क्रांति है। यह आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल खादी के महत्व को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में मील का पत्थर साबित हुआ है, बल्कि हरियाणा को राष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान भी दिलाता है। खादी के प्रति जागरुकता का यह अभूतपूर्व अभियान आने वाले समय में आत्मनिर्भर भारत के सपने को मजबूत आधार देने का कार्य करेगा। विशिष्ट अतिथियों में सीआर मॉडल पब्लिक स्कूल के चेयरमैन डॉ. रणजीत सिंह, नगर निगम गुरुग्राम से कर्नल संजय पांडे, प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र सिंह डबास, बुलंद आवाज वेलफेयर सोसाइटी की उपाध्यक्षा प्रिंका यादव, और नगर निगम गुरुग्राम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी शामिल रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत सी.आर. मॉडल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना और हरियाणवी नृत्य से हुई, जिसने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का मन मोह लिया। मंच का आकर्षक और ऊर्जावान संचालन कुलदीप हिन्दुस्तानी द्वारा किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में हरियाणा खादी ग्रामोद्योग बोर्ड से डॉ. हरिप्रकाश, मोनिका, अनिल डागर, अनिल कुमार, प्रमोद, नगर निगम गुरुग्राम से मनप्रीत सिंह तथा विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

फोर्टिस ने ट्रैफिक पुलिस के साथ चलाया हेलमेट सुरक्षा अभियान

- जनता में सुरक्षित ड्राइविंग आदतें बढ़ाना और आपातकालीन तैयारियों के प्रति जागरूकता फैलाना रहा अभियान का मुख्य उद्देश्य

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फोर्टिस हेल्थकेयर ने सड़क सुरक्षा और दोपहिया दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से हेलमेट सुरक्षा अभियान चलाया। इस पहल के तहत ओखला, वसंत कुंज और शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पतालों ने 500 से अधिक ब्रांडेड हेलमेट और फर्स्ट-एड पुस्तक बिना हेलमेट पाए गए दोपहिया चालकों को वितरित कीं।

अभियान में अस्पतालों के पास ट्रैफिक चौराहों पर विशेष कियोस्क लगाए गए और एक व्यक्ति यमराज के रूप में तैयार होकर चालकों को हेलमेट पहनने का महत्व समझा रहा था। यह पहल फोर्टिस के अभियान से जुड़ी है, जो तत्परता, देखभाल और समय पर प्रतिक्रिया पर जोर देती है। फोर्टिस हेल्थकेयर की चीफ ग्रोथ-इनोवेशन ऑफिसर डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि हेलमेट पहनना जीवन बचाने में महत्वपूर्ण है और यह पहल जिम्मेदार राइडिंग की चेतना बढ़ाने के लिए की गई है। अभियान का उद्देश्य जनता में सुरक्षित ड्राइविंग आदतें बढ़ाना और आपातकालीन तैयारियों के प्रति जागरूकता फैलाना है। फोर्टिस के इस अभियान ने अस्पताल की दीवारों से आगे जाकर समुदाय की सुरक्षा और स्वास्थ्य में योगदान देने का संकल्प फिर से दोहराया।

गाड़ी से आकर ब्रांडेड सामान चोरी करने वाले बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। वसंतकुंज साउथ थाना पुलिस ने इलाके में लगातार वारदातें करने वाले गैंग का पदार्फाश किया है। पकड़े गए आरोपियों में सुनील, सोनू और मोहम्मद सलीम शामिल है। यह गिरोह गाड़ी से आता था और ब्रांडेड सामान ही निशाना बनाता था। पुलिस ने इनके कब्जे से 15 हजार रुपये नकद, चांदी का पंचजोत, चांदी की प्लेटें, ब्रांडेड कपड़े व जूते, लोहे के कटर, एक आयरन रॉड और वारदात में इस्तेमाल वैगनआर कार बरामद की। सुनील और सोनू पर हत्या, हत्या का प्रयास, चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट सहित दो दर्जन से अधिक मामले पहले से दर्ज हैं। डीसीपी अमित गोयल के अनुसार, वसंतकुंज इलाके में 17 अक्तूबर, 26 अक्तूबर, 11 नवंबर और 19 नवंबर को हुई चोरी की घटनाओं में एक ही गैंग का हाथ होने के संकेत मिले थे।

अधिवक्ता दिवस पर सुंदरकांड पाठ

- जिला एवं सत्र न्यायाधीश संदीप गर्ग समेत अन्या न्यायाधीश रहे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अधिवक्ता दिवस के उपलक्ष्य में ऑल इंडिया लॉयर फोरम के सौजन्य से जिला न्यायालय फरीदाबाद में सुंदरकांड पाठ एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन विकास वर्मा (पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता व एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड, सुप्रीम कोर्ट) ने जिला बार एसोसिएशन के साथ मिलकर किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री संदीप गर्ग सहित अनेक न्यायाधीश गण, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश बैसला, वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. वर्मा, बार काउंसिल के को-चेयरमैन सुरेंद्र शर्मा, पूर्व प्रधान जे.पी. अधाना सहित अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता एवं गणमान्य मौजूद रहे। बार अध्यक्ष राजेश बैसला ने कहा कि हरियाणा के लिए यह गौरव का क्षण है कि माननीय न्यायमूर्ति सूर्य कांत देश के मुख्य न्यायाधीश बने हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। बार काउंसिल के सदस्य राजेश खटाना और मनीष वर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

शिव कुमार शास्त्री ने श्रीमद् भागवत कथा का कराया रसपान

नई दिल्ली। बुराड़ी के झडौदा माजरा स्थित श्री राम मंदिर, शनि बाजार रोड श्री हरि एनक्लेव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा एवं मूर्ति स्थापना में शिव कुमार शास्त्री जी महाराज ने श्रद्धालु श्रोताओं को भागवत कथा का रसपान कराया। इस कथा का आयोजन पंडित सुनील कुमार शास्त्री द्वारा किया गया था तथा भागवत कथा में यजमान के रूप में अंतराम बंसीवाल व श्रीमती पुष्पा देवी थी। श्रीमद् भागवत कथा को सुनने के लिए झडौदा माजरा के काफी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे। आज की कथा में श्री राम व कृष्ण जन्मोत्सव की लीला का उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया। यहां पर पिछले 30 नवम्बर से ही श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वृन्दावन से आए शिव कुमार शास्त्री द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है।

दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून हाईवे बनेगा संजीवनी मार्ग : सोमेश

- ट्रिपल इंजन सरकार ने दिया जनता को बड़ा उपहार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून हाईवे का ट्रायल रन शुरू होते ही राजधानी सहित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और एनसीआर के करोड़ों लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

भारतीय जनता पार्टी, शाहदरा जिले के महामंत्री रोमेश चंद गुप्ता ने कहा कि यह एक्सप्रेसवे न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा बल्कि व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति देगा। उन्होंने इसे ट्रिपल इंजन सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस परियोजना का लाभ आने वाले वर्षों में दूरगामी होगा। रोमेश गुप्ता ने बताया कि रविवार रात से ट्रायल रन प्रारम्भ होने के बाद बड़ी संख्या में लोग इस मार्ग पर सफर का अनुभव करने पहुंचे। विशेषकर यमुनापार क्षेत्रों में खुशहाली का माहौल है, क्योंकि इस एक्सप्रेसवे के खुलने से स्थानीय यात्रियों को जाम से भारी राहत मिलेगी।

दिल्ली से देहरादून का सफर अब केवल ढाई घंटे में पूरा हो सकेगा, जो पहले कई घंटों में होता था। इसके अलावा, पूर्वी दिल्ली के लोग गीता कॉलोनी से खजूरी तक मात्र दस से पंद्रह मिनट में पहुंच सकेंगे, जहां सामान्य दिनों में एक घंटा लग जाता था। उन्होंने कहा कि गांधी नगर पुश्ता रोड, पुराना लोहे वाला पुल और खजूरी चौक-इन सभी भीड़भाड़ वाले मार्गों पर वर्षों से जाम आम समस्या रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को जमानत दी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शाहीन बाग के 50 साल के दुकानदार शमशाद को एक ऐसे मामले में अग्रिम जमानत दे दी है, जो पड़ोस में झगड़े के तौर पर शुरू हुआ था, लेकिन बाद में गंभीर आरोपों में बदल गया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने आदेश सुनाते हुए कहा कि भगोड़ा घोषित होने का मतलब यह नहीं है कि कोर्ट अग्रिम जमानत याचिका पर विचार ना करे। हर मामले की अलग-अलग बातों पर जांच होनी चाहिए। इतना ही नहीं प्रत्येक मामले के अपने तथ्य व परिस्थितियां होती है। यह झगड़ा मार्च 2025 का है। शिकायत करने वाले के मुताबिक स्थानीय बाजार में एक झगड़ा मारपीट में बदल गया, जिसके दौरान शमशाद समेत कई लोगों ने शिकायत करने वाले के परिवार के सदस्यों पर कथित तौर पर हमला किया। एक मोबाइल फोन व नगदी छीन ली गई। इसके बाद गैर जमानती वारंट जारी किए गए।

बेटे की शादी का भात न्यौतने हेलिकॉप्टर से पहुंची बहन

- गांव धनवापुर से बोहड़ाकलां पहुंची बहन व अन्य परिजनों का पुष्पवर्षा से स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शादियों में हेलिकॉप्टर से दुल्हन लाने का काम तो आम हो गया है। यहां एक बहन अपने बेटे की शादी का भात न्यौतने (अपने भाइयों को शादी का निमंत्रण देने) के लिए एक बहन अपने परिवार के साथ हेलिकॉप्टर से पहुंची। इस तरह से यह भात न्यौतने का आयोजन दोनों गांवों में चर्चा का विषय बन गया।

गुरुग्राम जिला के गांव धनवापुर की रहने वाली पिंकी दहिया एवं नरेंद्र दहिया ने अपने बेटे रोहित दहिया की शादी तय की है। रोहित दहिया का विवाह आगामी 11 दिसंबर 2025 को झाड़सा 360 के अध्यक्ष महेंद्र सिंह ठाकरान की पौत्री के साथ होना निश्चित हुआ है। तीनों परिवारों दुल्हा पक्ष, दुल्हन पक्ष व दुल्हे के ननिहाल में शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। बेटे की शादी का भात न्यौतने के लिए पिंकी दहिया, उनके पति नरेंद्र दहिया, जेठानी सुनीता, देवरानी सरिता व एक बच्ची विशु बोहड़ाकलां पहुंचे। खास बात यह रही कि वे हेलिकॉप्टर में सवार होकर भात न्यौतने पहुंचे। भात न्यौतने की परंपरा में हेलिकॉप्टर लेकर जाना हर जगह पर चर्चा का विषय बन गया। हेलिकॉप्टर को देखने के लिए दोनों ही गांवों में ग्रामीणों की काफी भीड़ जुट गई। यह भात न्यौतना चर्चा का विषय बन गया। बोहड़ाकलां गांव में भात न्यौतने पहुंची बहन पिंकी दहिया व अन्य परिवारजनों का पिंकी के भाई पंचायत समिति पटौदी के पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार पंवार ने परिवारजनों के साथ पुष्पवर्षा करके स्वागत किया।

साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद यमुना की सफाई अधूरीः विपिन शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- ट्रिपल इंजन सरकार और पूर्व सरकार दोनों विफल-तीन वर्षों में हालात नहीं बदले

राजधानी दिल्ली में यमुना नदी की सफाई को लेकर तीन वर्षों में साढ़े पाँच हजार करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। रोहताश नगर के पूर्व विधायक विपिन शर्मा ने कहा कि चाहे आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकार हो या वर्तमान ट्रिपल इंजन सरकार-दोनों ही यमुना की सफाई के उद्देश्य को लेकर पूरी तरह विफल रही हैं। विपिन शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल हर वर्ष दावा करते रहे कि अगले साल वह स्वच्छ यमुना में जनता के साथ डुबकी लगाएंगे, लेकिन यह दावा लगातार झूठा साबित हुआ। चुनाव बीत गए, सरकार बदल गई, परंतु यमुना की स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने भी विधानसभा चुनाव में यह वादा किया था कि उनकी सरकार बनते ही यमुना सफाई के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की जाएगी, मगर दस माह बीतने के बाद भी कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। पूर्व विधायक ने बताया कि केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों ने भी स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। राज्यसभा में दिए गए लिखित उत्तर के अनुसार यमुना में बढ़ते प्रदूषण की मुख्य वजहें हैं- सीवेज प्रबंधन में गहरी कमी, उपचार संयंत्रों की परियोजनाओं में देरी, तथा ठोस कचरे की अपर्याप्त रीसाइक्लिंग क्षमता। मंत्रालय के अनुसार पिछले तीन वर्षों में दिल्ली जल बोर्ड ने यमुना सफाई पर 5,536 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन अगस्त 2025 तक 414 एमएलडी सीवेज का उपचार अब भी नहीं हो पा रहा था। कई औद्योगिक क्षेत्रों में साझा ईटीपी (अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र) तक उपलब्ध नहीं हैं, जबकि मौजूदा परियोजनाओं को उन्नत और पूर्ण करने में लगातार विलंब हो रहा है। इसके अलावा, दिल्ली में प्रतिदिन 11,862 टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जबकि उसकी रीसाइक्लिंग क्षमता केवल 7,641 टन प्रतिदिन है। इस प्रकार 4,221 टन कचरा प्रतिदिन बिना रीसाइक्लिंग के यमुना में पहुँचकर प्रदूषण को और बढ़ाता है। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने भी इन तथ्यों को संसद में स्वीकार किया।

चंडीगढ़ और एसवाईएल के मुद्दे पर सरकार पर जमकर बरसे हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़ के मुद्दे पर जल्द विशेष सत्र बुलाने की उठाई मांग

- सरकार न विधानसभा के लिए जमीन ले पा रही न एसवाईएल का पानीः भूपेंद्र हुड्डा
- गुरुग्राम में पत्रकार वार्ता में कही यह बात

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने मांग उठाई है कि चंडीगढ़ के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को जल्द से जल्द विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। क्योंकि चंडीगढ़ और एसवाईएल को लेकर स्पष्ट है कि भाजपा सरकार हरियाणा के हकों की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। वे गुरुवार को यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा की यह सरकार न तो नई विधानसभा के लिए जमीन ले पा रही है और न ही एसवाईएल का पानी। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद भाजपा हरियाणा को उसका हक का पानी नहीं दिला पाई है। चंडीगढ़ को लेकर भी भाजपा की नीति ढुलमुल है। खुद केंद्र सरकार स्पष्ट नहीं कर पा रही कि दोनों राज्यों की साझा राजधानी रहेगी या पूरी तरह केंद्र शासित प्रदेश बन जाएगा। इन तमाम मुद्दों पर विधानसभा के भीतर चर्चा होनी चाहिए। साथ ही बास्केटबाल खिलाड़ियों की मौत पर भी सदन के भीतर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। क्योंकि भाजपा सरकार ने हरियाणा के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। स्टेडियमों की जर्जर हालत की वजह से दो होनहार खिलाड़ियों की जान जा चुकी है। कांग्रेस सरकार के समय खेलों के लिए जो विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया था, उसका रख-रखाव तक भाजपा सरकार ने नहीं किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की रैली को लेकर तैयारियां जोरो है। पार्टी के तमाम बड़े नेता रैली में पहुंचेंगे और वोट चोरी के मुद्दे पर अपनी बात जनता के सामने रखेंगे।

भाजपा व चुनाव आयोग की मिलीभगत को किया जाएगा उजागरः भूपेंद्र सिंह हुड्डा

गुरुग्राम। अखिल भारतीय कांग्रेस की दिल्ली के रामलीला मैदान में 14 दिसंबर को वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली को लेकर गुरुवार को यहां बादशाहपुर स्थित वाटिका चौक के निकट कांग्रेस जिला ग्रामीण कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य व सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, सह-प्रभारी जितेंद्र भगेल, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज शामिल रहे। बैठक में जहां महारैली की सफलता के लिए रणनीति बनाई गई, वहीं गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह, झज्जर, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, भिवानी, चरखी-दादरी के सभी विधायक, पूर्व विधायक, सांसद प्रत्याशी, जिला अध्यक्ष एवं सभी प्रमुख नेताओं ने महारैली को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां भी सौंपी गई। बैठक में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष पंकज डावर व ग्रामीण जिला अध्यक्ष वर्धन यादव ने कार्यकताओं का आभार जताया। अपने संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा, कर्नाटक की वोट चोरी को देश के सामने लाकर भाजपा और चुनाव आयोग की सांठगांठ को उजागर किया। भाजपा सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित हर जगह वोट चोरी के खिलाफ उठी आवाज को दबाने की कोशिश की है, लेकिन हम रुकने वाले नहीं है।

अलीपुर में 15 क्विंटल नकली घी जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अलीपुर इलाके के खेड़ा कलां में बड़े पैमाने पर नकली घी बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छापेमारी कर 55 लीटर सिंथेटिक एसेंस के साथ 1,500 किलोग्राम नकली घी जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक, यहां कई नामी ब्रांड के नकली घी का निर्माण किया जाता था और उसकी पैकेजिंग कर दिल्ली सहित आसपास के इलाकों में सप्लाई की जाती थी। डीसीपी वी हरेश्वर स्वामी ने बताया कि सूचना मिली कि खेड़ा कलां स्थित बंसल एग्रो फूड इंडस्ट्रीज नामक फैक्टरी में नकली घी का निर्माण हो रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण \ अधिकारियों को शामिल कर संयुक्त रूप से छापेमारी की। पुलिस के मुताबिक, इस इकाई का संचालन बुराड़ी निवासी ज्ञानेंद्र सिंह कर रहा था, जो कथित तौर पर 1995 से नकली घी बनाने में संलिप्त है। वर्ष 2014 में उसने अपना कारोबार मौजूदा परिसर में स्थानांतरित कर लिया था।

Name change

I, Ram Kumar Sharma S/o Harish Chand R/o 2560, Block B, Gali No. 5, 25ft Road, SGM Nagar, Faridabad, have changed my name to RAM KUMAR for all future purpose.

गुमसुदा की तलाश नामः- पूजा
हुलियाः रंग सावला, गोल चेहरा, पतला शरीर मुंह पर गर्दन के पास चोट का निशान है कद 5 फुट, उम्र 22 वर्ष जो दिमाग से थोड़ी पागल है
पहनावाः- सतरे रंग की सुट सलवार, पैरो में चप्पल पहने हुए है जो दिनांक 24.11.2025 से लापता है।
किसी भी व्यक्ति इसके विषय में कोई जानकारी मिलती है तो वह निचे दिए गए पते पर सम्पर्क करें। सूचना देने वाले व्यक्ति को उचित ईनाम दिया जाएगा।
पताः- थाना छायंसा, फरीदाबाद। राहुल पुत्र गोकुल निवासी गांव नरहावली तहसील बल्लबगढ, जिला फरीदाबाद हरियाणा
मोबाईल नं0 6350145167,8373982434, 9050932523

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से पहले दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

चप्पे-चप्पे पर कमांडो का घेरा, ड्रोन तैनात

- कड़ी निगरानी के लिए 5 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात
- उच्च-गुणवत्ता वाले सीसीटीवी नेटवर्क और तकनीकी निगरानी प्रणालियां भी सक्रिय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा से पहले बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा मानकों के कारण उनके ठहरने के स्थान के बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पुतिन के आगमन से लेकर प्रस्थान तक हर गतिविधि पर संयुक्त रूप से काम कर रहीं कई सुरक्षा इकाइयां नजर बनाए रखेंगी। अधिकारी ने कहा, मिनट दर मिनट समन्वय जारी है, और सभी संबंधित एजेंसियों को पूरे समय अधिकतम सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। कड़ी निगरानी के लिए 5,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारी मार्ग सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और उन क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं, जहां से रूसी राष्ट्रपति गुजर सकते हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा, वीवीआईपी आवाजाही के लिए सभी मार्गों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यात्रियों को असुविधा कम हो, इसके लिए समय-समय पर यातायात परामर्श जारी किया जाएगा। ड्रोन रोधी प्रणाली भी तैनात की जाएंगी। दिल्ली पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों और पुतिन की निजी सुरक्षा टीम ने एक बहु-स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया है, जिसके तहत स्वैट टीमें, आतंकवाद रोधी इकाइयां, स्नाइपर और त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं।

इसके अलावा, उच्च-गुणवत्ता वाले सीसीटीवी नेटवर्क और तकनीकी निगरानी प्रणालियां भी यात्रा से जुड़े सभी क्षेत्रों में सक्रिय कर दी गई हैं।

बारह वर्ष बाद नये राशन कार्डों की प्रक्रिया शुरू होने से दिल्लीवासी उत्साहित : निर्मल गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में लगभग बारह वर्ष के अंतराल के बाद नये राशन कार्ड जारी होने की प्रक्रिया शुरू होने की खबर से जनता में व्यापक प्रसन्नता देखी जा रही है। विशेष रूप से वे लोग अत्यधिक उत्साहित हैं जिन्होंने वर्षों पूर्व आवेदन किए थे और अब तक मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहे थे।

आर.डब्लू.ए. विवेक विहार के अध्यक्ष निर्मल गुप्ता के अनुसार यह निर्णय लाखों लोगों के लिए राहत लेकर आया है, क्योंकि करीब तीन लाख आवेदक लंबे समय से इस प्रक्रिया के पुनः आरम्भ होने का इंतजार कर रहे थे। निर्मल गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा मौजूदा राशन कार्डधारियों की ई-केवाईसी और सत्यापन प्रक्रिया जारी है, जिसके तहत अपात्र लाभार्थियों को चिन्हित किया जा रहा है। ई-केवाईसी के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे कार्डधारक पाए गए जो आयकरदाता होने के बावजूद राशन का लाभ ले रहे थे। अब तक हुई जांच में लगभग 1.71 लाख ऐसे लोगों को अपात्र घोषित किया गया है। इसके अतिरिक्त हजारों मामलों में मृतक व्यक्तियों के नाम पर भी राशन जारी किए जाने की पुष्टि हुई है। गुप्ता ने बताया कि जांच के दौरान लगभग 80 हजार डुप्लीकेट लाभार्थियों के नाम भी सूची में पाए गए हैं, जिन्हें हटाने की प्रक्रिया चल रही है। यह व्यापक सत्यापन अभियान मार्च-अप्रैल माह से चल रहा है, जिसके अंतर्गत कुल 17.5 लाख मौजूदा कार्डधारकों की जांच की जा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि अपात्र लाभार्थियों को हटाकर वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचाया जा सके। प्रदेश में नये राशन कार्डों के लिए आखिरी बार वर्ष 2013 में आवेदन स्वीकार किए गए थे, जिसके बाद इस प्रक्रिया को रोक दिया गया था। वर्तमान निदेशों के अनुसार यदि सभी औपचारिकताएँ समय पर पूर्ण हो जाती हैं, तो नये वर्ष से नये राशन कार्ड जारी होने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी जाएगी।

निर्मल गुप्ता ने कहा कि करीब एक दशक से लोग नये राशन कार्ड बनने की प्रतीक्षा में थे। अब सरकार द्वारा सत्यापन कार्य तेजी से पूरा किए जाने के बाद आशा है कि लाखों परिवारों की यह प्रतीक्षा समाप्त होगी और योग्य लाभार्थियों को उनके अधिकार समय पर मिलेंगे। जनता में इस निर्णय को लेकर राहत और उम्मीद दोनों ही देखने को मिल रही है। लोग मानते हैं कि नयी प्रक्रिया से पारदर्शिता बढ़ेगी और राशन वितरण व्यवस्था अधिक व्यवस्थित तथा प्रभावी बनेगी।

भाजपा नेता सुषमा स्वराज के पति एवं पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल का निधन

- सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्स ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता सुषमा स्वराज के पति एवं मिजोरम के पूर्व राज्यपाल तथा वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल का बृहस्पतिवार को यहां निधन हो गया। वह 73 वर्ष के थे। दिल्ली भाजपा ने एक बयान में उनके निधन की जानकारी दी। सुषमा स्वराज और स्वराज कौशल की इकलौती संतान बांसुरी स्वराज नयी दिल्ली से सांसद हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वराज कौशल के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा वंचितों की मदद के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने के लिए उन्हें याद किया।

मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया,श्री स्वराज कौशल जी के निधन से मैं दुखी हूं। उन्होंने खुद को एक वकील और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया जो वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने में विश्वास करते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कौशल भारत के सबसे युवा राज्यपाल बने और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने मिजोरम के लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनकी बेटी बांसुरी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हैं। ओम शांति।

भाजपा ने एक संदेश में कहा, हमें मिजोरम के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ अधिवक्ता स्वराज कौशल के आकस्मिक निधन की सूचना देते हुए दुख हो रहा है। एक भाजपा नेता ने बताया कि दोपहर में कौशल ने सीने में दर्द की शिकायत की जिसके बाद उन्हें एम्स ले जाया गया और वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भाजपा नेता ने बताया कि कौशल का अंतिम संस्कार लोधी रोड श्मशान घाट पर किया जाएगा। बांसुरी स्वराज ने एक्स पर एक भावुक पोस्ट में कहा कि उनके पिता का स्नेह, अनुशासन, सादगी, देशभक्ति और असीम धैर्य उनके जीवन का प्रकाश पुंज था। नयी दिल्ली से भाजपा सांसद ने कहा, दिल गहरी पीड़ा से भर गया है।

फिर भी मन में यह विश्वास है कि अब परम शक्तिमान ईश्वर की उपस्थिति में आपका मां से पुनर्मिलन हो गया है और आपको असीम शांति प्राप्त हुई है। आपकी बेटी होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा गौरव है और आपकी विरासत, मूल्य एवं आशीर्वाद मेरे आगे के सफर का आधार होंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज का 2019 में निधन हो गया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वराज कौशल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन की खबर पीड़ादायक है। उन्होंने सार्वजनिक जीवन और विधि क्षेत्र में कौशल के योगदान को याद किया तथा कहा कि राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी सेवा अविस्मरणीय है।

पीएम मोदी ने पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल के निधन पर जताया शोक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा वंचितों की मदद के लिए कानूनी पेशे का इस्तेमाल करने के लिए उन्हें याद किया। दिवंगत भाजपा नेता सुषमा स्वराज के पति कौशल का आज निधन हो गया। वह 73 साल के थे। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया,श्री स्वराज कौशल जी के निधन से मैं दुखी हूं। उन्होंने खुद को एक वकील और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया जो वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कानूनी पेशे का उपयोग करने में विश्वास करते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कौशल भारत के सबसे युवा राज्यपाल बने और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने मिजोरम के लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। मोदी ने कहा, एक सांसद के रूप में उनकी अंतर्दृष्टि भी उल्लेखनीय थी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनकी बेटी बांसुरी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हैं। ओम शांति। कौशल की बेटी बांसुरी स्वराज नयी दिल्ली से लोकसभा सदस्य हैं।

ईंधन चोरी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली हवाईअड्डे सहित कई स्थानों पर पाइपलाइनों से ईंधन चोरी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि आरोपियों की पहचान सरदार सिंह और उसके बहनोई रिंकू के रूप में हुई है, जिन्होंने दिल्ली, हरियाणा, असम, पंजाब और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में ऐसी चोरियों को अंजाम दिया है। गौतम ने बताया कि राजस्थान पुलिस ने इस वर्ष ईंधन चोरी करने के आरोप में दोनों के ही खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। दोनों ही इस मामले में फरार थे और उन पर 25,000 रुपये का इनाम था। गिरफ्तार सरदार 19 मामलों में आरोपी है जिसमें 1992 में दिल्ली हवाई अड्डे पर चोरी का पहला मामला भी शामिल है। गौतम ने बताया कि दोनों आरोपी राष्ट्रीय राजधानी में छिपे हुए थे और उनकी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।

नौ ज्यादा प्रदूषण वाली जगहों पर 305 मिस्ट स्प्रेयर लगाएगी सरकार : मुख्यमंत्री गुप्ता

- वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक योजना तैयार कर रही है सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए मिस्ट स्प्रे तकनीक को लागू करने के मकसद से एक व्यापक योजना तैयार कर रही है। गुप्ता ने आईटीओ पर स्थापित मिस्ट स्प्रेयर का निरीक्षण किया और कहा कि दिल्ली के नौ प्रमुख प्रदूषण स्थलों पर 305 मिस्ट स्प्रेयर स्थापित करने का काम किया जा रहा है।

मिस्ट स्प्रेयर मुख्य रूप से धूल को हवा में फैलने से रोकने के लिए पानी के सूक्ष्म कणों का छिड़काव करता है जिससे धूल के कण नीचे बैठ जाते हैं। गुप्ता ने कहा कि मिस्ट प्रौद्योगिकी को प्रदूषण के खिलाफ एक प्रभावी समाधान के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के कुछ क्षेत्रों में मिस्ट स्प्रेयर के परीक्षणों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, हम दिल्ली की सभी सड़कों पर मिस्ट स्प्रे मशीन लगाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार कर रहे हैं। आईटीओ पर 35 खंभों में लगाए गए मिस्ट स्प्रेयर अच्छे परिणाम दे रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण के समाधान पर दिल्ली सरकार को सलाह देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को घोषित इस समिति में विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और पर्यावरण विज्ञान के विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि समिति को सरकार द्वारा विशेष शक्तियां प्रदान की जाएंगी। गुप्ता ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सहित विभिन्न विभागों को प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से दिल्ली सरकार के पोर्टल पर गड्ढों की सूचना देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को आवासीय क्षेत्रों में सुरक्षा गार्ड को हीटर वितरित करने चाहिए, जिससे वे सर्दियों में लकड़ी-कचरा आदि न जलाएं और वायु प्रदूषण पर अंकुश लग सके।

दिल्ली पुलिस ने नाइजीरियाई ड्रग तस्कर को दबोचा

- कोर्ट ने पहले ही घोषित किया था भगोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के वेस्ट डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है, जिसे साकेत कोर्ट ने पिछले साल भगोड़ा अपराधी घोषित कर रखा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 30 वर्षीय म्बे चुकवुमा क्रिश्चियन के रूप में हुई है। वह मूल रूप से नाइजीरिया के अनंबरा राज्य का रहने वाला है और दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में रहता था।

मंगलवार (3 दिसंबर) को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यह आरोपी सुबह 9:30 बजे से 10:15 बजे के बीच तिलक नगर स्थित पेस्ट्री पैलेस में किसी से मिलने आने वाला है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर राजेश कुमार मौर्य के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में एएसआई ऋषि, हेड कांस्टेबल दिनेश, हेड कांस्टेबल दीपक और कांस्टेबल दिनेश शामिल थे। टीम ने पेस्ट्री पैलेस के आसपास घेराबंदी की और ठीक समय पर आरोपी को दबोच लिया। जब उसका रिकॉर्ड चेक किया गया तो पता चला कि उसके खिलाफ 2019 में महरौली थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। यह मामला एनडीपीएस एक्ट (मादक पदार्थ कानून) की धारा 21 के तहत था। जमानत मिलने के बाद उसने कोर्ट में हाजिर होना बंद कर दिया था, जिसके चलते 20 जनवरी 2024 को साकेत कोर्ट की स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट ने उसे भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया था।

दीनदयाल जन आजीविका योजना के तहत महिलाओं को बनाया जाएगा सशक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार की दीनदयाल जन आजीविका योजना के तहत गुरुवार को शाहदरा और उत्तर-पूर्वी जिले में महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

दोनों जिलों के जिलाधिकारियों के नेतृत्व में हुए इस सत्र में महिलाओं को कोऑपरेटिव सोसाइटी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सरल तरीके से समझाई गई, ताकि वे अपने समूहों को औपचारिक रूप दें और आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकें। कार्यक्रम में शाहदरा के जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह परिहार, एडीएम शाहदरा राजीव रंजन और एडीएम उत्तर-पूर्वी कमलेश कुमार उपस्थित रहे। दोनों जिलों के लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर भी सत्र में शामिल हुए। दिल्ली स्टेट कोऑपरेटिव ट्रेनिंग सेंटर के प्रिंसिपल ने महिला समूहों को विस्तार से बताया कि कोऑपरेटिव बनाकर वे बैंकिंग सुविधाओं, सरकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता का अधिक प्रभावी उपयोग कर सकती हैं। अधिकांश स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा संचालित होने के कारण यह प्रशिक्षण उनके लिए नया अवसर माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि कोऑपरेटिव संरचना अपनाने से महिलाएं संगठित तरीके से काम कर पाएंगी, आय बढ़ाने के अधिक साधन विकसित होंगें और स्थानीय स्तर पर महिला नेतृत्व को और मजबूती मिलेगी।

सीमापुरी में गोलीबारी में वांछित व्यक्ति गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- फरीदाबाद स्थित मामा के घर से पकड़ा गया जतिन

दिल्ली पुलिस ने सीमापुरी में एक घर पर कथित गोलीबारी के करीब छह हफ्ते बाद हत्या के प्रयास के इस मामले में वांछित 23 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी जतिन हरियाणा के फरीदाबाद स्थित उसके मामा के घर से पकड़ा गया, जहां वह गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपा हुआ था।

पुलिस के अनुसार सीमापुरी में 22 अक्टूबर को चार-पांच हथियारबंद लोग मोटरसाइकिल पर सलीम के घर के बाहर पहुंचे और पहली मंजिल की बालकनी की ओर कई राउंड गोलियां चलाईं, जहां सलीम और उसकी पत्नी खड़े थे। पुलिस का कहना है कि एक टीम ने संदिग्धों की तलाश शुरू की। तकनीकी निगरानी के जरिए उसने फरीदाबाद में आरोपी जतिन का पता लगा लिया। उसने उस जगह पर छापा मारकर जतिन को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने जतिन ने कथित तौर पर अपने साथियों--आदित्य, आदित्य (दूसरा भी आदित्य) और जाफर के साथ गोलीबारी में शामिल होने की बात कबूल की। पुलिस का कहना है कि उसने पुलिस को बताया कि गोलीबारी के बाद वे लोग उत्तर प्रदेश की ओर भाग गये और बाद में पकड़े जाने से बचने के लिए अलग-अलग हो गये। अधिकारी ने कहा, हम गोलीबारी के मकसद की जांच कर रहे हैं। जतिन पहले भी एक मामले में शामिल रहा है। बाकी आरोपियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

71 पेटी अवैध शराब के साथ धरा गया एक तस्कर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नयी दिल्ली जिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 71 पेटी अवैध शराब जब्त की है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को वंदेमातरम मार्ग के पास गश्त कर रही पुलिस टीम ने रात करीब नौ बजकर 40 मिनट पर शंकर रोड गोलचक्कर के पास देखा कि एक मिनी ट्रक को उसका चालक लापरवाही से चला रहा है।,

अधिकारी ने बताया, जब रुकने का इशारा किया गया, तो चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन कुछ दूर पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया गया। जांच के दौरान, टीम ने 618 लीटर अवैध शराब बरामद की, जिस पर केवल हरियाणा में बिक्री के लिए लिखा था। अधिकारी का कहना है कि चालक बिजेंद्र शराब की इस खेप के पक्ष में वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। बिजेंद्र हरियाणा के झज्जर का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, बिजेंद्र पहले भी दिल्ली में इसी तरह के चार मामलों में शामिल रहा है।

कैंसर के बढ़ते मामलों पर सरकार की लापरवाही चिंता का विषय: देवेंद्र यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आईसीएमआर-नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम की नवीनतम रिपोर्ट में राजधानी दिल्ली में कैंसर के लगातार बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्था की खस्ताहाली को उजागर कर दिया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राजधानी में कैंसर के मरीजों की संख्या हर वर्ष भयावह रूप से बढ़ रही है, जो दिल्ली की बिगड़ती स्वास्थ्य सेवाओं का स्पष्ट संकेत है।

वर्ष 2024 में जहां 28,387 नए कैंसर मामले दर्ज किए गए, वहीं 2023 में यह संख्या 27,561 और 2022 में 26,735 थी। उन्होंने कहा कि कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही रोगी अपने भविष्य को अंधकारमय समझने लगता है, परन्तु दिल्ली की पिछली आम आदमी पार्टी सरकार और वर्तमान भाजपा सरकार दोनों ही इस बीमारी के उपचार हेतु अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। इन सरकारों की उदासीनता के कारण न तो पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हैं और न ही विशेषज्ञ अस्पताल स्थापित किए जा सके हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कैंसर के मामले चिंताजनक हैं। वर्ष 2024 में देशभर में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर मरीज दर्ज हुए, जबकि जनसंख्या के अनुपात में दिल्ली का आंकड़ा सबसे अधिक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार राजधानी की प्रदूषित हवा, तनाव, धूल कण, जीवनशैली से जुड़े जोखिम और प्रदूषण कैंसर बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। देर से निदान होने के कारण मरीजों की संख्या नित बढ़ती जा रही है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को प्रदूषण नियंत्रण हेतु स्थायी उपाय करने होंगे और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को राजधानी में व्यापक कैंसर जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जहरीली हवा फेफड़ों के कैंसर का जोखिम कई गुना बढ़ा रही है। कैंसर उपचार की अत्यधिक लागत को देखते हुए सरकार को चाहिए कि वह सरकारी अस्पतालों में स्क्रीनिंग सुविधाएँ बढ़ाए, उपचार के आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए और मुफ्त दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थ, तंबाकू और शराब का सेवन भी कैंसर के बड़े कारणों में शामिल है, जिनकी बिक्री से सरकार को भारी राजस्व प्राप्त होता है, इसलिए सरकार का दायित्व है कि वह कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत चिकित्सा ढाँचा स्थापित करे।

प्राइवेट अस्पतालों में महंगे उपचार के कारण गरीब मरीज इलाज कराने में असमर्थ हैं, जबकि सरकारी अस्पतालों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि दिल्ली में सरकार की लापरवाही के कारण कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की नकली दवाइयाँ खुलेआम बेची जा रही हैं, जिससे मरीजों को उपचार के बजाय मौत मिल रही है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में कैंसर मरीजों की संख्या हर वर्ष बढ़ रही है, परन्तु दिल्ली सरकार ने न दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की है और न उपचार की उन्नत सुविधाएँ विकसित की हैं।

आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में 0-74 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक छह पुरुषों में से एक और सात महिलाओं में से एक को जीवनकाल में कैंसर होने की आशंका है, जबकि पुरुषों के लिए औसत निदान आयु 58 वर्ष और महिलाओं के लिए 55 वर्ष बताई गई है। उन्होंने कहा कि 400 से अधिक एक्यूआई स्तर वाला खतरनाक प्रदूषण और खराब पर्यावरण सीधे तौर पर कैंसर मामलों की वृद्धि का कारण है, जिसके लिए वर्तमान सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है।

पुलिस ने विकासपुरी फ्लाईओवर के पास से दो अपराधी दबोचे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए पश्चिम दिल्ली के दो कुख्यात हथियारबंद अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी इलाके में दहशत फैलाने और आपराधिक दबदबा बनाने के लिए कई बार खुलेआम फायरिंग कर चुके हैं। डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ये दोनों बदमाश विकासपुरी फ्लाईओवर के पास आने वाले हैं। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की डब्ल्यूआर-1 टीम ने तुरंत कार्रवाई की। इंस्पेक्टर अखिलेश बाजपेयी के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए दोनों अपराधी पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों में सक्रिय थे। ये लोग इनके नाम से ही डरते थे। ये आए दिन गैंगवार, फिरौती और खुली फायरिंग की घटनाओं को अंजाम देते थे। इलाके के व्यापारियों और आम लोगों में इनकी दहशत इतनी थी कि कोई खुलकर शिकायत करने से भी डरता था।

संक्षिप्त खबरें

तकनीक-संचालित भविष्य की ओर बढ़ा पेपर उद्योग

फरीदाबाद। द्वारका के यशोभूमि में शुरू हुए पेपरेक्स 2025 में भारतीय पेपर उद्योग की अपार विकास क्षमता दिखाई दी। 28 देशों के 675 प्रदर्शकों और 33,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों ने इस चार दिवसीय आयोजन में भाग लिया। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने कहा कि भारतीय कागज उद्योग नवाचार, ऊर्जा दक्षता और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन का प्रतीक बनकर उभरा है। उद्योग की उत्पादन क्षमता 2030 तक 32 मिलियन टन तक बढ़ने का अनुमान है। पवन अग्रवाल ने बताया कि बांस का बढ़ता उपयोग और किसानों को वृक्ष उगाने की स्वतंत्रता टिकाऊ उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। इस वर्ष जेके पेपर, टीएनपीएल, ट्राइडेंट ग्रुप, बीआईएलटी ग्राफिक पेपर, आंध्रा पेपर और अन्य प्रमुख कंपनियां भाग ले रही हैं। यह सम्मेलन भारतीय कागज उद्योग के लिए नवाचार, डिजिटलकरण और वैश्विक सहयोग के नए अवसर खोलने का मंच साबित हुआ है।

5 वर्षीय बच्ची का मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी से सफल उपचार

फरीदाबाद। यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सेक्टर-20 में डॉक्टरों की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम ने 5 साल की बच्ची का बड़ा हार्ट डिफेक्ट मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी तकनीक से सफलतापूर्वक ठीक किया। इस उन्नत प्रक्रिया को डॉ. वीरेश महाजन, डॉ. वेद प्रकाश, डॉ. पाराग शर्मा और डॉ. जुनैद मकबूल भट ने मिलकर अंजाम दिया, जिससे बच्ची को बिना बड़े चीरे के तेज और सुरक्षित रिकवरी मिली। 13.3 किलोग्राम वजन वाली बच्ची में 18 & 22 एमएम का एएसडी था, जिससे दाहिने एट्रियम और वेंट्रिकल में फैलाव हुआ था। प्री-ऑप इको में अन्य हार्ट फंक्शन्स सामान्य पाए गए। डॉ. वेद प्रकाश ने बताया कि एमआईसीएस तकनीक में बाएं चेस्ट में छोटा चीरा लगाया जाता है, पारंपरिक सर्जरी की तुलना में दर्द कम और रिकवरी तेज होती है। सर्जरी के बाद बच्ची को पीडियाट्रिक आईसीयू में रखा गया और आवश्यक सपोर्ट दिए गए। पोस्ट-ऑप इमेजिंग में डिफेक्ट पूरी तरह बंद पाया गया और बच्ची स्वस्थ अवस्था में घर लौटी।

मनाया स्वामी ब्रह्मानन्द का 132 वां जन्मोत्सव

फरीदाबाद। लोधी राजपूत जन कल्याण समिति द्वारा सेक्टर-50, डबुआ कॉलोनी स्थित कार्यालय में परम श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानी, प्रथम भगवाधारी संन्यासी सांसद, गौरक्षक और शिक्षा प्रणेता स्वामी ब्रह्मानंद का 132 वां जन्मोत्सव श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारियों व गणमान्य लोगों ने स्वामी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन, त्याग और राष्ट्र सेवा को नमन किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य सचिन तंवर, सुरेश चंद पाठक, लाखन सिंह लोधी, रूप सिंह लोधी, धर्मपाल सिंह लोधी, नंदकिशोर लोधी, स्वामी वीरभद्र, सुदर्शन कुमार, दीपक यादव, संजीव कुमार लोधी, शीषपाल शास्त्री, दिनेश राघव, अजब सिंह लोधी, शिशुपाल सिंह लोधी, देवी सिंह लोधी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी ब्रह्मानंद जी ने राष्ट्रहित, गौ-संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

अभिप्रेरणा कार्यक्रम-राहदिखा ने बालिकाओं को दिया सक्षम बनने का संदेश

फरीदाबाद। गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा में गीता जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अभिप्रेरणा कार्यक्रम में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल की कक्षा सातवीं की छात्रा व चाइल्ड राइट्स एम्बेसडर राहदिखा शर्मा ने अपनी प्रस्तुति से सभी को प्रभावित किया। राहदिखा को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा सम्मानित किया जा चुका है तथा 15 अगस्त 2024 को जिला प्रशासन ने उन्हें यंगेस्ट सोशल वर्कर ऑफ फरीदाबाद घोषित किया था। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने बताया कार्यक्रम में राहदिखा ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कृति रश्मिरथी का प्रेरणादायक अंश प्रस्तुत किया जिसे सभी मंत्रमुग्ध हो गए।

कार की टक्कर से साइकिलिंग कर रहे बिजनेसमैन की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां साइकिलिंग कर रहे एक बिजनेसमैन की कार की टक्कर लगने से दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गया। बताया जा रहा है कि मृतक बिजनेसमैन का बेटा लंदन में नौकरी करता है, वहीं बेटी बेंगलूरु में नौकरी करती है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि आरोपी कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार अमिताभ (58) नामक बिजनेसमैन रोजाना की तरह गुरुवार की सुबह भी साइकिलिंग कर रहे थे। डीएलएफ फेज-2 में आकाश नीम मार्ग पर एक कार चालक ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। इससे साइकिल सवार अमिताभ तेज गति से सडक पर गिर गये। इससे पहले कि वे उठकर कार चालक को पकड़ पाते, वह मौके से फरार हो गया। लोगों ने अमिताभ को अस्पताल पहुंचाया। वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित

- सेंट्रो कार ने पीछे से टक्कर मारी

कर दिया। अमिताभ डीएलएफ फेज-2 में बोगन विला मार्ग में रहते थे। उनका दवाइयों का बिजनेस था। पिछले कुछ महीने से वे घर पर ही रहते थे। परिजनों ने यह भी बताया कि बताया कि अमिताभ का करीब 10 साल पहले लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था। उनकी पत्नी सरकारी सेवा से सेवानिवृत हैं। बेटा लंदन में व बेटी बेंगलूरु में नौकरी करती है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि परिवार की ओर से दी गई शिकायत पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। परिजनों ने बयान दिया है कि उन्हें इस हादसे को लेकर किसी पर कोई शक नहीं है। ना ही उनकी किसी से दुश्मनी है। जिस तरह से यह हादसा हुआ है, इससे लगता है कि किसी ने जान-बूझकर टक्कर मारी है।

आतंकी मुजम्मिल और शाहीन को दुकानदारों ने पहचानने से किया इनकार

प्रशासन ने सील की दुकानें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े आतंकी मुजम्मिल और शाहीन शहीद मामले की जांच में बड़ा कदम उठाते हुए प्रशासन ने एनआईटी नेहरू ग्राउंड स्थित केमिकल बेचने वाली दो दुकानों को सील कर दिया है। बुधवार को की गई इस कार्रवाई के दौरान एसडीएम बड़खल त्रिलोकचंद और कोतवाली थाना प्रभारी श्रीभगवान मौके पर मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि इन दोनों दुकानों से ही आतंकियों ने हाइड्रोजन केमिकल (एसीटोन) खरीदा था, जिसका बाद में विस्फोटक तैयार करने में इस्तेमाल किया गया।

बढ़ी कार्रवाई : एनआईए ने आतंकियों के पकड़े जाने के बाद एनआईटी नेहरू ग्राउंड स्थित बी. आर. साइंटिफिक एंड कैमिकल्स नामक दुकान पर छापेमारी की थी। इस दौरान टीम ने वहां से बिके केमिकल का पूरा रिकॉर्ड खंगाला। सूत्रों के अनुसार, यह दुकान विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अस्पतालों की प्रयोगशालाओं में केमिकल सप्लाई

दिल्ली ब्लास्ट

- दुकानदारों के पास हाइड्रोजन केमिकल व अन्य संवेदनशील पदार्थ बेचने का नहीं था लाइसेंस

करने का काम करती थी। दुकान के मालिक लाल बाबू से पूछताछ में उसने आरोपियों को पहचानने से इंकार कर दिया था, जबकि जांच एजेंसी के पास इनपुट था कि मुजम्मिल ने इसी दुकान से एसीटोन खरीदा था। इसी आधार पर एनआईए ने कई दस्तावेज और बिक्री संबंधी रिकॉर्ड कब्जे में लिए थे।

पहचान से इनकार: जांच टीम का कहना है कि दुकानदारों द्वारा खरीदारों की पहचान से इंकार किए जाने के बाद शक की स्थिति और बढ़ गई। ऐसे मामलों में केमिकल सप्लाई करने वाले दुकानदारों को बिक्री का स्पष्ट रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होता है, विशेषकर उन केमिकल्स का जिन्हें विस्फोटक सामग्री बनाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। एजेंसी द्वारा रजिस्टर, बिल, भुगतान विवरण और केमिकल की मात्रा से संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की गई।

लाइसेंस न मिलने पर दुकाने सील : मौके पर पहुंचे एसडीएम त्रिलोकचंद ने बताया कि दुकानों की जांच के दौरान यह पाया गया कि उनके पास हाइड्रोजन केमिकल और अन्य संवेदनशील पदार्थ बेचने का लाइसेंस मौजूद नहीं था। सुरक्षा मानकों को पूरा न करने और लाइसेंस संबंधी कमियों को देखते हुए दोनों दुकानों को तुरंत प्रभाव से सील कर दिया गया। उन्होंने कहा कि संवेदनशील रसायनों की बिक्री बिना अनुमति के गंभीर अपराध है।

स्थानीय समिति ने की संयुक्त कार्रवाई : संदिग्ध गतिविधियों और लाइसेंस की कमी को देखते हुए एसडीएम बड़खल की अध्यक्षता में एक स्थानीय समिति गठित की गई थी। इस समिति में कोतवाली थाना प्रभारी, दवा नियंत्रण विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम, क्राइम ब्रांच के अधिकारी तथा निगम की संबंधित टीमें शामिल थीं।

जांच में और नाम आ सकते हैं सामने : पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह जांच अभी जारी है और दुकानों के रिकॉर्ड के आधार पर कुछ और नामों की भूमिका सामने आ सकती है। कई ग्राहकों के बिल संदिग्ध पाए गए हैं, जिनकी पूरी जानकारी खंगाली जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि इस मामले में लापरवाही के किसी भी पहलू को बख्शा नहीं जाएगा।

एनएचपीसी यूटर्न पर कार में लगी आग, टला बड़ा हादसा

फरीदाबाद। दिल्ली-मथुरा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-2) के एनएचपीसी यूटर्न पर बुधवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक आई-20 कार में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी। ड्राइवर की त्वरित सूझबूझ और दमकल विभाग की तेज कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

दिल्ली से आ रहा था चालकः जानकारी के मुताबिक, कार चालक संजय दिल्ली से फरीदाबाद की ओर आ रहा था। जैसे ही उसने एनएचपीसी यूटर्न लिया, कार के सामने वाले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते कार बीच सड़क पर बंद हो गई। संजय तुरंत कार से बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई। बाहर आते ही इंजन से उठता धुआं तेज लपटों में बदल गया। बताया गया कि संजय एनएचपीसी यूटर्न से वापस दिल्ली की दिशा में मुड़ रहे थे। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए।

2030 तक देशभर में एक लाख से अधिक ई-वाहन चार्जिंग प्वायंट लगाएगी मारुति सुजुकी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ई-वाहनों के भविष्य को देखते हुए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड मजबूती के साथ मैदान में आ गई है। गुरुग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने घोषणा की है कि वर्ष 2030 तक देशभर मे अपने पार्टनर्स के साथ मिलकर एक लाख से अधिक ई-वाहन चार्जिंग प्वायंट स्थापित किए जाएंगें। मारुति सुजुकी ने 13 चार्ज प्वायंट ऑपरेटर्स और एग्रीगेटर्स के साथ सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ हिसाशी ताकेउचि, सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मार्केटिंग और सेल्स पार्थो बनर्जी और सीपीओ के अन्य वरिष्ठ गणमान्य अधिकारी इस अवसर पर मौजूद रहे। मारुति सुजूकी की ओर से उत्कृष्ट ईवी चार्जिंग नेटवर्क की तैयारियों को परखने के लिए कंपनी देशव्यापी ई-ड्राइव की

- चार्जिंग नेटवर्क की तैयारियां परखने को चार ई-गाड़ियां गुरुग्राम से श्रीनगर, कन्याकुमारी, भुज व डिब्रूगढ़ भेजी गई

शुरूआत कर रही है। इस ड्राइव के तहत गुरुग्राम से चार ई-विटारा ईलेक्ट्रिक गाड़ियां को देश के चारों दिशाओं में रवाना किया गया है। उत्तर में श्रीनगर से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी के समुद्री छोर तक, पूर्व में डिब्रूगढ़ से लेकर पश्चिम में गुजरात के भुज तक यह ड्राइव पूरे देश में ईवी चार्जिंग और ईवी ओनरशिप की वास्तविक क्षमता को दिखाएगी। ई फॉर मी चार्जिंग पॉइंट्स के मजबूत नेटवर्क को प्रमाणित करेगी। ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने के लिए ई फॉर मी ऐप एप्पल ऐप स्टोर और गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध होगा।

हम पूरी तैयारी से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में प्रवेश कर रहे : इस अवसर पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ हिसाशी ताकेउचि ने कहा कि मारुति सुजुकी में हम अपने ग्राहकों को सुखद ओनरशिप का अनुभव देने का प्रयास करते हैं, ताकि कंपनी पर उनका भरोसा टूटे नहीं। हम पूरी तैयारी के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं।

मर्जी के खिलाफ शादी कराने को लेकर बेटी ने दर्ज कराई एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- घर में बंधक बनाने का भी लगाया आरोप
- गुरुवार चार दिसंबर को ही होनी थी शादी

भाजपा नेता द्वारा अपनी बेटी की उसकी मर्जी के खिलाफ शादी कराने की जिद करना बेटी को नागवार गुजरा। गुरुवार चार दिसंबर को उसकी शादी तय की गई थी। इसी बीच बेटी ने अपने पिता के खिलाफ एफआईआर ही दर्ज करवा दी। आरोप है कि उसके घरवालों ने उसका मोबाइल उससे छीन लिया था। बुधवार को सेक्टर-9ए पुलिस थाना में केस दर्ज करके युवती का पुलिस ने रेस्क्यू किया। गुरुवार को इस शादी को लेकर क्षेत्र में चचार्एं रहीं।

जानकारी के अनुसार शहर के सेक्टर-9 में रहने वाले भाजपा नेता पार्षद नरेश कटारिया ने गुरुवार चार दिसंबर को अपनी बेटी की शादी दौलताबाद गांव के रहने वाले एक युवक के साथ तय की थी। उसकी बेटी इस शादी से खुश नहीं थी। वह लव मैरिज करना चाहती थी। इसलिए उसने एक दिन पहले ही बुधवार को यह शादी करने से पूरी तरह से इंकार कर दिया। अपने माता-पिता से जान का खतरा बताकर युवती ने सेक्टर-9 पुलिस थाना, महिला आयोग को ई-मेल के माध्यम से सूचना देकर खुद को बंधक बनाने की जानकारी दी। उसने अपनी शिकायत में कहा कि उसने एमबीए, बीएड व एमएड तक की पढ़ाई की है। उसकी मर्जी के खिलाफ उसकी शादी कराई जा रही है। वह पिछले 15 साल से एक युवक से प्रेम करती है। उसी वे वह शादी करना चाहती है। उसके माता-पिता उसे अपनी मर्जी से शादी करने के लिए कमरे में बंद रखते हैं। उसे अपने घरवालों से ही जान का खतरा है। युवती ने कहा कि वह अपनी मर्जी से बयान दे रही है। महिला आयोग में शिकायत पहुंचने के बाद सब हरकत में आए। शिकायत मिलने पर पुलिस भाजपा नेता के घर पहुंची और युवती को साथ ले गई। युवती ने कहा है कि उसे सेफ हाउस में रखा जाए।

एल्यूमिनियम गलाने की अवैध भट्टियों पर मुख्यमंत्री उड़न दस्ते का छापा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बल्लभगढ़ के नंगला गुजरान-सरूरपुर क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही एल्यूमिनियम गलाने की भट्टियों पर आज छापा मारा गया। बताया गया कि ये फैक्ट्रियां बिना किसी वैध दस्तावेज के संचालित हो रही थीं, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ रहा था।

उड़न दस्ता टीम ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बल्लभगढ़ से श्री पुनीत पाठक के साथ प्लॉट नंबर 1, गली नंबर 1, नागर चौक के निकट स्थित टीन शेड फैक्ट्री का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि वर्कशॉप में चार भट्टियां संचालित हो रही थीं, जहां 4-5 मजदूर एल्यूमिनियम के कबाड़ व दाने को गलाकर एल्युमिनियम की सिल्लियां तैयार कर

रहे थे। भट्टियों में लकड़ी और प्लास्टिक जलाया जा रहा था, जो पर्यावरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। मौके पर फैक्ट्री मालिक निखिल उपस्थित नहीं मिला। सुपरवाइजर मुन्नालाल से पूछताछ की गई, लेकिन वह किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी पुनीत पाठक द्वारा मौके पर स्पॉट इंस्पेक्शन रिपोर्ट तैयार की गई और वर्कशॉप संचालक को नोटिस जारी किया गया।

नवंबर में काटे 40,761 चालान, 29.59 लाख रुपए वसूला जुर्माना

फरीदाबाद। यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने और शहर में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए फरीदाबाद यातायात पुलिस ने नवंबर माह में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान नियमों की अवहेलना करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 40,761 चालान जारी किए गए, जिनसे 29,59,100 रुपए का जुमार्ना वसूला गया।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, बिना हेलमेट वाहन चलाने पर सबसे अधिक 15,415 चालान किए गए। लेन चेंज के 4,273, रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 3,949, रॉन्ग पार्किंग के 3,715, तेज रफ्तार के 3,361, शराब पीकर वाहन चलाने के 554, ट्रिपल राइडिंग के 1,289 तथा ब्लैक फिल्म के 900 चालान जारी किए गए।

जेलों में कौशल विकास और डिप्लोमा पाठ्यक्रम होंगे शुरू

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, हरियाणा सरकार के साथ मिलकर प्रदेश की विभिन्न जेलों में कौशल विकास केंद्रों, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और आईटीआई -स्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण की शुरूआत करेगा। इसका उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा छह दिसंबर को गुरुग्राम जिला जेल भौंडसी में करेंगे।

इस अवसर पर भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति शील नागू तथा उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश भी मौजूद रहेंगे। न्यायमूर्ति कुलदीप तिवारी की अध्यक्षता वाली विचाराधीन/जेल कैदियों के पुनर्वास एवं कौशल विकास संबंधी समिति के

- भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत शर्मा द्वारा 6 दिसंबर जिला जेल से की जाएगी शुरूआत
- इसके तहत कैदियों को मिलेगी व्यवसायिक शिक्षा

निरंतर प्रयासों ने इस पहल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका साझा दृष्टिकोण इस विश्वास को रेखांकित करता है कि जेलों को सुधार, क्षमता निर्माण और मानवीय गरिमा के संस्थानों के रूप में विकसित होना चाहिए।

हरियाणा की जेलों में पॉलिटेक्निक और कौशल विकास कार्यक्रमों का उद्घाटन सुधारात्मक न्याय के प्रति राज्य के दृष्टिकोण में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है। इस पहल के तहत कैदियों को व्यवसायिक और तकनीकी शिक्षा की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्राप्त होगी, जिसमें कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक, वेल्डर, प्लंबर, ग्रेस मेकर, इलेक्ट्रीशियन, बुडवर्क टेक्नीशियन, सिलाई तकनीक और कॉस्मेटोलॉजी जैसे व्यवसायों में आईटीआई पाठ्यक्रम और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय पॉलिटेक्निक डिप्लोमा शामिल है। इस पहल का उद्देश्य कैदियों को वर्तमान उद्योग की मांगों के अनुरूप रोजगारपरक कौशल से परिपूर्ण करना है। इन कार्यक्रमों की न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के लिए बल्कि कैदियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और उद्देश्य का संचार करने के लिए भी रूपरेखा तैयार की गयी है।

एटीएस अधिकारी बनकर बुजुर्ग से 2.10 लाख की ठगी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

- आतंकी कसाब से संबंध बताकर डराया, गिरफ्तारी की धमकी देकर मांगी बैंक जानकारी

जिले में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ठग अब लोगों को धमकाकर, डराकर और सरकारी विभागों के अधिकारी बनकर नई-नई तरकीबें अपनाते हुए बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। कभी गैस या बिजली कनेक्शन काटने का डर दिखाया जाता है, कभी डिजिटल गिरफ्तारी का झांसा दिया जाता है। ताजा मामला ग्रीनफील्ड कॉलोनी के एक रिटायर्ड बुजुर्ग से जुड़ा है, जहां ठगों ने आतंकवाद का नाम जोड़कर 2 लाख 10 हजार रुपए हड़प लिए।

पीड़ित बुजुर्ग ने बताया कि 17 नवंबर को उन्हें एक फोन आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम रणजीत कुमार बताया और खुद को एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) चंडीगढ़ का अधिकारी बताया। उसने कहा कि एटीएस देशभर में आतंकी गतिविधियों की जांच करता है और उनके सामने एक गंभीर मामला आया है जिसमें बुजुर्ग का नाम शामिल है। ठग ने दावा किया कि 2008 के मुंबई हमले के आतंकी अजमल कसाब से जुड़ी जांच में बुजुर्ग की निजी जानकारी सामने आई है। उसने धमकी दी कि यदि उन्होंने तुरंत अपनी संपत्ति और बैंक खातों की पूरी जानकारी नहीं दी, तो उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी।

कांग्रेसी नेत्री से बदसलूकी दो लोगों पर मुकदमा दर्ज

फरीदाबाद। सेक्टर-28 में हुडा विभाग की तोड़फोड़ कार्रवाई के दौरान कांग्रेसी नेत्री शालिनी चोपड़ा के साथ हुई कथित बदसलूकी का मामला तूल पकड़ गया है। घटना के बाद अब नगर निगम फरीदाबाद के जूनियर इंजीनियर हर्ष चपराना और बीजेपी नेता संदीप चपराना के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मामले के अनुसार, शालिनी चोपड़ा सेक्टर-28 में चल रही अवैध निर्माण पर तोड़फोड़ कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग कर रही थीं, तभी कुछ व्यक्तियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। नेत्री का आरोप है कि नगर निगम कर्मचारी हर्ष चपराना और बीजेपी नेता संदीप चपराहा ने न केवल उनके साथ गाली-गलौज और बदतमीजी की, बल्कि उन पर चप्पल उठाकर हमला करने की भी कोशिश की।

नगर निगम ने 60 से अधिक अवैध मकानों को ढहा दिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम के तोड़फोड़ दस्ते ने गुरुवार को सेक्टर-3 के 36 गज एरिया में गंदे नाले के पास अतिक्रमण कर बने 60 से अधिक अवैध मकानों को ढहा दिया। इस दौरान भारी पुलिस बल मौजूद था और कार्रवाई लगभग चार घंटे तक चली।

सूत्रों के अनुसार, सेक्टर-3 हाउसिंग बोर्ड के 36 गज पॉकेट-1 एरिया के पीछे नाले की जमीन पर मकान मालिकों ने बिना अनुमति अवैध निर्माण कर लिया था। नगर निगम ने पहले नोटिस दिए थे, लेकिन उन्होंने निर्माण हटाने का कोई कार्य नहीं किया। एक सप्ताह पहले मकानों पर नोटिस चस्पा कर दिए थे। गुरुवार को नगर निगम का तोड़फोड़ दस्ता सुबह

10:30 बजे मौके पर पहुंचा और कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कुछ मकान मालिकों ने विरोध किया, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उनका विरोध नाकाम रहा। नगर निगम के जॉइंट कमिश्नर करण सिंह भगोरिया ने तोड़फोड़ कार्रवाई का नेतृत्व किया, जबकि ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में एसडीओ विनोद कुमार उपस्थित रहे। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में शांति कायम रही। इस कदम से नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण और गंदे नालों पर निर्माण रोकने का संदेश स्पष्ट किया।

धूल-मिट्टी से बढ़ रही टीबी मरीजों की परेशानी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने गुडगांव नगर निगम द्वारा प्रदूषण का स्तर करने के लिए किए जा रहे दावों को दिखावा बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण कम करने के लिए नगर निगम रोजाना बड़े-बड़े दावे करता है, मगर हकीकत से यह बहुत दूर की बात है।

पुराने गुडगांव में कई-कई साल से मिट्टी सडकों, गलियों में ज्यों की त्यों पड़ी है। वीआईपी कहे जाने वाले सिविल लाइन से बाहर निकलते ही हकीकत का पता चला जाता है। सेक्टर-10 में सरकारी अस्पताल के टीबी सेंटर के पास मेन सडक पर पड़ी मिट्टी से टीबी मरीजों का मर्ज कम होने की बजाय बढ़ ही रहा है। इस पर भी कभी ध्यान नहीं दिया गया। नगर निगम गुडगांव के अधिकारी दावा करते हैं कि

- सरकारी अस्पताल के टीबी वार्ड के साथ धूल-मिट्टी से अटी सडक पर कभी नहीं हुई सफाई

मिशन प्रदूषण मुक्त-स्वच्छ गुरुग्राम की दिशा में नगर निगम गंभीरता से कार्य कर रहा है। एंटी स्मॉग गन व विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। इसे युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध भी नाम दिया गया है। कहने को तो शहर में धूल-मिट्टी हटाकर प्रदूषण का स्तर सही करने के दावे नगर निगम करता है, लेकिन हकीकत में ऐसा कम ही हो पा रहा है। पंकज डावर ने कहा कि सिविल लाइन से बाहर निकलते ही पीडब्ल्यूडी कार्यालय से सडकों किनारे धूल-मिट्टी नजर आ जाती है। यह स्थिति इसी एक क्षेत्र की नहीं है बल्कि कई अन्य क्षेत्रों में सडकों के किनारे से मिट्टी साफ नहीं की जा रही। जब तक पूरी सफाई नहीं हो जाती, तब तक धूल-मिट्टी कैसे साफ हो सकती है। पानी का छिडकाव भी कुछ समय के लिए धूल को उठने से रोक सकता है, लेकिन कुछ देर बाद हालत वही पहले वाले नजर आते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

दिनदहाड़े सर्राफा कारोबारी की हत्या

■ ज्वैलर्स को कैंची से गोदा, भीड़ ने आरोपी को दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के मोदीनगर में दिनदहाड़े सरार्फा कारोबारी की हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह 9.15 बजे बाजार में गिरधारी लाल वर्मा (75) अपनी दुकान खोलकर अंदर बैठे थे, तभी लूट के इरादे से नकाबपोश हत्यारा अंकित गुप्ता (30) आया। मिर्ची पाउडर डालने की कोशिश की, तभी कारोबारी उससे भिड़ गए।

हमलावर अंकित

मृतकः गिरधारी लाल

अंकित ने कारोबारी पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर कारोबारी का बेटा उपेंद्र भागकर आया और हत्यारे को पकड़ लिया। दोनों के बीच भी झड़प होने लगी। इस बीच हत्यारे ने तमंचा निकाल लिया। लेकिन, उपेंद्र ने उसे पकड़कर रखा। छीना-झपटी में दोनों दुकान से बाहर आ गए। बाहर आते ही आसपास खड़े लोगों ने भी आरोपी को दबोच लिया। उसकी जमकर पिटाई की। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। गोविंदपुरी मार्केट में हुई वारदात के बाद हड़कंप मच गया। सीसीटीवी में दिख रहा है कि हमलावर अंकित दुकान के अंदर घुसता है। जेब से मिर्ची पाउडर निकालकर गिरधारी लाल के ऊपर फेंकता है। इसके बाद चाकू निकालता है और काउंटर से कूदकर चापड़ से करीब 12 बार वह गर्दन और सीने पर वार करता है। तभी उपेंद्र आता है। उसे देखकर हत्यारा भागने लगता है। उपेंद्र उसे पकड़ लेता है। तभी वो तमंचा निकाल लेता है। उपेंद्र की उससे झड़प होती है। दोनों लड़ते हुए दुकान से बाहर निकल आते हैं। तभी आसपास मौजूद लोग भी वहां पहुंचते हैं और आरोपी को पकड़ लेते हैं। फिर लाठी डंडों से आरोपी की पिटाई कर देते हैं।

गिरधारी लाल वर्मा के दो बेटे हैं: हमले के बाद परिवार के लोग गिरधारी लाल को निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गिरधारी लाल वर्मा के दो बेटे उपेंद्र वर्मा और दीपेंद्र वर्मा हैं। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना ने कहा कि पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है।

लूट के लिए आया था: घायल उपेंद्र ने बताया कि मेरे पिता गिरधारी लाल सुबह दुकान पर गए थे। दुकान खोलकर अंदर बैठे थे। मैं टॉयलेट करने ऊपर चला गया। तभी अंकित गुप्ता लूट के लिए वहां पहुंचा। उसने मिर्ची पाउडर डालने की कोशिश की। पापा उससे भिड़ गए। अंकित ने चापड़ से गिरधारी लाल पर करीब 12 वार किए। मैं आया तो तमंचा निकाल लिया। मैं उसे पकड़कर बाहर तक ले आया। तभी आसपास के लोगों ने भी उसे पकड़ लिया।

ऑनलाइन गेमिंग में 20 लाख रुपए हार चुका

उपेंद्र ने बताया कि आरोपी अंकित गुप्ता ने एमएससी तक पढ़ाई की है। ऑनलाइन गेमिंग 20 लाख रुपए हार चुका है। उसके ऊपर 10 लाख रुपए का कर्ज है। लूट के लिए वह दुकान पर गया था। लूट में विफल होने पर उसने हत्या कर दी। आरोपी के कब्जे से मिर्ची पाउडर, कैंची और तमंचा बरामद हुआ।

व्यापारियों ने दुकानें बंद कर धरना दिया

हत्या के विरोध में स्थानीय व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं। सड़क पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। विधायक डॉ. मंजू शिवाच भी धरनास्थल पर पहुंचीं हैं। विधायक ने व्यापारियों की नाराजगी सुनने के बाद पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात की।

युवक की आत्महत्या मामले में पत्नी समेत पांच पर केस दर्ज

गाजियाबाद। गुलधर द्वितीय में 28 नवंबर को युवक द्वारा आत्महत्या करने के मामले में मधुबन बापूधाम पुलिस ने युवक की पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। युवक के पिता ने बहू और उसके परिजनों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। संजयनगर सेक्टर-23 के गुलधर द्वितीय स्थित संतोष नगर में रहने वाले मनोज कुमार का कहना है कि उनके बेटे रोबिन कुमार की शादी वर्ष 2017 में थाना सिंभावली, जिला हापुड़ के गांव भरना निवासी मीनाक्षी के साथ हुई थी। शादी के बाद कुछ समय तक सब सामान्य रहा, लेकिन धीरे-धीरे विवाद बढ़ने लगा।

मनोज कुमार का आरोप है कि मीनाक्षी आए दिन झगड़ा करती थी और रोबिन को दहेज के झूठे केस में फंसाने की धमकी देती थी। बाद में उसने मुकदमा भी दर्ज करा दिया, जिसकी सुनवाई लंबे समय से अदालत में चल रही थी। अदालत में तारीख के दौरान मीनाक्षी, उसकी बहन ज्योति, रिश्तेदार आदित्य और माता-पिता विमलेश व ओमपाल सिंह उनके बेटे को लगातार जान से मारने और एक्सीडेंट करवाने की धमकियां देते थे।

फर्जी बिल बनाकर छह करोड़ की ठगी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

वसुंधरा सेक्टर-15 स्थित अस्पताल के मेडिकल स्टोर संचालक पर छह करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप लगा है। अस्पताल संचालक की ओर से थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। आरोप है कि दवाओं और उपकरण की खरीद फरोख्त को फर्जी बिलों के जरिए ठगी की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वसुंधरा सेक्टर-15 में डॉ. सुरेश कुमार फैमिली हेल्थ केयर अस्पताल संचालित करते हैं। डॉ. सुरेश कुमार के अनुसार उन्होंने अस्पताल में मेडिकल स्टोर चलाने के लिए पानीपत में रहने वाले नरेंद्र कुमार और उनके बेटे ऋषभ डांगी से अनुबंध किया था।

अनुबंध के तहत रोजाना की बिक्री का लेखाजोखा अस्पताल के सॉफ्टवेयर पर अपलोड करने और आय का पांच प्रतिशत कमीशन मेडिकल स्टोर संचालक को देने की बात कही थी। आरोप है कि अक्तूबर 2023 में पिता-पुत्र ने उन्हें 25.80 करोड़ रुपये की बिक्री होना बताया। इसके बाद अलग-अलग रकम के बिल ऐसी दवाओं की खरीद-फरोख्त के बनाए जो दवाएं फामेर्सी को उपलब्ध ही नहीं कराई गईं। यहां तक कि साल 2023 में ही 35 करोड़ का व्यवसाय बताकर आरोपी ने उनसे 1.95 करोड़ रुपये का कमीशन भी उनसे ले लिया। जब उन्होंने बिलों की जांच की तब फर्जीवाड़ा सामने आया। उन्होंने आरोपियों से बातचीत कर उनके साथी संदीप कुमार से रुपये वापस मांगे।

आरोप है कि संदीप ने उन्हें शालीमार गार्डन स्थित शिव चौक पर बुलाया और यहां परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी। साथ ही 17 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी। अदालत के आदेश पर तीन दिसंबर को शालीमार गार्डन पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

बेकार चीजों से नए उत्पादों को तैयार करना सीखा

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस कॉलेज में गुरुवार को डिजाइन एंड इनोवेशन अकादमी द्वारा स्कूली छात्रों के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट थीम पर आयोजित इस सत्र में छात्रों ने अनुपयोगी चीजों से उपयोगी उत्पादों के डिजाइन तैयार करना सीखा। साथ ही डिजाइन प्रक्रिया, सामग्री चयन, रंग संयोजन और प्रस्तुति के विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई।

सेक्टर-8 में कल से गुलदाउदी की प्रदर्शनी लगेगी

नोएडा। सेक्टर-8 स्थित नर्सरी में छह और सात दिसंबर को गुलदाउदी की प्रदर्शनी लगेगी। नोएडा प्राधिकरण और फ्लोरिकल्चर सोसाइटी की ओर से इसका आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शन में प्रवेश निशुल्क होगा। इस प्रदर्शनी में दिल्ली, नोएडा और आसपास के औद्योगिक और शिक्षण संस्थानों भाग लेंगे। इसके अलावा आवासीय कॉलोनियों के भी प्रतिभागी भी पुष्प पेश करेंगे।। इस बार उत्सव को और भी आकर्षित बनाने के लिए फॉलिएज, कोलियस, फर्न और गुलाब को भी शामिल किया गया। प्रदर्शनी देखने आए लोग खाद, पौध, गमले, गार्डनिंग के टूल्स इत्यादि भी खरीद सकेंगे। इसके लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। यहां पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप ले भागे

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की गौर सिटी दो सोसाइटी के बाजार में सड़क किनारे खड़ी कार की खिड़की का शीशा तोड़कर बैग चोरी कर लिया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्रेनो वेस्ट की गौर सिटी दो सोसाइटी में अभय कुमार परिवार के साथ रहते हैं। अभय कुमार ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार की रात करीब 9:00 बजे सोसाइटी के बाजार में सामान लेने गए थे। वह अपनी कार सड़क किनारे खड़ी कर बाजार चले गए। कुछ देर बाद वापस लौटे तो कार की पिछली खिड़की का शीशा टूटा मिला। सीट पर रखा बैग गया था। बैग में लैपटॉप, चार्जर, कार्ड और पांच हजार रुपये रखे थे। पीड़ित ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

ट्रक से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत

नोएडा। महामाया फ्लाईओवर के पास गुरुवार सुबह ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक का सिर ट्रक के पहिए के नीचे आकर कुचल गया था। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी की शुरू कर दी है। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि महामाया फ्लाईओवर के निकट दलित प्रेरणा स्थल के सामने बने यूटर्न के पास बाइक से युवक जा रहा था। अचानक पीछे से राजस्थान नंबर के ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और युवक का सिर ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। इससे उसका सिर कुचल गया। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित कामना अपार्टमेंट में रहने वाले 20 वर्षीय उत्पल कांत के रूप में हुई।

सोसाइटी से पेड़-पौधों के अवशेषों को नहीं हटाया

ट्रांस हिंडन। वसुंधरा सेक्टर-15 स्थित शिखर एंक्लेव सोसाइटी में करीब एक माह से पेड़-पौधों से टूटी पत्तियां परिसर में फैली हुई हैं। ये सड़ने लगी हैं और दुर्गंध से लोगों का जीना दूभर हो गया है। शिखर एंक्लेव सोसाइटी में 216 फ्लैटों में 800 से अधिक लोग निवास करते हैं। सोसाइटी निवासी संदीप कुमार ने बताया कि पार्कों की सफाई कराने के बाद गंदगी को एक जगह इकट्ठा कर दिया है। लोगों का आरोप है कि सोसाइटी में कूड़ा गाड़ी रोजाना आती है, लेकिन इस गंदगी को छोड़कर बाकी कचरा ही उठाती है। यह कूड़ा करीब एक माह से जमा है और अब इससे तेज दुर्गंध आने लगी है। उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज कुमार ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर गंदगी को जल्द ही हटाया जाएगा।

अरवाचीन स्कूल 95 रन से बना विजेता

गाजियाबाद। दिनेश राज क्रिकेट अकादमी में चल रहे बीआर शर्मा टूनार्मेंट में गुरुवार को अरवाचीन स्कूल और एसबी यूथ के बीच लीग मैच हुआ। मैच में अरवाचीन स्कूल 95 रन से विजेता बना। टॉस जीतकर अरवाचीन स्कूल ने बल्लेबाजी करके 40 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 311 रन बनाए। टीम से कणव खन्ना ने नाबाद 157 रन की पारी खेली और शशि भान ने 86 रन बनाए। विरोधी टीम से मयंक राज ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एसबी यूथ की टीम 40 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 216 रन ही बना पाई। देव यादव ने 48 और केशव ने 44 रन का योगदान दिया। अरवाचीन स्कूल से गेंदबाजी में प्रथम और आदर्श तिवारी ने दो-दो विकेट लिए। कणव खन्ना को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

सरकारी स्कूल में बच्चों को गर्म कपड़े वितरित

गाजियाबाद। कंपोजिट विद्यालय लाल क्वार्टर के विद्यार्थियों को गुरुवार को श्री गुरुधाम मंदिर मोदीनगर के सहयोग से गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फ्लैट ऑनर फेडरेशन के चेयरमैन कर्नल (सेवानिवृत्त)टीपी त्यागी ने विद्यार्थियों को कपड़े दिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या रेनू बहल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन फ्लैट ऑनर फेडरेशन के उपाध्यक्ष एमएल वर्मा ने किया। गुरुधाम मंदिर की सदस्य रागिनी तायल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर पार्षद कुलदीप कुमार त्यागी, रामपाल, संजीव कुमार, उदित अरोड़ा, रुपेश त्यागी, प्रिंस कुमार चौधरी, लक्की, शरद, आशु पाठक, किरन, असमां, सबा एवं अन्य उपस्थित रहे।

आज होगी औद्योगिक भूखंडों की ई-नीलामी

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 39 औद्योगिक भूखंड की योजना के लिए 177 आवेदकों के बीच ई-नीलामी होगी। पांच दिसंबर को ई-नीलामी की प्रक्रिया से भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। पहले यह ई-नीलाम चार दिसंबर को होनी थी, जिसमें प्राधिकरण ने तकनीकी कारणों से संशोधन किया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि अलग-अलग सेक्टरों में औद्योगिक भूखंड की योजना इसी साल की शुरूआत में लॉन्च की गई थी। 29 सितंबर इसमें आवेदन के लिए अंतिम तारीख तय की गई। इसके लिए 180 उद्योगों ने आवेदन किया। इनमें से एक आवेदन मानकों को पूरा नहीं कर रहा था। इस आवेदक समेत तीन ने आवेदन को वापस करने और जमा धनराशि के रिफंड के लिए प्राधिकरण में पत्र दिया है। ऐसे में अब 177 आवेदकों को ई-नीलामी में शामिल होने का मौका दिया गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पोर्टल पर सुबह 11 बजे से यह ई-नीलामी कराई जाएगी।

युवती को गोली मारने का आरोपी गिरफ्तार

मोदीनगर। गांव नंगलाबेर में एकतरफा प्रेम में घर में घुसकर एमएससी की छात्रा को गोली मारने के आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शादी करने से इंकार करने पर वारदात को अंजाम दिया गया था। गांव नंगलाबेर में 30 नवंबर को घर में घुसकर युवती के सिर में गोली मार दी गई थी। बताया जा रहा था कि युवक युवती से एकतरफा प्रेम करता था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। एसीपी मोदीनगर मसूरी सर्किल ने बताया कि पुलिस ने आरोपी प्रदीप कुमार निवासी नंगलाबेर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि युवती से काफी समय से दोस्ती थी। पिछले दिनों युवती की शादी हो गई थी। उसने जब युवती से शादी करने के लिए कहा तो वह मना करने लगी। इस से नाराज होकर युवती को गोली मारी थी। युवती की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

भूखंड कब्जाने की धमकी देकर 20 लाख की रंगदारी मांगी

■ पुलिस ने पांच नामजद और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में प्लॉट कब्जाने की धमकी देकर 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने प्लॉट पर निर्माण कार्य रुकवाकर रकम की मांग की। पुलिस ने पांच नामजद और तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अकबरपुर बहरामपुर के बुद्ध विहार में रहने वाले सतेंद्र पाल सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने साथी सोनू, रवि और रविंद्र चौधरी के साथ मिलकर ग्राम अकबरपुर स्थित फ्रेंड्स एन्कलेव में 200 वर्ग गज प्लॉट का बैनामा शकुंतला देवी से कराया था। 21 जुलाई 2025 को पंजीकृत इकरारनामा होने के बाद नौ सितंबर 2025 को रजिस्ट्री भी दर्ज हुई और उसी दिन प्लॉट का कब्जा भी उन्हें सौंप दिया गया। उस पर कुछ दिनों से निर्माण कार्य करवा रहे थे।

आरोप है कि 26 जुलाई 2025 को सागर, महेंद्र यादव, प्रिंस यादव, संदीप यादव, जॉनी यादव समेत लगभग आठ से दस लोग पहुंच गए। सभी के हाथ में पिस्टल, लाठियां और डंडे थे। उन्होंने उन्हें काम रुकवाते हुए कहा कि प्लॉट पर निर्माण कराना है तो 20 लाख रुपये देने होंगे। साथ ही आरोपियों ने कहा कि उन्होंने प्लॉट के कागज भी बनवाए हुए हैं। अगर 20 लाख रुपये नहीं दिए तो वह प्लॉट पर कब्जा कर लेंगे। बात न मानने पर वह हत्या करके शव ठिकाने लगा देंगे। आरोपियों पर गैंगस्टर और जिलाबदर की हो चुकी कार्रवाई सतेंद्र पाल सिंह का कहना है कि आरोपियों में से कई पर पहले से ही गैंगस्टर सहित गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं और कुछ जिला बदर भी घोषित किए जा चुके हैं। उनके परिवार के सभी सदस्य दहशत में हैं और किसी भी समय अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। घटना के संबंध में पीड़ित ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

> एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि तीन दिसंबर को पांच नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

बैडमिंटन में शिवानी सिंह ने अर्चिशा पराशर को हराया

गाजियाबाद। विष्णु एन्क्लेव स्थित स्पार्टा बैडमिंटन अकादमी में चल रही जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार को अंडर-15 आयुवर्ग के मुकाबले खेले गए। एकल बालिका वर्ग में शिवानी सिंह ने अर्चिशा पराशर को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। अवनी बंसल तीसरे स्थान पर रहीं। बालिका डबल्स में कीरत कौर और हिमांशी ने अनुज्ञा और अर्चिशा को हराया। श्रष्टी गुप्ता और सुहानी सिंह तीसरे स्थान पर रहीं। मिक्स डबल वर्ग में जिया और उत्कर्ष की जोड़ी ने सेमी फाइनल में प्रवेश किया। बालक डबल्स में अर्णव और उत्कर्ष, करण प्रताप और विपुल की जोड़ी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप में पांच दिसंबर को अंडर-17 आयुवर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे।

नींद की झपकी और हादसाः चलती रोडवेज बस पलटी, 12 यात्री घायल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

वेव सिटी क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें हल्द्वानी से दिल्ली जा रही एक रोडवेज बस एनएच नौ पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में बस में सवार 41 यात्रियों में से 12 गंभीर रूप से घायल हो गए। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब रोडवेज बस एनएच नौ पर वेव सिटी के पास पहुंची। बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क के डिवाइडर से जा टकराई, जिसके बाद वह पलट गई। बस में कुल 41 यात्री सवार थे।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहगीर तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने बस के

अंदर फंसे यात्रियों को निकालने का प्रयास शुरू किया। कई यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि 12 घायल यात्रियों को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। एसीपी वेव सिटी प्रियश्रीपाल ने बताया कि पूछताछ के दौरान बस चालक ने नींद की झपकी आने के कारण हादसा होने की बात स्वीकार की है। जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए 12 घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य को मामूली चोटें आई हैं।

एसीपी वेव सिटी प्रियश्रीपाल ने बताया कि पूछताछ में चालक ने बताया कि हादसा नींद की झपकी आने से हुआ है। 12 घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो की हालत गंभीर है। अन्य सवारियों दूसरी बस में बिठाकर रवाना कर दिया गया है।

घायलों में मोहम्मद अरमान पुत्र जहीर अली, गुरमीत पत्नी हरजीत सिंह, खजूर सिंह पुत्र मानसिंह, अंजना पत्नी सतपाल, पिंकी पत्नी जयवीर, बलजीत कुमार पत्नी कुदरत सिंह, रामकेश पुत्र घनश्याम, गौरव पुत्र राम सिंह, सद्दाम पुत्र जावेद, पिंटू भाटी पुत्र सतपाल, भाटी हेमंत कुमार और मासी पुत्र भगवत मासी हैं।

ई-रिक्शा में 64 किलो गांजा बेचने जा रहा तस्कर दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस ने पश्चिम बंगाल से ट्रेन की बोगियों में रखकर गांजा लाने वाले अंतरराष्ट्रीय तस्कर को गुरुवार को गिरफ्तार किया। उसके पास से 64 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसे वह ई-रिक्शा में रखकर बेचने जा रहा था। उसके अलावा एक अन्य तस्कर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 10 किलो गांजा बरामद हुआ। नोएडा जोन के डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि फेज-1 थाने की पुलिस गुरुवार को जांच कर रही थी। इसी बी सूचना मिली कि गांजा तस्कर झुंडपुरा बॉर्डर पर ई-रिक्शा लेकर आने वाला है। इसके बाद पुलिस टीम ने बैरिकेडिंग कर तलाशी शुरू कर दी।

कुछ ही देर बाद एक व्यक्ति ई-रिक्शा लेकर आता दिखाई दिया। संदिग्ध लगने पर चालक को हिरासत में लिया गया। ई-रिक्शा की जांच की तो उसमें 64 किलो गांजा मिला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये है। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिला निवासी निताई सरकार उर्फ चूपा बंगाली के रूप में हुई। वह वर्तमान में छलैरा गांव में रहता है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल से ट्रेन में पांच-छह किलोग्राम के छोटे-छोटे पैकेट की पैंकिग कर अलग-अलग बोगियों में रखकर गोल्डन मिर्ची गांजा दिल्ली लाता था। पुलिस को पता चला कि आरोपी के खिलाफ पहले से सात केस दर्ज हैं। सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने वर्ष 2019 में उसे पत्नी के साथ 17 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। सेक्टर-24 थाने की पुलिस ने गुरुवार को नाले की पटरी से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 10 किलो गांजा बरामद हुआ।

प्राधिकरण ने मौजूदा सुविधाओं को और बेहतर बनाने की बनाई योजना

पथिक स्टेडियम में सुविधाओं को और बेहतर करने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। इसके लिए ग्रेनो प्राधिकरण ने रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी कर विशेषज्ञ कंपनियों से सुविधाओं को बेहतर करने के लिए सुझाव मांगे हैं। साथ ही क्रिकेट सहित प्रत्येक खेल मैदान का तकनीकी मूल्यांकन कराया जाएगा। इसके संचालन और रखरखाव के लिए निजी क्षेत्र की मदद भी ली जा सकती है। दरअसल, ग्रेनो प्राधिकरण द्वारा 38 एकड़ में विकसित किए गए शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में क्रिकेट, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बॉस्केटबॉल, स्केटिंग, फुटबॉल व स्विमिंग आदि खेलों की सुविधाएं मौजूद हैं।

बेहतर ढांचागत संसाधन के बाद भी जिले के खिलाड़ियों को इसका ज्यादा फायदा नहीं मिल पा रहा है। प्रशिक्षण के लिए बाहर जाना पड़ता है। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने मौजूदा सुविधाओं को और बेहतर बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। चयनित संचालक को खेल अकादमी स्थापित करने और अन्य लाभकारी गतिविधियों का प्रबंधन करने की स्वतंत्रता होगी। लंबे समय के लिए स्टेडियम के रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि व्यवस्था में सुधार हो सके। होनहारों के प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था होगी। निजी क्षेत्र को सौंपी जा सकती है जिम्मेदारी प्राधिकरण के मुताबिक खेल परिसर के संचालन और रखरखाव में निजी क्षेत्र की मदद ली जा सकती है।

खेलों के लिए प्रशिक्षक की नियुक्ति किए जाने की तैयारी भी चल रही है। राजस्व में भागीदारी के आधार पर निजी क्षेत्र को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। प्राधिकरण का प्रयास है कि खेल सुविधाओं का फायदा उठाते हुए ओलंपिक, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए होनहार खिलाड़ियों को तैयार करना है। इसके लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका लाभ गौतमबुद्ध नगर ही नहीं आसपास के अन्य जनपदों के उन खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा, जो अलग-अलग खेलों के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

> प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक ने बताया कि खेल परिसर को और अधिक उपयोगी कैसे बनाया जा सके,इसके लिए रुचि की अभिव्यक्ति जारी प्रस्ताव मांगे गए हैं। अच्छा प्रस्ताव मिलने पर उसे धरातल पर उतारा जाएगा। विशेषज्ञों से सुझाव भी लिया जाएगा। चयनित संचालक को खेल अकादमी स्थापित करने और अन्य लाभकारी गतिविधियों का प्रबंधन करने की स्वतंत्रता होगी।

बाइक सवार बदमाशों ने युवक से मोबाइल छीना

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन की ज्योति सुपर विलेज सोसाइटी में रहने वाले उमंग गोयल का कहना है कि 30 नवंबर की रात करीब नौ बजे वह हिंडन मेट्रो स्टेशन की पार्किंग के पास खड़े थे। उसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश तेजी से आते दिखाई दिए। जैसे ही बाइक पास पहुंची, पीछे बैठा युवक झटके से उनका मोबाइल फोन छीनकर ले गया। वह कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बाइक सवार बदमाश विपरीत दिशा में तेज रफ्तार से फरार हो गए। उमंग गोयल का कहना है कि अचानक हुई इस वारदात से वह घबरा गए।

एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

पुतिन की यात्रा पर दुनिया की निगाहें

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा पर सारी दुनिया भर की निगाहें हैं। उनकी यात्रा को लेकर भारत ने जिस तरह की अगवानी की तैयारी की है उसने देश-दुनिया को अचंभे में डाल दिया है। पुतिन की इस यात्रा को लेकर सबसे ज्यादा अटेंशन मोड में अमेरिका और यूरोपीय देश हैं। निःसंदेह रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा पर चीन भी नजर रखेगा, क्योंकि यूक्रेन युद्ध के चलते रूस की उस पर निर्भरता बढ़ गई है। रूसी राष्ट्रपति एक ऐसे समय भारत आ रहे हैं, जब अमेरिका यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए हाथ-पैर मार रहा है। इसके लिए वह रूस के साथ-साथ भारत पर भी दबाव बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ इसीलिए थोप रखा है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है। जैसे अमेरिका की यह चाहत है कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर दे, वैसे ही यूरोपीय देश भी यही चाहते हैं कि भारत रूस से दूरी बनाकर रखे। कुछ यूरोपीय देशों ने तो भारत को रूस की निकटता से आगाह भी किया है। यह बात और है कि वे स्वयं रूस से ऊर्जा की आपूर्ति कर रहे हैं। यह तो तय है कि भारत रूस से अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के क्रम में अमेरिका और यूरोपीय देशों की चिंताओं की अधिक परवाह नहीं करने वाला, लेकिन इस तथ्य की अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि उसे अमेरिका के दबाव में रूस से तेल खरीद में कटौती करनी पड़ी है। स्पष्ट है कि भारत और रूस, दोनों के ही सामने यह चुनौती है कि तेल खरीद के मामले में अमेरिका के अनुचित दबाव का प्रतिकार कैसे किया जाए। भारत को यह प्रतिकार करते समय इसका ध्यान रखना होगा कि इससे अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते में कोई बाधा न खड़ी होने पाए।

चूंकि रूसी राष्ट्रपति अपने कई मंत्रियों के साथ भारत आ रहे हैं और वे दो दिन प्रवास करेंगे, इसलिए यह तो स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बड़े समझौते होने वाले हैं। ये समझौते दोनों देशों को और निकट लाने का काम करेंगे, लेकिन भारत को एक ओर जहां यह ध्यान रखना होगा कि वह अपनी रक्षा जरूरतों पर एक सीमा से अधिक रूस पर निर्भर न होने पाए, वहीं दूसरी ओर उसे उसके साथ अपने व्यापार घाटे में कमी लाने के उपाय भी करने होंगे। पुतिन की भारत यात्रा को लेकर जो अंतरराष्ट्रीय हलचल है उससे इतर देश में विपक्ष मामले को लेकर बेचैन है। इसका उदाहरण तब देखने को मिला जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार विदेशी मेहमानों को विपक्षी नेता से मिलने से रोक रही है क्योंकि वह खुद को असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विशिष्ट विदेशी मेहमान भारत आता है या वह विदेश जाते हैं तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि उनसे मुलाकात नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से कुछ घंटे पहले यह दावा किया। राहुल के इस बयान को फिलहाल एक बौखलाहट के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने परंपरा की दुहाई भी दे डाली कि जो विदेशी मेहमान भारत आते हैं उनकी नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात होती है। यह अटल बिहारी वाजपेयी के समय होता था और मनमोहन सिंह के समय भी होता था।

भारत की नीली सीमाओं की अजेय प्रहरी भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना

मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम बीच पर नौसेना दिवस को भव्य और अद्वितीय ऑपरेशनल प्रदर्शन के रूप में मना रही है। यह आयोजन न केवल 1971 के ऐतिहासिक युद्ध विजय को स्मरण करेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उभरती सामरिक शक्ति और बढ़ते समुद्री प्रभाव का भी प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर सतह पोतों, पनडुब्बियों और हवाई युद्धक क्षमताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा, जो नौसेना की बहु-क्षेत्रीय तत्परता और सटीक सैन्य संचालन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। पूरे प्रदर्शन का केंद्रबिंदु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना होगी। स्वदेशी जहाजों, हथियार प्रणालियों और तकनीकी प्लेटफॉर्म की प्रस्तुति यह स्पष्ट संदेश देगी कि भारतीय नौसेना 'मेक इन इंडिया' की आत्मा को वास्तविक शक्ति में बदल रही है। यह आयोजन न केवल तकनीकी उत्कृष्टता, संसाधन क्षमता और ऊर्जावान रणनीतिक सोच का परिचायक बनेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' के रूप में स्थापित करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा। यह भव्य प्रदर्शन उन वीर पुरुषों और महिलाओं को नमन है, जो अनुशासन, साहस और राष्ट्रनिष्ठा के साथ समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह भारतीय नौसेना को एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए सदा तत्पर बल के रूप में स्थापित करने का सशक्त घोष है।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

संस्कृत का भारतीय संस्कृति के लिए महत्व

शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने् से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है

डा. वरिंद्र भाटिया

आज भारत के विद्यालयों तथा अनेक निजी संस्थानों में संस्कृत विषय को पुनरीक्षण, सामाजिक व्यवहार, संगीत, योग आदि से भी जोड़ा जा रहा है। संस्कृत भाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे कम्प्यूटर और कृत्रिम बुद्धि के लिए सबसे उपयुक्त भाषाओं में से एक माना जाता है। शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने् से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है। संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा हैङ्घ

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में भारतीय संस्कृति की शिरोमणि भाषा संस्कृत को एक मृत भाषा कहा है। उनके इस वक्तव्य को लेकर पूरे देश मे आक्रोश देखा जा रहा है। ऐसा लगता है कि स्टालिन संस्कृत के भारतीयता के लिए महत्व को लेकर कम ज्ञान रखते हैं। उनको, और भी अनेकों को विश्व की अनेक भाषाओं की जननी संस्कृत के महत्व के बारे में ज्ञान हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है, जिसका अर्थ 'संस्कारित' है। यह सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है और हिंद-यूरोपीय भाषा परिवार की हिन्द-आर्य शाखा से संबंधित है। इसे देवभाषा भी कहते हैं और यह कई आधुनिक भारतीय भाषाओं जैसे हिंदी, मराठी, बंगाली, नेपाली आदि अनेक भाषाओं की जननी है। संस्कृत हिंदू, बौद्ध और जैन धर्मों की एक महत्वपूर्ण दार्शनिक और पवित्र भाषा रही है। इसका साहित्य विश्व के सबसे समृद्ध साहित्य में से एक है। महर्षि पाणिनि जैसे विद्वानों ने इसका वैज्ञानिक और सुस्पष्ट व्याकरण तैयार किया है। इसमें एकवचन और बहुवचन के साथ-साथ द्विवचन का भी प्रयोग होता है। प्राचीन काल से ही संस्कृत भाषा का प्रसार विदेशों में होता रहा है। विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक, व्यापारिक और बौद्धिक आदान-प्रदान की वजह से यह भाषा विदेशों में भी पहुंची। प्राचीन भारत में जब बौद्ध और जैन धर्म का प्रसार हुआ, तो उसके साथ संस्कृत ग्रंथ भी मध्य एशिया, चीन, तिब्बत, जापान, कोरिया और दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम) तक पहुंचे।

बौद्ध भिक्षुओं ने संस्कृत में लिखे गए सूत्रों और शास्त्रों का अनुवाद किया और इसे विदेशों में ले गए। गुप्त काल में भारत की राजकीय भाषा संस्कृत थी। अंग्रेजों के आने से पहले तक दक्षिण के विद्वान जब उत्तर भारत में आते थे तो संस्कृत भाषा में बातचीत हुआ करती थी। इसी तरह से उत्तर भारत के विद्वान जब दक्षिण भारत में जाया करते थे तो संस्कृत में बात होती थी। हमारा सारा प्राचीन इतिहास जैसे महाभारत, रामायण, वेद, ज्योतिष के ग्रन्थ, योग के ग्रन्थ, आयुर्वेद इत्यादि सब मूल रूप से संस्कृत में लिखे गए हैं, अतः शिक्षा संस्कृत में हुआ करती थी। माना जाता है कि चीनी यात्री ''नसांग और फाहियान ने संस्कृत ग्रंथों को चीन में प्रचारित किया। इसके अलावा प्राचीन भारत के व्यापारी और नाविक दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया, बाली) में गए, जिसकी वजह से उन्होंने हिंदू धर्म और संस्कृत साहित्य को इन देशों में प्रसारित किया। रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं। ये मूल रूप से संस्कृत में ही थे, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता मिली। जैसे इंडोनेशिया में काकाविन रामायण और खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) में अंगकोर वाट जैसे मंदिरों में संस्कृत शिलालेख मिलते हैं। तिब्बत में बौद्ध धर्म के साथ संस्कृत ग्रंथों का तिब्बती भाषा में अनुवाद हुआ। इसके अलावा श्रीलंका, नेपाल, भूटान और तिब्बत में संस्कृत का प्रसार धार्मिक और साहित्यिक आदान-प्रदान के माध्यम से हुआ। प्राचीन काल में नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र पढने् आते थे। इन छात्रों के माध्यम से भी संस्कृत भाषा विदेशों में पहुंची। उदाहरण के लिए, चीनी यात्री यी-जिंग ने नालंदा में संस्कृत सीखी।

संस्कृत भाषा विशेष रूप से जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, चीन, भूटान, इजरायल, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, रूस, स्वीडन और स्विट्जरलैंड में पढ़ाई जाती है। संस्कृत का प्राचीन इतिहास हमें लगभग 3500 वर्ष पूर्व तक ले जाता है।

वैदिक सभ्यता के निर्माण काल में इसकी ध्वनि गूंजती थी। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक, स्मृति, पुराण, महाकाव्य, नाटक, अलंकार, इन सबका मूल आधार संस्कृत ही रही है। संस्कृत की उच्च स्थिति केवल भारत तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्राचीन काल में दक्षिण एशिया, पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया के अभिजात्य वर्ग, शासन, दर्शन और साहित्य की भी भाषा बनी। संस्कृत के बिना भारत का दर्शन, काव्य, तंत्र, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, नीतिशास्त्र, व्याकरण- सभी शून्य हो जाता। संस्कृत भाषाई विकास की जननी मानी जाती है, जिससे देश की अनेक बोलियों, भाषाओं ने जन्म लिया। संस्कृत, जो कभी केवल मंदिरों, यज्ञों या विद्वानों तक सीमित थी, आज फिर से भारतीय और वैश्विक मंचों पर नई पहचान बना रही है। कर्नाटक के मत्तूर, होसाहल्ली, झिरी (राजस्थान), सासन, गनोड़ा (गुजरात), पथरी (मध्य प्रदेश), कोशावल्ली (कर्नाटक) और देश के अन्य गांवों में संस्कृत जीवन का अंग है। मत्तूर और होसाहल्ली जैसे गांवों में तो दैनिक व्यवहार, शिक्षा, पूजा-पाठ, यहां तक कि छोटे व्यापार भी संस्कृत में होते हैं। इसके परे, जर्मनी, अमेरिका, रूस, स्विट्जरलैंड आदि देशों के विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है। अमेरिका में संस्कृत हेतु विश्वविद्यालय भी स्थापित है और विश्वभर में संस्कृत से जुड़े शोध, जागरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं। संस्कृत की वैज्ञानिक संरचना इसे कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, भाषा विज्ञान, मनोविज्ञान, संगणक विज्ञान, मशीनी अनुवाद जैसे क्षेत्रों में भी उपयुक्त बना रही है।

नासा, अमेरिकी विश्वविद्यालय तथा भारत के कम्प्यूटर वैज्ञानिक संस्कृत आधारित डेटा प्रोसेसिंग और कृत्रिम मेधा के लिए इसकी व्याकरणिक संरचना पर शोध कर रहे हैं। आज भारत के विद्यालयों तथा अनेक निजी संस्थानों में संस्कृत विषय को पुनरीक्षण, सामाजिक व्यवहार, संगीत, योग आदि से भी जोड़ा जा रहा है।

संस्कृत भाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे कम्प्यूटर और कृत्रिम बुद्धि के लिए सबसे उपयुक्त भाषाओं में से एक माना जाता है। शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने् से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है। संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है। तमिल भी प्राचीन भाषाओं में से एक है। हमें दोनों भारतीय भाषाओं पर और सभी भारतीय भाषाओं पर गर्व है। स्टालिन को संस्कृत के विकास के लिए किए जा रहे प्रयत्नों को लेकर ईर्ष्यालु होना ठीक नहीं है। रही बात संस्कृत के मृत भाषा होने की तो सनद रहे कि जब तक सूर्य चमकता रहेगा, जब तक तारे टिमटिमाते रहेंगे, तब तक संस्कृत का हमारी संस्कृति के लिए महत्व रहेगा।

(लेखक कालेज प्रिंसीपल है)

आप की बात

बीएलओ की बढ़तीं मौतें चिंताजनक

एक खबर के अनुसार "सात राज्यों में अब तक 29 बीएलओ की मृत्यु". माना कि सरकारी ड्यूटी निभाना कर्मचारी का फर्ज है. अगर कम समय में अधिक काम को पुरा करना/कराना हो तो उसके लिए राज्य सरकारों को पर्याप्त सुविधा के साथ ही समुचित स्टॉफ की व्यवस्था भी करनी चाहिए या समय सीमा बढ़ाने का प्रावधान रखना चाहिए. यूं तो अधिकाँश कर्मचारी अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं और समय पर काम पूरा करने के भरसक प्रयास भी कार रहे हैं किन्तु कुछ राज्यों में अगर काम के अधिक बोझ से कर्मचारियों के स्वास्थ पर विपरीत असर पड़ रहा है तो उस पर सम्बंधित व्यवस्थापकों को ध्यान देना चाहिए. क्योंकि सात राज्यों में अब तक यदि 29 कर्मचारियों की दुखद मृत्यु हुई है तो कोई न कोई ऐसा कारण बना ही होगा जिससे उन्हें अपनी जान से हाथ धोना पड़ा. यह भी माना कि ड्यूटी पर कार्य करते हुए कर्मचारियों की मृत्यु होती है तो नियमानुसार जो भी सहायता मिलना चाहिए वो सरकार देगी. किन्तु फिर भी अगर काम का बोझ अधिक हो रहा है तब कर्मचारियों की संख्या और समय सीमा भी बढ़ाना कर्मचारियों के हित में हो सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लेते हुए अधिक काम काअधिक बोझ है तो स्टाफ बढ़ाने की सलाह दी है. अतः सरकारों/चुनाव आयोग को कर्मचारियों के हित में और काम ठीक से हो सके इस हेतु उचित व्यवस्था हेतु ध्यान देना चाहिए ताकि काम के बोझ से किसी भी तरह की अनहोनी न होने पाए और न किसी की भी सामान्य रूप से चलती गृहस्थी रुकने पाए.

शकुंतला महेश नेनावा, 57, गिरधर नगर, इंदौर (म.प्र.)

किसान पर दोहरी मार

मध्यप्रदेश के किसान पर आजकल दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक तरफ फसलों के दाम इतने गिर चुके हैं कि लागत भी नहीं निकल पा रही है। वहीं दूसरी ओर खाद की भयंकर कमी और बढ़ती कीमतों ने किसानों को रात-दिन लाइनों में खड़ा होने पर विवश कर दिया है। गुना जिले के बागेरी खाद वितरण केंद्र पर दो दिनों से लाइन में खड़ी आदिवासी महिला भूरिया बाई मृत्यु हो गई । यह घटना सिर्फ एक मौत नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की पोल खोलने वाली है क्योंकि लाइनों से पहले ही खाद खत्म हो जाती है। आलम है तो वही खरीफ के बाद रबी सीजन में भी यह संकट किसानों को रुला रहा है और केंद्रीय मंत्रियों के बयानों के बावजूद कमी उजागर हो चुकी है। उज्जैन में पांच किसानों ने इसी संकट से तंग आकर जान दे दी और भिंड रीवा जैसे जिलों में खाद मांगने पर पुलिस की लाठियां और थप्पड़ पड़ रहे हैं। सबसे दर्दनाक चित्र प्याज किसानों का है जहां रतलाम और मंदसौर में दाम गिरकर मात्र 1 से 3 रुपये प्रति किलो रह गए जो लागत 10-12 रुपये से भी कम है। मार्केट में प्याज अच्छी खासी बिक रही है लेकिन किसानों को उनका मूल्य नहीं मिल रहा है इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय सरकार को भी हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

दबाव में नहीं, दोस्ती में यकीन-भारत

न झुकेंगे, न बिकेंगे, यही है हिंदुस्तान का जवाब

भारत के लिए पुतिन का ये दौरा सिर्फ़ एक मेहमान नवाज़ी नहीं, बल्कि सीधा सीना ठोककर दुनिया से कहना है झ हम अब भी अपने फैसले खुद लेते हैं। अमेरिका चाहे जितनी धमकी दे, यूरोप चाहे जितने प्रतिबंध लगाए, भारत ने साफ बता दिया कि उसकी दोस्ती बिकाऊ नहीं। रूस से सस्ता तेल मिलता रहेगा, महँगाई नहीं बढ़ेगी। एस-400 की नई यूनिटें आएंगी, सीमा पर नज़र रखने वाला आसमान और मजबूत होगा। एसयू-57 का रास्ता खुलेगा, हिंद महासागर से लेकर हिमालय तक हमारी हवा में हमारा राज होगा। छोटे न्यूक्लियर रिएक्टर बनेंगे, बिजली सस्ती होगी, कार्बन कम होगा, 2070 का सपना पहले पूरा होगा।

सबसे बड़ी बात ये यात्रा भारत को वो पुराना आत्मविश्वास लौटा रही है जो 1971 में था, जब रूस ने सातवें बेड़े को पीछे धकेला था। पुतिन जब मोदी से गले मिलेंगे, वो सिर्फ़ दो नेता नहीं, दो देशों की अटूट दोस्ती की तस्वीर होगी। दो दिन बाद पुतिन चले जाएँगे, लेकिन ये संदेश रह जाएगा। किसी के दबाव में नहीं झुकता। ये दो दिन का दौरा नहीं, भारत की नई ताकत का ट्रेलर है। दुनिया देख ले झ हम दोस्ती निभाते हैं, लेकिन सिर्फ़ अपने शर्तों पर।

प्रो. आरके जैन ''अरिजीत'', बड़वानी (मप्र)

मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण

भारत के राजनैतिक विपक्ष द्वारा भारतीय चुनाव आयोग द्वारा कराये का रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का सतत विरोध और इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने के प्रयासों का एक ही हेतु समझ में आता जबौर वो है मतदाता बना दिए गए उन विदेशी घुसपैठियों का संरक्षण जो अवैध रूप से भारत में प्रवेश पाकर एक वोट बैंक के रूप में भारत के सेक्युलर दलों द्वारा संरक्षित और संवर्धित किए गए हैं। अधिकतर ये बांग्लादेश से आए अथवा रोहिंग्या मुसलमान हैं जो न तो शरणार्थी हैं न ही भारत के नागरिक..., बस अवैध रूप से भारत के अनेक राज्यों में बसे हैं । वर्तमान केन्द्र सरकार ऐसे सभी अवैध घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें भारत से बाहर निकालने के पक्ष में है और चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने में कि केवल भारत का नागरिक ही मतदाता रहे । वास्तव में भारत का संविधान भी केवल भारत के नागरिक को मतदान का अधिकार देता है और चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था होने से संवैधानिक प्रावधानों के प्रति प्रतिबद्ध है । बिहार में अभी हुए चुनाव से पूर्व यह सर्वेक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ था तो भी बंगाल में बी एल ओ के तनाव, आत्महत्या आदि के पाखंड पूर्ण विमर्श के आधार पर प्रक्रिया को रोकने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट को तुरन्त प्रतिपक्ष के इस दुष्कर्म पर विराम लगाना चाहिए ताकि मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण सहजता से हो सके ।

डॉ. जय प्रकाश गुप्त, अम्बाला छावनी

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

सीएम धामी ने पंडित राम सुमेर शुक्ल की 47वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

विकास कार्यों को बताया जनता का सहयोग

- पंडित राम सुमेर शुक्ल के जीवन से जुड़े शिलापट्ट का किया अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। रुद्रपुर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं तराई क्षेत्र के संस्थापक पंडित राम सुमेर शुक्ल की 47वीं पुण्यतिथि पर रुद्रपुर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। सीएम ने सर्वप्रथम स्वर्गीय पंडित राम सुमेर शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन परिचय पर आधारित शिलापट्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया।

सीएम ने संबोधित करते हुए कहा कि पंडित राम सुमेर शुक्ल राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण के प्रतीक थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश, समाज और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने बताया कि छात्र जीवन से ही पंडित राम सुमेर शुक्ल की राष्ट्र सेवा की भावना अतुलनीय थी। वर्ष 1936 में मात्र 21 वर्ष की आयु में उन्होंने लाहौर अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना के द्विराष्ट्रवाद सिद्धांत का मुखर विरोध कर पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। बाद में गांधी के आदर्शों से प्रेरित होकर उन्होंने कानून की प्रैक्टिस छोड़ स्वतंत्रता आंदोलन में स्वयं को पूर्णतः समर्पित कर दिया। अनेक बार जेल जाने और यातनाएँ झेलने के बावजूद उनका साहस कभी नहीं डिगा। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान युवाओं को संगठित कर उन्होंने आंदोलन को नई दिशा दी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी पंडित शुक्ल ने किसानों, स्वतंत्रता सेनानियों और तराई क्षेत्र के विकास को अपना जीवन लक्ष्य बनाया। तराई कॉलोनाइजेशन योजना के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने तराई क्षेत्र के विकास की मजबूत नींव रखी। आज रुद्रपुर और तराई का जो स्वरूप दिखाई देता है, वह उनकी दूरदृष्टि का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पंडित राम सुमेर शुक्ल की इसी विरासत को आगे बढ़ाने में उनके पुत्र व मेरे मित्र राजेश शुक्ल निरंतर कार्य कर रहे हैं। उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व विधायक राजेश शुक्ल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत के नेतृत्व में पंडित राम सुमेर शुक्ल ने तराई को बसाने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने कहा कि आज एम्स, मेडिकल कॉलेज, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, इंडस्ट्रियल स्मार्ट पार्क जैसी परियोजनाएं तराई के सुनहरे भविष्य का संकेत देती हैं। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री पूर्व विधायक राजेश शुक्ल के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने उनकी माता से आशीर्वाद लिया और भोजन ग्रहण किया।

रुद्रपुर रेलवे स्टेशन का होगा नवीनीकरण

मुख्यमंत्री ने कहा रुद्रपुर रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण, नई सिग्नल लाइनें, दो रेल ओवरब्रिज, मास्टर ड्रेनेज प्लान की मंजूरी, महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट्स का निर्माण, 15 करोड़ की लागत से कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट और 17 करोड़ की लागत से एडवांस कूड़ा प्रबंधन प्लांट का कार्य भी जारी है। उन्होंने कहा कि किच्छा में 351 करोड़ रुपये की लागत से एम्स ऋषिकेश का सैटेलाइट सेंटर बन रहा है और पंतनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। गदरपुर और खटीमा में बाईपास, खटीमा व किच्छा में आधुनिक बस अड्डे तथा रुद्रपुर, गदरपुर और चकरपुर में खेल सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशीपुर में अरोमा पार्क, सितारगंज में प्लास्टिक पार्क, काशीपुर में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर और पंतनगर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना क्षेत्र की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। खुरपिया में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी भी इस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि जमरानी बांध परियोजना को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिससे तराई क्षेत्र को पेयजल और सिंचाई की स्थायी सुविधा मिलेगी।

3 साल से बंद पड़े बेस अस्पताल के आईसीयू का संचालन शुरू

- कुमाऊं के गंभीर मरीजों को हायर सेंटर या प्राइवेट अस्पतालों का रुख अब नहीं करना पड़ेगा

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

करीब 2 करोड़ की लागत से हल्द्वानी के बेस अस्पताल में बने आईसीयू का गुरुवार से संचालन शुरू हो गया है, यह आईसीयू करीब तीन साल से बंद पड़ा था। जिसके बाद मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद शासन प्रशासन नींद से जागा और अब इसका संचालन शुरू किया गया है।

आईसीयू में 9 बेड है साथ ही आधुनिक मशीनें लगायी गयी है, सबसे बड़ी बात यह है की इस आईसीयू के संचालन से सीमान्त इलाकों से आये गंभीर मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों, हायर सेंटर का रुख नही करना पड़ेगा। आईसीयू का उद्घाटन गुरुवार को जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल एवं विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा इस आईसीयू में एक्सपर्ट डॉक्टड्ढ, अनुभवी नर्सिंग स्टाफ को रखा गया हैं, आईसीयू का संचालन 24 घंटे एक्सपर्ट डॉक्टरों की निगरानी में होगा। इस दौरान महापौर नगर निगम हल्द्वानी गजराज सिंह बिष्ट ने कहा कि बेस अस्पताल में आईसीयू बनने से यहां की जनता के साथ ही विशेष रूप से गरीबों को इसका लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दे रही है। वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरीश चंद्र पंत ने अवगत कराया कि आईसीयू में 4 एनेस्थेटिक डॉक्टर और चार अनुभवी नर्सिंग स्टाफ की तैनाती की गई है।

गर्भवती महिला की मौत, पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

- तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी और उनका रक्तस्राव नहीं रुक पाया

पायनियर समाचार सेवा। अल्मोड़ा

पर्वतीय जनपदों में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली एक बार फिर उजागर हुई है। बेस अस्पताल अल्मोड़ा में एक आठ माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। महिला को बागेश्वर से अत्यधिक रक्तस्राव की गंभीर हालत में रेफर किया गया था। महज 22 वर्ष की उम्र में मां बनने का सपना देख रही सोनी की मौत से परिवार सदमे में है।

बागेश्वर जनपद की रहने वाली सोनी (22), पत्नी राजन, को मंगलवार को प्रसव पीड़ा हुई, जिसके बाद परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान गर्भ निकाला गया, लेकिन नवजात मृत पैदा हुआ। इसके बाद सोनी की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी और उनका रक्तस्राव नहीं रुक पाया। हालात नाजुक होते देख उन्हें तुरंत अल्मोड़ा रेफर कर दिया गया।

बेस अस्पताल पहुंचते ही सोनी को एमआईसीयू में भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, लेकिन डॉक्टर उनकी लगातार बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित नहीं कर सके और बुधवार तड़के उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन रो-रोकर बेहाल हो गए।

बेस चौकी प्रभारी मनोज के अनुसार, अस्पताल प्रबंधन ने उपचार के दौरान सोनी की मृत्यु की सूचना दी थी। बाद में परिजन शव लेकर बागेश्वर लौट गए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल जाती, तो शायद सोनी की जान बच सकती थी। यह घटना पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी पर एक बार फिर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

नर्सिंग भर्ती को लेकर युवाओं को गुमराह न करें विपक्ष : डॉ. रावत

देहरादून। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग में नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती को लेकर विपक्ष प्रदेश के युवाओं को गुमराह कर रहा है। जबकि उक्त विभागों में नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती उत्तराखंड अधीनस्थ नर्सिंग (अराजपत्रित) सेवा (संशोधन) नियमवाली, 2022 में निहित प्राविधानों के अनुरूप राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से की जा रही है। विपक्षी दलों द्वारा लगाये गये आरोपों पर पलटवार करते हुये सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत कहा कि विपक्षी दलों ने हमेशा प्रदेश के युवाओं को बरगलाया है।

6 इंस्पेक्टर समेत 14 दारोगाओं का तबादला

- हल्द्वानी कोतवाली की जिम्मेदारी संभालेंगे विजय सिंह मेहता

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

नैनीताल जनपद की कमान मिलने के बाद एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने पहली बार इंस्पेक्टर और दारोगाओं के तबादले किए हैं, हल्द्वानी कोतवाली के कोतवाल से जिम्मेदारी वापस ली गई, अब निरीक्षक राजेश यादव प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भीमताल, निरीक्षक अमर चंद्र शर्मा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी को प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी दी गई है।

निरीक्षक विजय सिंह मेहता को वाचक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल से प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी बनाया गया, निरीक्षक सुशील कुमार प्रभारी रामनगर कोतवाली को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बनभूलपुरा बनाया गया है, बनभूलपुरा हल्द्वानी का सबसे संवेदनशील इलाका है, यहां पूर्व में उपद्रव हो भी चुका है, इसके साथ ही निरीक्षक दिनेश सिंह को प्रभारी डीसीआरबी से प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रामनगर बनाया गया है, निरीक्षक राजेंद्र सिंह रावत को प्रभारी सम्मान सेल से प्रभारी डीसीआरबी बनाया गया है, उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह राजपूत को पुलिस लाइन नैनीताल से उप निरीक्षक वाचक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाया गया है, दिनेश चंद्र जोशी को थाना अध्यक्ष मुखानी से वरिष्ठ उप निरीक्षक मल्लीताल बनाया गया। उप निरीक्षक सुशील चंद्र जोशी को वरिष्ठ उप निरीक्षक बनभूलपुरा से मुखानी थानाध्यक्ष बनाया गया, संजीत कुमार राठौर थाना अध्यक्ष भीमताल से प्रभारी सम्मान सेल, गगनदीप सिंह को प्रभारी चौकी गर्जिया कोतवाली रामनगर से एसएसआई कोतवाली बनभूलपुरा, हर्ष बहादुर पाल को प्रभारी चौकी खैराना से प्रभारी चौकी गर्जिया रामनगर बनाया गया है।

रमेश चंद्र पंत को प्रभारी चौकी कैची भवाली से प्रभारी चौकी खैरना, सुनील धानिक को प्रभारी चौकी पीरुमदारा कोतवाली रामनगर से प्रभारी चौकी कैंची बनाया गया, वीरेंद्र सिंह बिष्ट थाना तल्लीताल से प्रभारी चौकी पीरुमदारा, भूपेंद्र सिंह मेहता प्रभारी चौकी मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी से एसएसआई कोतवाली हल्द्वानी, रविन्द्र सिंह राणा को थाना काठगोदाम से प्रभारी चौकी मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं मोहम्मद युनुस एसएसआई रामनगर से कोतवाली मल्लीताल भेजे गए हैं, दीपक कुमार बिष्ट को एसएसआई रामनगर से थाना मल्लीताल भेजा गया है, उप निरीक्षक जगवीर सिंह को कोतवाली बनभूलपुरा से थाना काठगोदाम भेजा गया है।

हाथियों के आबादी क्षेत्र में घूमने से ग्रामीणों में डर का माहौल

- वन विभाग को खतरे की सूचना होने पर तुरंत दें

पायनियर समाचार सेवा। रामनगर

कालाढूंगी क्षेत्र के गुलजारपुर बंकी में दिनदहाड़े हाथी के दिखाई देने से ग्रामीणों में खौफ का माहौल बना हुआ है। हाथियों के आतंक के कारण फसलों को लगातार नुकसान हो रहा है और लोगों की जान-माल के लिए भी खतरा बना हुआ है।

स्थानीय किसान प्रशांत बिष्ट ने बताया कि हाथियों के लगातार इलाके में आने से किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। आज सुबह से ही हाथी ने गन्ने के खेतों को अपना अड्डा बना लिया है, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई है। तराई केंद्रीय वन प्रभाग के गदगदिया रेंज के वन क्षेत्राधिकारी जगदीश जोशी ने कहा कि विभाग के कर्मचारी फिलहाल निगरानी में तैनात हैं। उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन में उचित कार्यवाही की जाएगी ताकि हाथियों से फसलों और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों के करीब न जाएं और किसी भी खतरे की सूचना तुरंत वन विभाग को दें।

चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ शातिर चोर दबोचा

- आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर की जा रही अग्रिम कार्यवाही

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

बनभूलपुरा थाना पुलिस ने चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ उत्तर प्रदेश के एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शातिर चोर के कब्जे से टीवीएस अपाचे और स्पेलेंडर प्लस बाइकें बरामद की है।

पुलिस के अनुसार बनभूलपुरा थाना क्षेत्र निवासी युवक ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 2 दिसंबर को मोटरसाइकिल संख्या यूके 04 जी 8121 अपाचे को अज्ञात व्यक्ति द्वारा चिराग अली शाह मजार बनभूलपुरा से चोरी कर लिया गया है। जिसके बाद पुलिस ने एक टीम गठित कर जांच शुरू की, साथ ही करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। जांच में पुलिस ने शातिर चोर तौसीफ (26) पुत्र लतीफ निवासी ग्राम खैरपुर कटरा थाना कटरा जिला शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश, हाल निवासी उत्तर उजाला थाना बनभूलपुरा मोटरसाइकिल अपाचे तथा एक अन्य मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस के साथ दबोचा। पुलिस द्वारा बताया गया कि गिरफ्तार आरोपी तौसीफ एक शातिर किस्म का अपराधी है, तथा उसके पास से बरामद मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस बिना नंबर की है जिसकी जानकारी प्राप्त की जा रही है। वहीं आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

देहरादून में बगैर कागज वाले विक्रम पर लगाम

देहरादून। राजधानी देहरादून में अब बिना लाइसेंस और बिना कागज वाले विक्रम मालिकों की खैर नहीं है। संभागीय आरटीओ संदीप सैनी ने बताया कि जल्द ही इस अभियान की शुरूआत की जा रही है, जिसकी शुरूआत रेंजर्स ग्राउंड से की जाएगी।

आरटीओ ने दिया अल्टीमेटम

आरटीओ ने स्पष्ट किया कि इस अभियान में विभाग की पूरी टीम मौजूद रहेगी और यह महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से शुरू किया जा रहा है। अभियान के तहत शहर में कुल 510 विक्रमों की चेकिंग की जाएगी। संदीप सैनी ने विक्रम मालिकों को चेतावनी दी कि बिना लाइसेंस के किसी को भी सड़क पर विक्रम चलाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। विक्रम यूनियन को 8 से 10 दिन का समय दिया जा रहा है, ताकि वे अपने विक्रम के कागज पूरे कर सकें।

जंगल में संदिग्ध हालात में युवक का शव मिलने से हड़कंप

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

गुरुवार सुबह लाडपुर के घने जंगल क्षेत्र में एक युवक का शव बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि जंगल में घूमने पहुंचे कुछ लोगों ने एक युवक को संदिग्ध हालत में पड़ा देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते पूरा इलाका पुलिस व फॉरेंसिक टीम की गतिविधियों से घिर गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए शव की जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची, जिसके बाद मौके पर मिले साक्ष्य की बारीकी से जांच की गई। युवक की पहचान को लेकर पुलिस काम कर रही है, जबकि शुरूआती तौर पर मृत्यु के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस का कहना है कि फिलहाल जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक इनपुट और सीसीटीवी फुटेज की जांच के आधार पर पूरी घटना की सच्चाई सामने आ पाएगी।

यूयूएसडीए द्वारा संचालित विकास कार्यों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

ड्रैनेज सुधार के अतिरिक्त यातायात सुधार में मिलेगी रफ्तार

- जिलाधिकारी ने जनता को विश्वास लेकर कार्य तेजी से पूरा करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को कैम्प कार्यालय में उत्तराखंड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी (यूयूएसडीए) द्वारा हल्द्वानी नगर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं आगामी माह में परियोजना अंतर्गत शुरू होने वाले विभिन्न कार्यों हेतु तैयार कार्ययोजना व परियोजना के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में यूयूएसडीए के कार्यक्रम निदेशक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक के दौरान हल्द्वानी शहर में परियोजना अंतर्गत वर्तमान तक किए गए कार्यों के संबंध में परियोजना प्रबंधक ने अवगत कराया कि नगर में विभिन्न आंतरिक सड़क मार्ग में कुल 122 किलोमीटर सड़क मार्ग में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अगले सप्ताह से मुख्य सड़कों में पेयजल एवं सीवर लाइन निर्माण का कार्य किया जाना है। जिसमें लालडाठ से हाईडिल गेट तक, मुखानी से पनचक्की तक, मुखानी से आईटीआई तक व पीलीकोठी सड़क क्षेत्र में उक्त कार्य अगले सप्ताह से प्रारंभ किया जाएगा। इस हेतु कार्य योजना तैयार कर दी गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि आम लोगों को किए जा रहे कार्यों के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाय। यातायात की दिक्कत बिलकुल भी हो इस हेतु वैकल्पिक व्यस्था पूर्ण रखी जाए, रात्रिकाल में कार्य हों इस हेतु बेहतर प्रकाश व्यस्था सुनिश्चित की जाय।

सभी कार्य तैयार कार्य योजना के अनुरूप ही कराए जाय। आम जनता को अधिक समय तक परेशानी का सामना न करना पड़े,इसका विशेष ध्यान रखा जाय। पुलिस व स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बेहतर यातायात प्लान तैयार कर लिया जाय।

विद्युत पोल व लाइन शिफ्ट करने का कार्य भी शीघ्र करें प्रारंभ

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की जिन-जिन क्षेत्रों में लाईन बिछाने का कार्य होना है उन क्षेत्रों में विद्युत पोल एवं लाइन शिफ्ट करने का कार्य भी शीघ्र प्रारंभ कर लिया जाए। इस हेतु धनराशि की जो भी आवश्यकता है इसका प्रस्ताव यथाशीघ्र एजेंसी को समय पर भेजना सुनिश्चित करें। बैठक में नैनीताल के पटवाडांगर में प्रस्तावित एसटीपी निर्माण हेतु भूमि चयन आदि के संबंध में भी समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि इस संबंध में गठित समिति के साथ पुनः क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण कर भूमि चयन कर अनापत्ति संबंधित कार्यवाही करते हुए प्रस्ताव शीघ्र भेजें। बैठक में यूयूएसडीए के कार्यक्रम निदेशक अभिषेख रुहेला, अपर जिलाधिकारी विवेक राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड राज्य में प्री एसआईआर की गतिविधियां हो गईं शुरू

- इस प्रकिया का उद्देश्य हर पात्र मतदाता को मतदाता सूची में शामिल करना : सीईओ

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा जारी दिशा निर्देशों के क्रम में उत्तराखंड राज्य में प्री एसआईआर गतिविधियां शुरू कर दी गई हैं। इस चरण में आगामी एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर प्रारम्भिक तैयारियां की जाएंगी, साथ ही एसआईआर के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके दृष्टिगत प्रत्येक मतदाता तक पहुंच , समन्वय और संवाद' अभियान पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि ईसीआई द्वारा अलग-अलग वर्षों में इससे पूर्व 11 बार एसआईआर कार्यक्रम पूरे देश में संपादित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में वर्ष 2003 में एसआईआर किया गया था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में आयोग द्वारा पहले चरण में बिहार और दूसरे चरण में 12 अन्य राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने बताया कि आयोग का इस पूरी प्रकिया के पीछे उद्देश्य हर पात्र मतदाता को मतदाता सूची में शामिल करना है। सीईओ ने बताया कि प्री एसआईआर फेज में प्रदेश की वर्तमान मतदाता सूची में शामिल लगभग 40 वर्ष तक की आयु के ऐसे मतदाता जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में दर्ज थे उनकी सीधे बीएलओ एप से मैपिंग की जाएगी। इसके साथ ही 40 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे मतदाता जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में किसी कारणवश नहीं है तो उनके माता-पिता अथवा दादा-दादी के नाम के आधार पर प्रोजनी के रुप में मैपिंग की जाएगी।

सीईओ ने प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) नियुक्त करने की अपील की है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

लुटेरी दुल्हन समेत तीन गिरफ्तार

- फर्जी दस्तावेज और चोरी की होंडा सिटी कार बरामद

पायनियर समाचार सेवा। शामली

शादी करके दूल्हों को चूना लगाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का बाबरी पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने एक महिला को, जो लुटेरी दुल्हन बनकर ठगी करती थी, उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरोह के पास से सोने-चांदी के आभूषण, 15 फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और ठगी में इस्तेमाल की गई चोरी की होंडा सिटी कार बरामद हुई है। हरियाणा के चरखी दादरी निवासी सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि शादी के चार दिन बाद ही दुल्हन आभूषण व नकदी लेकर फरार हो गई।

इस गंभीर मामले पर एसपी शामली एन.पी. सिंह ने संज्ञान लेते हुए बाबरी पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। गुरुवार को संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना बाबरी पर तैनात उपनिरीक्षक श्यामवीर सिंह, कांस्टेबल सचिन कुमार, कांस्टेबल दिनेश कुमार, महिला कांस्टेबल प्रीति, कांस्टेबल जसवीर सिंह ने मुजफ्फरनगरझ्रशामली हाईवे स्थित बाबरी बस स्टॉप पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों अरविन्द निवासी सोनीपत हरियाणा, रविन्द्र निवासी भौराकला मुजफ्फरनगर, पूजा उर्फ पुनीता गुप्ता, निवासी जालौन को गिरफ़्तार कर लिया हैं। पूछताछ में आरोपियों ने सनसनीखेज खुलासा किया कि वे फर्जी दस्तावेज तैयार करवाकर महिला को अलग-अलग नामों से शादी कराते थे। शादी में मिलने वाले गहने और रुपये तीनों में बराबर बांटते थे। बरामद गहने हाल ही में ग्राम चूनसा में कराई गई फर्जी शादी के बताए गए हैं। आरोपियों ने स्वीकार किया कि बरामद होंडा सिटी कार उन्होंने अमरोहा के मंडी धनौरा क्षेत्र से चोरी की थी और ठगी की घटनाओं में इसका इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने गिरफ़्तार आरोपियों के कब्जे से पंद्रह फर्जी आधार कार्ड , एक पैन कार्ड, मंगलसूत्र, अंगूठी, टॉप्स, पायल, होंडा सिटी कार एचआर 10 एई 6522 बरामद किए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लुटेरी दुल्हन के तीन पुराने कारनामे भी बेनकाब

शामली। पूजा अब तक तीन जिलों में फर्जी शादियों के जरिए ठगी कर चुकी है, जिनमें बड़ौत (बागपत), नजीबाबाद (बिजनौर) व खेड़ी बैरागी मंदिर (शामली) शामिल हैं। शादी कर फरार पूजा की असली शादी करीब 13 वर्ष पहले हुई थी और उसके दो बच्चे भी हैं। गिरोह अब तक उत्तराखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 8झ्र10 शादियां कर ठगी कर चुका है।

कोचिंग जा रही युवती का पीछा करने पर दो पक्षों में मारपीट

शामली। कांधला कस्बे के दिल्ली बस स्टैंड पर कोचिंग सेंटर पर जा रही युवती का पीछा करना दो युवकों को भारी पड़ गया। युवती के परिजनों ने दोनों युवकों को पकड़ कर जमकर धुनाई की। एक युवक मौके से फरार हो गया। इसी बीच युवक के परिजन भी मौके पर आ गए। दोनों पक्ष जमकर मारपीट हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर दोनों पक्षों के लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। बीच बाजार हुई मारपीट को लेकर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।कस्बे के एक मोहल्ला निवासी युवती दोनों नहरों के बीच स्थित कोचिंग सेंटर पर कोचिंग करने के लिए आती है। युवती का आरोप है कि पिछले कई दिनों से दो युवक युवती का पीछा करते हुए अश्लील हरकत कर रहे थे। युवती ने अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी। गुरुवार को जैसे ही युवती कोचिंग सेंटर के लिए निकली दोनों युवकों ने युवती का पीछा करना शुरू करने के साथ ही अश्लील हरकत करनी शुरू कर दी।

परिक्रमा मार्ग की बदहाली पर किया अनोखा प्रदर्शन

- विजय हिंदुस्तानी ने सड़क के जलभराव में ली सांकेतिक जल समाधि
- बेड़ियां पहनकर सड़क पर बैठे, प्रशासन और अधिकारियों को दी चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

परिक्रमा मार्ग पर लगातार हो रहे जलभराव और गड्ढों से परेशान आजाद भारत के गुलाम विजय हिंदुस्तानी ने गुरुवार को अनोखे अंदाज में विरोध जताते हुए सांकेतिक जल समाधि ले ली। उन्होंने बेड़ियां पहनकर और कैदी की वर्दी धारण कर सड़क पर जमा पानी में बैठकर प्रशासन और राहगीरों का ध्यान आकर्षित किया।

विजय हिंदुस्तानी ने आरोप लगाया कि कई वर्षों से परिक्रमा मार्ग बदहाल है। सड़क के एक हिस्से में जलभराव के कारण मार्ग पूरी तरह बंद हो चुका है, जबकि अन्य हिस्सों में गड्ढों की वजह से आवागमन मुश्किल है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गड्ढामुक्त सड़क निर्देशों के बावजूद यहां सड़कों पर तालाब बन चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चेतावनी भी जारी की थी कि जब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं होगा, वे पानी में बैठकर विरोध जारी रखेंगे। मौके पर पहुंचते ही उन्होंने प्रशासन को चुनौती दी कि यदि कोई जिम्मेदार अधिकारी तुरंत नहीं आया तो वे खुद गड्ढा खोदकर उसमें बैठ जाएंगे। विजय हिंदुस्तानी ने नगर पालिका और संबंधित विभागों की उदासीनता पर नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सुधार कार्य नहीं शुरू हुआ तो उनकी यह प्रतिरोध कार्रवाई और अधिक गंभीर रूप लेगी। उन्होंने कहा कि सड़क पर आए दिन रिक्शा, टेंपो और अन्य वाहन पलटने जैसी घटनाएं होती रहती हैं, जिसे रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई आवश्यक है।

एक नजर

नौ मोटरसाइकिल के साथ अपराधी गिरफ्तार

नकुड़। कोतवाली पुलिस ने तीन बाल अपराधियों को ईदगाह रोड स्थित सी.डी.एम स्कूल के पास से नौ चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि अब तक उन्होंने कुल नौ मोटरसाइकिल चुराई है। पुलिस ने बाद में इन तीनों बाल अपराधियों की निशानदेही पर नयागांव रोड स्थित बंद पड़े पेट्रोल पंप से चोरी की सात अन्य मोटर साइकिल बरामद की है। बरामद की गई मोटरसाइकिलों में से तीन की चोरी की रिपोर्ट नकुड थाने में ही अलग-अलग समय पर दर्ज हैं।

रेडक्रॉस की ओर से मैजिक शो का आयोजन

नकुड़। आर.एन टैगोर विद्या पीठ इंटर कॉलेज में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा मैजिक शो का आयोजन किया गया। मैजिक में एक रस्सी से कई रस्सियां बनायी गयी रस्सी को सीधा हवा में सीधा किया, खाली कागज से माला बनाई तथा एक सौ नोट को पांच सौ के नोट बना दिये। जादू देख सभी बच्चे बहुत खुश हुए। इस अवसर पर प्रबन्धक चन्द्र शेखर मित्तल ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित होने वाले ऐसे कार्यक्रमों से जो धन एकत्रित होता है उससे गरीब बच्चों की सहायता की जाती है।

प्रधान प्रतिनिधि ने लगाया आरोप

नकुड़। किसान नेता ने तहसील में कार्यरत नायब नाजिर को बर्खास्त करने की मांग की है। भटपुरा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि वासिल ने नायब नाजिर राकेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह ग्राम समाज के विकास निधि धन को ग्राम समाज तक पहुंचने में अड़चन बने हुए हैं और 2 हजार रुपये रिश्वत लेने के बाद भी वह 10 हजार रुपये और रिश्वत मांग रहे हैं।

मुठभेड़ में तीन ट्रांसफार्मर चोर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। छपार पुलिस ने बुधवार देर रात हुई मुठभेड़ में तीन ट्रांसफार्मर चोरों को दबोच लिया। इस दौरान पुलिस की कार्रवाई में दो चोर नूर शाह और गुलफाम निवासी कंकरखेड़ा गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरा साथी चांद मोहम्मद को छापेमारी के दौरान पकड़ लिया गया। एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि गिरफ्तार चोरों ने इलाके में पांच चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस ने चोरों के पास से 80 किलो तांबे की क्वायल, 150 किलो लोहे की पत्ती और 40 किलो एलटी तार बरामद किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच तेज कर दी है। इस मुठभेड़ में घायल चोरों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है और पुलिस उन्हें जल्द स्वास्थ्य लाभ मिलने के बाद अदालत में पेश करेगी।

महिलाओं को मिलना चाहिए अवसरः काजल खुराना

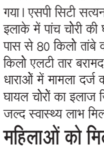

सहारनपुर। महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को अधिकार, आत्मविश्वास और अवसर प्रदान करना, ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में बराबरी से आगे बढ़ सकें। आज महिलाएँ शिक्षा, रोजगार, विज्ञान, खेल और राजनीति में अपनी मजबूत भूमिका निभा रही हैं, लेकिन अभी भी कई चुनौतियाँ हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। सरकार भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं की सहायता करती है, जैसेमिशन शक्ति, जिसमें सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके साथ-साथ समाज में महिलाओं की सेहत को लेकर भी जागरूकता जरूरी है। इसलिए महिला स्वच्छता पर कार्यशालाएँ आयोजित कर महिलाओं और किशोरियों को सही जानकारी देना बेहद महत्वपूर्ण अन्य संस्थाओं को भी चाहिए कि वे उन महिलाओं को प्रोत्साहित करें जो वास्तव में योग्य, मेहनती और सशक्त बनने की इच्छा रखती हैं। सही शिक्षा, सुरक्षा और अवसर प्रदान करके ही हम एक मजबूत और प्रगतिशील समाज का निर्माण कर सकते हैं।

शातिर अपराधियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई

सहारनपुर। थाना नकुड पुलिस टीम द्वारा एक शातिर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .12 बोर व 2 जिन्दा कारतूस .12 बोर बरामद किया है। एसएसपी निर्देशन में अपराध की रोकथाम व शातिर अपराधी की गिरफ्तारी हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार संघन चेकिंग की जा रही है । इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी नकुड़ के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व मे आज गस्त करते हुए थाना नकुड़ पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान एक शातिर सद्दाम पुत्र शौकीन नि0 ग्राम घाटमपुर थाना नकुड जनपद सहारनपुर को एक अवैध तमंचा .12 बोर व दो जिन्दा कारतूस .12 बोर सहित ग्राम चढाव के बाहर जिन्दा हसन का आम का बाग से गिरफ्तार किया गया।

सफाई कर्मचारी की मौत पर हंगामा

- अहिल्या बाई चौक पर शव रखकर चौराहा किया जाम
- वाल्मीकि समाज और कर्मचारी संघ ने जताया रोष

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

नगर पालिका के सफाई कर्मचारी अशोक की ड्यूटी के दौरान मौत ने गुरुवार को शहर का माहौल तनावपूर्ण बना दिया। घटना के विरोध में वाल्मीकि समाज और सफाई कर्मचारियों ने अशोक का शव अहिल्याबाई होल्कर चौराहे पर रखकर सड़क जाम कर दिया, जिससे पूरे इलाके में ट्रैफिक ठप हो गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि संवेदनहीनता और लापरवाही ने एक कर्मचारी की जान ले ली, जबकि हादसे के बाद कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। अशोक सुबह करीब आठ बजे कूड़े के ढेर पर काम करते समय जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गया। साथी कर्मचारियों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों और प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका पर आरोप लगाया कि सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए, और हादसे के बाद कोई भी जिम्मेदार अधिकारी उन्हें सांत्वना देने या स्थिति का जायजा लेने नहीं आया। आक्रोशित लोग शव को सड़क पर रखकर जाम कर दिया और बाद में कूड़ा डालकर पुनः चौराहा जाम कर दिया। प्रदर्शन में पूर्व सभासद प्रदीप कुमार और सफाई कर्मचारी संघ के नेता चमन लाल ढिगान भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अशोक की मौत ड्यूटी के दौरान हुई है, इसलिए उसे शहीद कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और परिजनों को उचित मुआवजा, नौकरी और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। परिजनों ने साफ किया कि अशोक का अंतिम संस्कार तब तक नहीं होगा जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता। स्थानीय लोगों ने भी सवाल उठाया कि सफाई कर्मचारियों को बिना सुरक्षा उपकरणों के काम कराना प्रशासन की बड़ी लापरवाही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

डॉ. डीके गुप्ता बने नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष

सहारनपुर। यूपी नर्सिंग होम एसोसिएशन सहारनपुर ब्रांच के वर्ष 2027 के चुनाव आईएमए अध्यक्ष डॉक्टर प्रवीण शर्मा और यूपी नर्सिंग होम असोसिएशन के निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर मोहन पांडे की देखरेख में संपन्न हुए। असोसिएशन के सदस्यों ने डॉक्टर सुभाष सहगल को वर्ष 2027 के लिए प्रेसिडेंट इलेक्ट नियुक्त किया। वर्ष 2026 के लिए डॉक्टर डी के गुप्ता नर्सिंग होम असोसिएशन के अध्यक्ष ने अपनी नई टीम का गठन किया।

जिसमें डॉक्टर राहुल सिंह को सचिव डॉक्टर अमित पांडे को कोषाध्यक्ष एवम डॉ प्रशांत खन्ना व डॉ वंदना आर्य उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। नर्सिंग होम एसोसिएशन एवं आईएमए के सदस्यों ने नव निर्वाचित टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर डॉक्टर,डॉ नरेश नौसरान,डॉ रिक्की चौधरी, डॉ सी एम कमाल, डॉ नीरज आर्या,डॉ आर एन बंसल,डॉ रवि ठक्कर आदि उपस्थित रहे।

कराटे प्रतियोगिता में छात्रा निशु प्रजापति ने जीता ब्रांज मेडल

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

इंद्रप्रस्थ इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी उमाही कोटा की बीपीईएस फाइनल ईयर की छात्रा निशु प्रजापति ने चंडीगढ़ में आयोजित में नॉर्थ जोन कराटे प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर कालेज में पुरस्कृत की गयी। निशु प्रजापति ने चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित नॉर्थ जोन कराटे प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उनके विजयी होने पर मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर विमला वाई ने 31000/ रुपए का चेक देकर सम्मानित किया।

इसी क्रम में इंद्रप्रस्थ कॉलेज की निदेशक डॉ अंजू वालिया, डिप्टी डायरेक्टर आशुतोष गुप्ता, बीपीईएस विभाग के भूपेंद्र कुमार, सोनम राजपूत ने निशु प्रजापति को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ अंजू वालिया ने कहा कि निशु प्रजापति एक प्रतिभाशाली, होनहार छात्रा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी निशु प्रजापति ने बहुत सारे अवार्ड प्राप्त कर चुकी है।

किक्की जैन की पैरवी पर खतौली में हंगामा

- कोतवाली में पहुंचकर लोगों ने जताया गुस्सा, समाज के प्रतिष्ठित चेहरों को दी खुली चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

कुख्यात ब्लैकमेलर विनय उर्फ किक्की जैन की गिरफ्तारी के बाद जहां कस्बे में लोगों ने राहत की सांस ली थी, वहीं बुधवार रात उसकी पैरवी को लेकर माहौल अचानक गर्म हो गया। समाज के कुछ नामी-गिरामी लोग जब किक्की जैन और उसके बेटे को बचाने के लिए कोतवाली पहुंचे, तो इसकी खबर फैलते ही जैन समाज के लोग भड़क उठे और कोतवाली पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

सूचना मिलते ही सैकड़ों लोग कोतवाली परिसर में एकत्र हो गए। समाज के लोगों ने पैरवी करने पहुंचे व्यक्तियों को घेरकर तीखा विरोध जताया और चेतावनी दी कि अगर अपराधियों का साथ दोगे, तो आंदोलन का सामना करना पड़ेगा। हंगामे के दौरान लोग काफी देर तक कोतवाली में डटे रहे और साफ कहा कि किसी भी सूरत में ब्लैकमेलर का समर्थन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मौके पर मौजूद शिक्षक नीरज अग्रवाल ने कहा कि किक्की जैन वर्षों से खतौली में लोगों को धमकाकर अवैध रूप से पैसे वसूलता रहा है। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति खुद समाज को गंदगी से मुक्त करने की बात करते हैं, वही अगर ब्लैकमेलर का पक्ष लेंगे तो इंसाफ कैसे मिलेगा? नीरज अग्रवाल के अनुसार पैरवी करने वाले लोग जैन एजुकेशन एसोसिएशन के शीर्ष पदों पर हैं, जिससे समाज में निराशा फैलना स्वाभाविक है। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि वे ब्लैकमेलर के साथ खड़े रहे तो उनका समाज में बहिष्कार किया जाएगा। कस्बे में अवैध वसूली और दहशत का पर्याय बन चुके किक्की जैन को पुलिस ने नेशनल हाईवे स्थित गुलशन ढाबा फ्लाई ओवर के पास से गिरफ्तार किया था।

परवेज हत्याकांडः दो नामजद और दो अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

कैराना। भूरा-बराला के जंगल में ईख के खेत से बुधवार की सुबह युवक का गोली लगा शव मिलने के प्रकरण ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। मामले में हत्या की पुष्टि होते ही पुलिस हरकत में आ गई। मृतक के भाई की तहरीर पर दो नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बुधवार की सुबह जब किसान पवन शर्मा ग्राम भूरा-बराला मार्ग पर स्थित ईंट भट्ठे के पास अपने ईख के खेत में खाद डालने गया था। तभी उसने एक युवक का खून से लथपथ शव देखा। उसकी चीख सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाल समय पाल अत्री पुलिस टीम के साथ पहुंचे। इसके बाद एएसपी शामली सुमित शुक्ला भी फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर आए। टीम ने घटनास्थल से खून, फुटप्रिंट व अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। शव के पास से 315 बोर का तमंचा, जिसमें एक कारतूस फंसा हुआ था, आधार कार्ड, वाहन आरसी समेत कई वस्तुएं बरामद हुईं। मृतक की पहचान परवेज पुत्र हाशिम निवासी राणामाजरा जिला पानीपत (हरियाणा) के रूप में हुई।

ट्रैक्टर चालकों को पुलिस ने दिलाई शपथ

- कुछ दिनों पूर्व गागलहेड़ी में नेशनल हाईवे पर हुई बड़ी दुर्घटना के बाद पुलिस और प्रशासन बरत रही सतर्कता
- इंटर कालेज में छात्र-छात्राओं को बतायें गये यातायात के नियम

पायनियर समाचार सेवा। नागल

करीब एक सप्ताह पहले देहरादून दिल्ली नेशनल हाईवे पर गांव सोना सैयद माजरा के अंडरपास पर एक कार के ऊपर खनन से भरा डंपर पलटने से हुई सात लोगों की मौत की घटना से पुलिस प्रशासन लगातार गंभीर बना हुआ है।

हाईवे के सर्विस रोड पर दुर्घटना संभावित जगहों पर जहां वाहनों की स्पीड कम करने को लेकर ब्रेकर बनाये जा रहे हैं तो वही एसएसपी के निर्देश पर थानों में भारी वाहन तथा गन्ना ढुलाई वाहन चालकों के साथ बैठक कर उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों की शपथ दिलाई जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में बृहस्पतिवार को थाना नांगल प्रांगण में गन्ना ढुलाई करने वाले ट्रैक्टर-ट्राली चालकों के साथ बैठक कर शपथ दिलायी गयी। इस दौरान थाना प्रभारी राजकुमार ने कहा कि सभी चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए और सभी वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर लगा होना जरूरी है। क्योंकि सर्दी के मौसम में कोहरा अधिक पड़ने से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती है। उन्होंने कहा कि कोई भी चालक नशा करके वाहन नहीं चलाये। नशे से आपके परिवार को ही नहीं बल्कि दूसरे के परिवार को भी जनहानि हो सकती है। परिसर में आयोजित शपथ कार्यक्रम में थानाध्यक्ष ने कहा कि सही जगह पर ही ओवरटेक करें और अपने वाहनों को कम स्पीड से चलाये। इस दौरान सभी चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों की शपथ दिलायी गयी। वही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने की मंशा से थाने की सी.सी टीम प्रभारी उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह राठी ने कस्बे के जनता इंटर कॉलेज में छात्रों को जागरुक करते हुए कहा कि छात्र दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट आवश्यक लगायें। क्योंकि हेलमेट जीवन का रक्षक है तथा वाहनों को हमेशा नियमित गति में चलायें। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा के सभी नियमों के प्रति छात्रों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य कल्पनाथ चौरसिया, हेड कांस्टेबल दलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

मृत शिफ्टेड एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची की हुई जांच

एसआईआर में 16 दिसंबर से दावा-आपत्ति

- बीएलओ बीएलए की संयुक्त बैठक सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुपालन में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत गुरुवार को नगर के बूथ संख्या 305 एवं 306 के मतदान स्थल जामे-उल-उलूम जूनियर हाई स्कूल में बीएलओ और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृतक एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची बीएलए प्रतिनिधियों को दिखाकर उनसे संतुष्टि प्रमाणित कराते हुए हस्ताक्षर लिए गए। नायब तहसीलदार खतौली राजीव त्यागी ने बताया कि बैठक का कार्यवृत्त एवं तैयार सूची बीएलओ एप पर अपलोड की जाएगी। साथ ही बीएलओ को बीएलए की उपस्थिति, फोटो एवं वीडियो सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। मृत, शिफ्टेड, अनुपस्थित, डुप्लीकेट तथा हस्ताक्षर/गणना प्रपत्र वापस करने से इंकार करने वाले मतदाताओं की सूची मतदान केंद्र के बाहर भी चस्पा की गई। स्थानीय नागरिकों से अपील की गई कि यदि किसी प्रविष्टि पर आपत्ति हो तो तत्काल बीएलओ को अवगत कराएं। बीएलओ, सुपरवाइजर एवं प्रशासनिक टीम ने क्षेत्र में घर-घर जाकर सत्यापन कार्य पूरा किया। विशेष पुनरीक्षण के तहत बूथ 305 के 909 तथा बूथ 306 के 781 मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए गए और 4 दिसम्बर 2025 तक सभी प्रपत्र वापस ले लिए गए। भाग संख्या 305 व 306 में सत्यापन के दौरान मृतक मतदाताः 03 व 09, स्थानांतरित (शिफ्टेड): 08 व 18, अनुपस्थितः 06 व 13, डुप्लीकेट प्रविष्टिः 04 व 09, इंकार करने वाले मतदाताः शून्य सभी श्रेणियों की अलग-अलग सूची तैयार कर संलग्न की गई है। 16 दिसम्बर 2025 निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशित, 16 दिसम्बर से 15 जनवरी दावा/आपत्ति अवधि, 7 फरवरी 2026 दावा/आपत्तियों का निस्तारण, 14 फरवरी 2026 अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित बैठक का समापन भाग संख्या 305 व 306 के सभी नागरिकों, मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों के बीएलए को सहयोग हेतु आभार जताते हुए किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से सुपरवाइजर कासिम, बीएलओ अनिल कुमार, प्रियंका गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रवीन ठकराल, सभासद अजय भुर्जी, बीएलए बृजेश भंडारी, कांग्रेस वरिष्ठ नेता मुकेश शर्मा, सपा के पूर्व नगर अध्यक्ष इरफान काजी, बीएलए अभिषेक गोयल एडवोकेट, रालोद से सभासद दानिश मुल्तानी, शमशाद मिर्जा, नसीम मुल्तानी, एवं आजाद समाज पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष दानिश सिद्दीकी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

खतौली में एसआईआर अभियान ने पकड़ी रफ्तार

- 320 में से 90 प्रतिशत बूथों पर कार्य पूरा, 21 उत्कृष्ट बीएलओ सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

एसआईआर अभियान खतौली विधान सभा में तेजी पकड़ते हुए अंतिम चरण की ओर बढ़ चुका है। प्रशासनिक समन्वय, टीम वर्क और बूथ स्तर पर सतत निगरानी का परिणाम है कि कुल 320 बूथों में से लगभग 90 प्रतिशत बूथों पर कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष स्थानों पर भी कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। मात्र 12-13 बूथ ऐसे हैं, जहां 75 प्रतिशत से कम कार्य शेष है, जिन्हें जल्द पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है। तहसील परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में उप-जिलाधिकारी निकिता शर्मा ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले 21 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने वाले बीएलओ की विशेष प्रशंसा की गई। एसडीएम निकिता शर्मा ने बताया कि टीम भावना, पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई के कारण खतौली विधानसभा ने ज़िले में एक नया मानक स्थापित किया है। अभियान के दौरान बीएलओ ने घर-घर जाकर दस्तावेज एकत्र किए और पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया।

भारतीय मूल्यों और संस्कारों पर आधारित शिक्षण संस्थान की स्थापना, सच्ची राष्ट्रसेवा : योगेंद्र डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025 का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी जी (से.नि.) शामिल हुए। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने छात्र-छात्राओं को महाराणा प्रताप के अनुकरणीय जीवन से प्रेरणा लेने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, साहस, समर्पण, समानता और प्रतिबद्धता के मूल्यों को अपनाने लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल सीमा पर साहस दिखाना ही नहीं बल्कि इमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना, पर्यावरण की रक्षा, लोक कल्याण और समाज का एक अच्छा नागरिक बनना भी वास्तविक देशभक्ति है। उन्होंने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माध्यम से आप सफलता के इन मूल्यों का संस्कार प्राप्त कर रहे हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025 के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन गोरखपुर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने अंग्रजों के शासन और स्वतंत्रा संघर्ष के दौरान भारतीय संस्कारों और शिक्षा मूल्यों पर आधारित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना और उसके निरंतर राष्ट्रसेवा में योगदान देने की सरहाहना की एवं शिक्षा परिषद के संस्थापकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब देश में अग्रेंजी शासन और अंग्रेजियत का बोलबाला था ऐसे में 1916 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी और 1932 में महाराणा प्रतापा शिक्षा परिषद की गोरखपुर में नींव रखना भारतीयता और राष्ट्र की सच्ची सेवा थी।

उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक महंत दिग्विजय नाथ, राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं शिक्षा परिषद के सभी शिक्षकों राष्ट्रसेवा के इस संकल्प को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उद्घाटन अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा ही महाराणा प्रताप का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है किस प्रकार उन्होंने अकेले, अन्य राजपूत राजाओं के सहयोग के बिना भी शक्तिशाली मुगल साम्राज्य की अवज्ञा की और आत्मबलिदान, त्याग और समर्पण के मूल्यों की अमर गाथा हम सबके लिए ये प्रस्तुत की। यही कारण था कि 17वीं शताब्दी में छत्रपति शिवाजी महाराज हो या 19वीं, 20वीं शताब्दी के राष्ट्र के क्रांतिकारियों ने उनसे प्रेरणा प्राप्त की।

महाराणा प्रताप के जीवन से हमें अनुशासन, ईमानदारी, समर्पण और प्रतिबद्धता के जिन मूल्यों की शिक्षा मिलती है वो ही आपको जीवन में सफल बनाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि महाराणा प्रताप शिक्षण संस्थान में आप इन मूल्यों और संस्कारों को प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि देशभक्ति केवल देश की सीमा पर साहस दिखाना ही नहीं, इमानदारी से अपने कर्यव्यों का निर्वहन करने, पर्यावरण संरक्षण, लोक कल्याण और अच्छा नागरिक बनान सच्ची देशभक्ति हैं। अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सेना भी ऐसे नौजवानों को चुनती है जो जीवन में अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यपालन को सर्वोपरी मानते हैं। अनुशासन ही सफलात की सीढ़ी है। उन्होंने शिक्षा परिषद की प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं को भागीदारी करने के लिए भी प्रेरित किया और कहा की हार और जीत निर्णायक नहीं है प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना सबसे जरूरी है। असफलता से निराश होने की जरूरत नहीं है, असफलता ही हमें सफलता का मार्ग दिखाती है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के जीवन का प्रसंग और परिणाम की चिंता किए बगैर कर्व्यपालन करने के भागवत गीता के श्लोक-कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन को अनुकरणीय बताया। साथ ही उन्होंने तेजी से बदल रही तकनीकि, एआई, रोबोटिक्स के प्रति भी छात्रों को सजग रहने को कहा।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में केवल एक मजबूत चरित्र और सही तकनीक की समझ ही सफलता दिलाएगी। लेकिन हमें ये याद रखना है कि विजय मैदान में नहीं मन पर होती है, शक्ति हथियार में नहीं संस्कार में होती है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने निकाली शोभायात्रा

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 में गुरुवार को गोरक्षनगरी में 'समूचा हिंदुस्तान' उमड़ पड़ा। एक तरफ उत्साह, उमंग से लबरेज युवाओं ने भारतीय संस्कृति, अनुशासन व विरासत के सम्मान का संदेश दिया तो दूसरी तरफ भारत के शौर्य, पराक्रम के साथ ही सम्मान के प्रतीक महापुरुषों के प्रति श्रद्धा निवेदित की। गोरखपुर की सड़कों पर युवाओं ने अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। भारत की सांस्कृतिक धरोहरों, तकनीकी विकास, सुरक्षा व महापुरुषों की विचारधारा संग भारतीय वेशभूषा संग निकली शोभायात्रा ने सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की शोध पत्रिका 'दिग्विजयम' और महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूषड़ द्वारा 'मिशन मंझरिया' की संक्षिप्त रिपोर्ट का विमोचन किया। समारोह स्थल पर पहुंचने के उपरांत एनसीसी के कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्य अतिथि ने पुस्तिका पर अपने विचार भी लिखे। मुख्यमंत्री व मुख्य अतिथि ने 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश @2047' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह स्थल पर 9000 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह के शुभारंभ समारोह में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व कुलगीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने शोभायात्रा के शुभारंभ की घोषणा की।

स्वस्थ मिट्टी से ही सुरक्षित रहेगा धरती मां और जीवों का स्वास्थ्य

❖ कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि प्रक्षेत्रों पर आयोजित होंगे वैज्ञानिक-किसान संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों से अपील की है कि वे अपने खेतों की मिट्टी का स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से मृदा जांच अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मृदा मानव स्वास्थ्य, प्रकृति और पर्यावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह हमारे भोजन की गुणवत्ता निर्धारित करती है और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मिट्टी की जांच से हमें पता चलता है कि कौन से पोषक तत्व आवश्यक हैं, जिससे किसान अंधाधुंध उर्वरक के प्रयोग से बच सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य को बचाए रखने के लिए हमें संतुलित मात्रा में खाद और उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए और फसल चक्र अपनाना चाहिए। यह सावधानियां भविष्य में न केवल उत्पादन की लागत को कम करेंगी बल्कि जमीन की उर्वरता को भी लंबे समय तक सुरक्षित रखेंगी, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और उपजाऊ भूमि मिल सकेगी।

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर, प्रदेश भर में मृदा स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाने के विषय पर कृषक वैज्ञानिक संवाद एवं राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत मृदा के स्वास्थ्य स्तर विषय पर एक संगोष्ठी की जाएगी। साथ ही, फसलों में समेकित पोषक तत्वों के प्रयोग के महत्व विषय पर कृषकों से संवाद किया जाएगा, और मृदा उर्वरता स्तर बनाए रखने हेतु मॉडल विकसित कराए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान, कृषि विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा वर्तमान मृदा स्वास्थ्य की स्थिति तथा सुधार विषय पर प्रस्तुति की जाएगी। व्यापक जागरूकता के लिए, जनपद से सम्बन्धित समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों पर क्षेत्रीय कृषकों को आमंत्रित करके प्रशिक्षित एवं जागरूक कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मृदा परीक्षण के सजीव प्रदर्शन के लिए विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से भी जागरूकता कार्यक्रम कराया जाएगा। इस कार्यक्रम के व्यापक आयोजन के लिए कृषि विभाग द्वारा प्रदेश भर के 89 कृषि विज्ञान केंद्रों, सभी कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि प्रक्षेत्रों पर किसानों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। कृषि निदेशालय, लखनऊ के ऑडोटोरियम में मृदा स्वास्थ्य एवं प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। समस्त कृषि विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समस्त राजकीय कृषि प्रक्षेत्रों पर अपर कृषि निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) के माध्यम से कार्यक्रम के आयोजन के लिए समस्त जिला कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

अरुण प्रताप सिंह बने राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

देश के प्रति समर्पण का भाव रखने वाले व्यक्तित्व के धनी अरुण प्रताप सिंह को राजपूत करणी सेना के उपाध्यक्ष बनाया गया है। उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रदेश के अध्यक्ष दुर्गेश सिंह 'दीपू' एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने अरूण प्रताप सिंह को दी है। समाज में सक्रियता, लोकप्रियता और राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ लखनऊ महानगर के संयोजक एवं मां गायत्री जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह को राजपूत करणी सेना उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अरुण प्रताप सिंह अमेठी जनपद की गौरीगंज विधानसभा सीट से आते हैं। लेकिन उनकी कर्मभूमि लखनऊ रही है क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में रहकर विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया है एवं एक वरिष्ठ समाजसेवी के रूप में लखनऊ ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में अपनी अमिट छाप छोड़ी हैं। सभी के सुखःदुख में वह सदैव खड़े रहते हैं।

समाज के प्रति उनके समर्पण भाव को देखते हुए राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू द्वारा अरुण प्रताप सिंह को नियुक्ति पत्र देकर स्वागत अभिनंदन किया गया। अरुण प्रताप सिंह के चाहने वाले एवं उनके टीम के सभी लोगों ने बहुत खुशी जाहिर किया है एवं बधाइयां देने के लिए लोग आवास पर पहुंच रहे हैं।

सूर्यवंश की राजधानी में सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही योगी सरकार

❖ पूरा अयोध्या मंडल बन रहा सौर ऊर्जा मंडल, आमजन तेजी से ले रहे सौर ऊर्जा के कनेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या सौर ऊर्जा सिटी के रूप मे विकसित हो रही है। अयोध्या मंडल में इसका बड़ा असर दिख रहा है। बड़ी संख्या में लोग सौर ऊर्जा कनेक्शन ले रहे हैं। इस वर्ष अब तक अयोध्या मंडल के लगभग 33269 लोग पंजीकरण करा चुके हैं, जबकि 16 हजार से अधिक लोग कनेक्शन ले चुके हैं। सबसे अहम बात यह है कि रजिस्ट्रेशन कराने और कनेक्शन लेने में बाराबंकी वासी अव्वल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर रामनगरी अयोध्या है।

बिजली की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शुभारंभ किया है। इससे लोगों को उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यकता के अनुरुप बिजली मिल सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को सोलर सिटी बनाने के लिए घोषणा की थी। इसके लिए यूपीनेडा की ओर से अयोध्या मे 40 मेगावाट का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है। इसके अलावा घर-घर सौर ऊर्जा स्थापित किया जा रहा है। इस योजना का प्रसार प्रचार करने के लिए सोलर सखी द्वारा डोर टू डोर कैंपेन भी चलाया जा रहा है। सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना के लिए प्रति किलोवॉट 10 वर्गमीटर छाया रहित छत की आवश्यकता होती है। एक किलोवॉट के रूफटॉप संयंत्र से औसतन प्रतिदिन 4-5 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। संयंत्र से उत्पादित विद्युत का उपयोग भवन स्वामी द्वारा करने के उपरांत अवशेष विद्युत ग्रिड में चली जाती है। इसका नेटमीटरिंग के माध्यम से विद्युत बिल में संबंधित डिस्कॉम द्वारा समायोजन किया जाता है। उपभोक्ता द्वारा सोलर संयंत्रों की स्थापना में व्यय की गयी धनराशि की प्रतिपूर्ति विद्युत बिल के बचत के रूप में 3 से 4 वर्ष में हो जाती है। केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणी के घरेलू उपभोक्ताओं को अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य अनुदान इस प्रकार दिए जा रहे हैं। एक से दस किलोवॉट क्षमता के संयंत्र का अनुमानित मूल्य प्रति किलोवॉट लगभग 60 से 65 हजार रुपये प्रति किलोवाट के मध्य आता है। संयंत्र की स्थापना के उपरांत केंद्र एवं राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान उपभोक्ता के खाते में प्राप्त होता है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है। प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है, जिस पर आवेदन किया जा सकता है।

उपकेंद्र में लगी आग, दर्जनों गांव की बिजली गुल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निगोहां के विद्युत उपकेंद्र में गुरुवार तड़के करीब 3:30 बजे अचानक हुए धमाके के बाद आग लग गई। विस्फोट के तुरंत बाद केंद्र में मौजूद विद्युत कर्मचारियों ने अधिकारियों व फायर स्टेशन को सूचना देने के साथ ही सप्लाई बंद कर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। उधर फीडर की मरमात में सारा दिन लग गया जिससे हजारों उपभोक्ताओं की सप्लाई ठप रही।

निगोहां सबस्टेशन के इनकमिंग फीडर में आग की चपेट में आने से उपकेंद्र के कई इंसुलेटर, इंस्ट्रूमेंट और अन्य उपकरण जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही 33 केवी लाइन के अधिशासी अभियंता सुदेश शर्मा एवं उपखंड अधिकारी रमेश सोनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य शुरू कराया।आग लगने के चलते सभी 5 फीडर बंद होने से निगोहां कस्बा, मस्तीपुर, भगवानपुर, अघईया, शेरपुर लवल पुराहिया दयालपुर रघुनाथ खेड़ा हरिहर पुर पटसा मस्तीपुर सहित करीब छह दर्जन से अधिक गांवों की बिजली सप्लाई पूरी तरह बाधित रही। अचानक कटौती से हजारों उपभोक्ताओं को दिनभर परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा दिक्कत लोगो के सामने पेयजल आपूर्ति का न होना ।अधिशासी अभियंता सुदेश शर्मा ने बताया उपकेंद्र में टेक्निकल फॉल्ट के कारण आग लगी, जिससे कई इनशूलेटर व उपकरण जल गए हैं। मरम्मत का कार्य पूर्ण कर सभी फीडर की सप्लाई नॉर्मल कर ली गई है। मोहनलालगंज सब डिवीजन के अधिशासी अभियंता श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने के बाद लगभग 12 घंटे आपूर्ति ठप रही देर शाम तक सभी फीडर नार्मल है गए निगोहा सबस्टेशन से जुड़े सभी उपभोक्ताओं की आपूर्ति बहाल भी नार्मल हो गई।

चीनी मिलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाली महत्वपूर्ण इकाइयां : एके शर्मा

❖ किसान चीनी मिल लिमिटेड, घोसी (मऊ) का पेराई सत्र प्रारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि गन्ना किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और चीनी मिलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाली महत्वपूर्ण इकाइयां हैं। उन्होंने कहा कि घोसी और आसपास के क्षेत्रों में किसान गन्ना उत्पादन से जुड़े हैं, इसलिए मिल का सुचारू संचालन यहां के किसानों की आय बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

मऊ भ्रमण के दौरान गुरुवार नगर विकास मंत्री ने किसान चीनी मिल लिमिटेड, घोसी के पेराई सत्र का विधिवत पूजन-अर्चन कर शुभारंभ किया।

पारंपरिक विधि-विधान के साथ सत्र के प्रारंभ होने पर मंत्री ने सभी किसानों तथा मिल कर्मियों को शुभकामनाएं दीं। मिल प्रबंधन ने इस वर्ष 18 लाख कुंतल गन्ने की पेराई का लक्ष्य तय किया है, जो क्षेत्र में गन्ना उत्पादन की बढ़ती क्षमता और किसानों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मिल परिसर में सुविधाओं का विस्तार, भुगतान व्यवस्था को और सुगम बनाने तथा तकनीकी सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उपभोक्ता शिकायत निस्तारण महत्वपूर्ण तीन माह में बनाएं पारदर्शी व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विद्युत नियामक आयोग ने कहां यदि पावर कारपोरेशन को ओटीपी लागू करने में कठिनाई है तो उसे एक पारदर्शी व्यवस्था 3 महीने के अंदर बनाना होगा और इसका प्रस्ताव आयोग के सामने प्रस्तुत करना होगा। आयोग ने उपभोक्ता शिकायत निस्तारण को अत्यंत महत्वपूर्ण माना है।

यूपी में विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित एवं संतोषजनक निस्तारण को सुनिश्चित करने के लिए राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने 1912 की फर्जी शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए ओटीपी-आधारित शिकायत बंद करने की व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई गई थी, पर विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2024-25 में 3 महीने में यह व्यवस्था लागू करने के लिए पावर कॉरपोरेशन से प्रस्ताव मांगा था लेकिन पावर कॉरपोरेशन साल भर हिला-हवाली करता रहा। अब पावर कॉरपोरेशन की इस हीला-हवाली पर उपभोक्ताओं की शिकायतों की उदासीनता पर विद्युत नियामक आयोग ने अपने आदेश में संशोधन करते हुए टैरिफ आदेश में एक नई पारदर्शी व्यवस्था 3 माह के अंदर लागू करने का निर्देश पावर कॉरपोरेशन व बिजली कंपनियों को दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है उपभोक्ता की संतुष्टि स्तर को मापने के लिए एक प्रभावी फीडबैक एवं रेटिंग प्रणाली विकसित की जाए।

भाजपा अध्यक्ष की तैनाती सूबे के लिए बड़ा राजनीतिक संकेत

पार्टी महिला कार्ड चलेगी या सामाजिक संतुलन, बस कुछ ही दिनों का इंतजार

संजय धीमान। लखनऊ

सूबे में भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा? पार्टी महिला कार्ड को लेकर चलेगी या फिर सामाजिक संतुलन पर ध्यान देगी, बस कुछ ही दिनों का इंतजार है। भाजपा अध्यक्ष की तैनाती सूबे के लिए बड़ा राजनीतिक संकेत होगा। महिला चेहरा उतार कर चुनाव से पहले आधी आबादी को बड़ा संदेश देगी, या फिर जातीय समीकरणों को देखते हुए किसी अनुभवी नेता को आगे लाएगी, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो बस 15 दिनों के अंदर कयासों के दौर समाप्त होने की संभावना है।

आगामी पंचायत चुनाव और 2027 विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा सजग है, सियासी गलियारें में इस बात की चिंता अवश्य है कि भाजपा यूपी में प्रदेश अध्यक्ष का ताज किसे पहनाती है। हालांकि संगठन में किसी प्रकार की कोई हलचल नजर नहीं आ रही है। हां यह अवश्य चर्चा का विषय है कि भाजपा या तो किसी महिला को या फिर किसी ओबीसी चेहरे को सूबे की कमान दे सकती है। महिला के बारे में यह कयास लगाए जा रहे कि अभी तक भाजपा ने किसी भी महिला को यूपी की कमान नहीं दी है ऐसे में महिला को भी प्राथमिकता दी जा सकती है, दूसरा ओबीसी चेहरा इसलिए हो सकता है कि भाजपा पश्चिमी यूपी को साधना चाहती है। पश्चिमी यूपी में किसान वोट बैंक मजबूत है।

सूबे में भाजपा के संगठनात्मक चुनावों की प्रक्रिया तेज होने के बाद कयास लगाए जा रहे है कि प्रदेश अध्यक्ष का ऐलान 14 दिसंबर तक हो जायेगा। गौरतलब है कि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की कार्यकाल समाप्ति के बाद यह पद खाली है, और नए चेहरे को कमान सौंपने की कवायद चल रही है। खास बात यह है कि इस बार चर्चा सिर्फ नामों की नहीं, बल्कि इस संभावना की भी है कि भाजपा यूपी में पहली बार किसी महिला को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर बड़ा राजनैतिक संदेश दे सकती है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जो भी चेहरा चुना जाएगा, वह सिर्फ यूपी को ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों के जातीय और चुनावी समीकरणों को भी छुएगा। कुछ महीने पहले राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने यूपी के तमाम बड़े नेताओं से राय ली थी। सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर दोनों डिप्टी सीएम, प्रदेश महामंत्री, मंत्रियों और संगठन पदाधिकारियों की राय पहले ही हाईकमान को भेजी जा चुकी है। कयासो के बीच भाजपा ने 33 फीसदी महिला आरक्षण की बात कही है और कई चुनावों में महिलाओं ने पार्टी को भारी समर्थन दिया है। बिहार इसका जीता-जागता उदाहरण है। ऐसे में यूपी में महिला प्रदेश अध्यक्ष बनाना पार्टी का मास्टरस्ट्रोक माना जा सकता है। रेस में तीन महिला नेताओं के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं और खास बात यह है कि तीनों पिछड़े या दलित वर्ग से आती हैं। रेखा वर्मा, दो बार सांसद, संगठन में मजबूत पकड़ भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उत्तराखंड की सह-प्रभारी हैं। संगठन और सत्ता दोनों में अनुभव रखने वाली रेखा वर्मा ने कई महत्वपूर्ण पदों की कमान संभाल चुकी हैं। पिछड़े वर्ग से आने के कारण भाजपा के सामाजिक समीकरण फिट करती हैं। साध्वी निरंजन ज्योति अपने आप में फायरब्रांड नेता है और केंद्र में मंत्री भी रह चुकीं है। महिला और ओबीसी चेहरा होने के कारण इनके नाम पर पार्टी गंभीरता से विचार कर सकती है। तीसरी प्रियंका रावत हैं जो दलित समाज से आने के कारण चर्चा में है। भाजपा अगर दलित महिला चेहरा आगे लाना चाहती है तो प्रियंका रावत एक मजबूत विकल्प मानी जा रही हैं। दूसरी तरफ पुरुष नेताओं की लंबी लाइन भी मुकाबले में हैं, अगर पार्टी महिला अध्यक्ष की ओर नहीं जाती है तो पिछड़े, सामान्य और दलित वर्ग से कई दिग्गज नाम भी कतार में हैं। पिछड़े वर्ग से केशव प्रसाद मौर्य, भूपेंद्र सिंह चौधरी, बीएल वर्मा, पंकज चौधरी, स्वतंत्र देव सिंह और अमरपाल मौर्य जैसे नाम सक्रिय चर्चा में हैं। सामान्य वर्ग में ब्रजेश पाठक, दिनेश शर्मा, हरीश द्विवेदी, श्रीकांत शर्मा, महेश शर्मा और सतीश गौतम जैसे नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। दलित वर्ग से विद्यासागर सोनकर, रामशंकर कठेरिया और बेबी रानी मौर्य भी रेस में हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025

शिक्षिका का शव पहुंचते ही फफक पड़ा पूरा गांव

बिहार में गोली मार कर की गई थी हत्या

फाइल फोटो

❖ मूल निवास शिवगढ़ के पिडौली में हुआ अंतिम संस्कार

पायनियर संवाददाता। हैदरगढ़ बाराबंकी

नगर पंचायत के मितई पुरवा वार्ड निवासी लक्ष्मीकांत वर्मा राजस्व निरीक्षक की पुत्री शिवानी वर्मा बतौर शिक्षिका बिहार के अररिया जनपद के कन्हैली मध्य मे कार्यरत थी। दरअसल वर्मा परिवार मूल रूप से रायबरेली जनपद के शिवगढ़ के रहने वाले हैं जो इस समय हैदरगढ़ मे रहते हैं) बीती तीन दिसम्बर को बदमाशों ने विद्यालय जाते समय लगभग नौ बजे, रास्ते मे गोली मार कर हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन को जानकारी दी।

बिहार पुलिस ने हैदरगढ़ के स्थानीय प्रशासन को सूचित किया।एस डी एम हैदरगढ़ द्वारा परिजनो से सम्पर्क सूचना दी, हत्या की जानकारी मिलते ही परिवार मे कोहराम मच गया, माता पिता बदहवास हो गए। पिता लक्ष्मीकांत वर्मा अपने सहयोगियों के साथ बुधवार को ही बिहार रवाना हो गए थे। शव का पोस्टमार्टम होने के बाद बृहस्पतिवार को शव जब गांव पहुंचा तो पूरे गांव के निवासी रिस्तेदार रो पड़े। हर तरफ होनहार बिटिया के चर्चे थे। सबके मन मे हत्यारों के प्रति गुस्सा था।सबने बिहार मे जंगलराज वापसी की बात कही, आखिर अपराधी इतने बेलगाम क्यों हैं, बिहार का स्थानीय प्रशासन नाकाम है अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय निवासियों ने घटना का खुलासा करते हुए हत्यारों को फांसी पर लटकाये जाने की मांग की है।

केरल से घर लौट रहे मजदूर की ट्रेन में मौत

❖ आर्थिक तंगी के चलते हनीफ परिवार का एकमात्र सहारा

पायनियर संवाददाता। निंदूरा बाराबंकी

ग्राम पंचायत बीबीपुर नकटौली के ग्राम अम्बियापुर में उस समय कोहराम मच गया जब केरल से घर लौट रहे मजदूर मोहम्मद हनीफ (45) की अचानक ट्रेन में मौत हो गई। परिवार की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए पत्नी और इकलौते बेटे मोहम्मद कैफ के साथ वे केरल मजदूरी करने गए थे, लेकिन यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर बन गया।

मोहम्मद हनीफ पिछले कई महीनों से केरल में मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का गुजारा चला रहे थे। कुछ दिन पहले उन्हें हार्ट की गंभीर समस्या हुई, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन होने के बाद डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी, जिस पर परिवार सहित वे ट्रेन से वापस घर लौट रहे थे। झाँसी पहुंचने से पहले ही हनीफ को दोबारा हार्ट की परेशानी हुई। तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिवार ने यात्रियों की मदद ली, लेकिन कुछ ही देर में हनीफ ने ट्रेन में ही आखिरी सांस ले ली। सूचना पाकर रेलवे विभाग ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करवाईं और एम्बुलेंस से शव को बीबीपुर नकटौली के ग्राम अम्बियापुर भेजवाया।घर पहुचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है और इकलौते बेटे मोहम्मद कैफ के सिर से पिता का साया उठ गया। ग्रामीणों ने बताया कि आर्थिक तंगी के चलते हनीफ परिवार का एकमात्र सहारा थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है।

महिला पर हमला, पुलिस ने नहीं लिखी एफआईआर

बाराबंकी। हेतमपुर गांव में एक महिला और उसकी भाभी पर हमला किया गया। आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की, जिसके बाद पीड़िता ने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। यह घटना 26 नवंबर 2025 को हुई थी। गांव की रेनू देवी पत्नी भगवान ने बताया कि 26 नवंबर 2025 को वह अपने पुराने आभूषण लेकर किसी काम से घर से निकली थीं।

रास्ते में गांव के ही दीपेन्द्र, दीपचन्द्र, बाबादीन, दिनेश कुमार और भक्ति ने पुरानी रंजिश के चलते उन्हें रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब रेनू देवी ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर लात-घूंसों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर रेनू देवी की भाभी सावित्री उन्हें बचाने पहुंचीं, तो विपक्षी लोगों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस हमले में दोनों महिलाओं को गंभीर चोटें आईं और वे जमीन पर गिर पड़ीं। पीड़िता के अनुसार, घटना की जानकारी जहांगीराबाद थाने को दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर, दो गंभीर

निंदूरा बाराबंकी। लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग पर ग्राम पंचायत कतुरी कलां के ककरहा गांव के पास मोटरसाइकिल सवार दो लोग अज्ञात कार की टक्कर से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार अनिल कुमार (45) पुत्र संतराम निवासी माती थाना देवा तथा पुत्ती लाल (65) पुत्र बद्री प्रसाद निवासी खंडसरा थाना घुघटेर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी सामने से आ रही एक अज्ञात कार ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से चोटिल हो गए। मौके पर पहुंची बड्डूपुर थाना पुलिस ने घायलों को तत्काल निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन व चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

बाराबंकी। मसौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मसौली कस्बे में गुरुवार की शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब पत्नी से कहासुनी के बाद 26 वर्षीय अर्जुन पुत्र चंदर ने अचानक जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना का खुलासा होते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि अर्जुन का अपनी पत्नी गोमती से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। मामूली तकरार देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर युवक ने घर में रखा जहरीला पदार्थ निगल लिया। कुछ ही ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी और मुंह से झाग निकलना शुरू हो गया, जिसके बाद घरवालों के होश उड़ गए। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी भी मौके पर इकट्ठा हो गए और आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। परिजनों ने बिना किसी देरी के अर्जुन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव पहुँचाया , जहां मौजूद चिकित्सकों ने युवक की गंभीर हालत देखते हुए तुरंत जिला अस्पताल बाराबंकी रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उसे लगातार चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। युवक की शादी करीब छह वर्ष पहले गोमती से हुई थी और दंपति की डेढ़ साल की एक बेटी रूही भी है, जो अभी कुछ समझ पाने की स्थिति में नहीं है। उधर, परिवारजन रो-रोकर बेहाल हैं और माहौल मातमी बना हुआ है। परिजनों का कहना है कि पत्नी से विवाद के बाद अर्जुन ने आवेश में आकर यह कदम उठाया है, जिसका अंदाज़ा किसी को भी नहीं था। स्थानीय लोगों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच आए दिन छोटी-मोटी अनबन होती रहती थी, लेकिन आज की बहस इतनी बढ़ जाएगी कि युवक अपनी जान पर खेल बैठेगा, यह किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। गांव में घटना की चर्चा लगातार जारी है और लोग उसके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर घरेलू विवादों से उपजे तनाव और अवसाद के खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है। परिवारजन और ग्रामीण जिला अस्पताल के बाहर जुटे हुए हैं, जहां अर्जुन जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

कोल्ड वेव/शीतलहर को देखते हुए डीएम ने जनपद में उच्च स्तरीय अलर्ट किया जारी

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने आगामी दिनों में संभावित शीतलहर , कोहरे, अत्यधिक ठंड, पाले तथा न्यूनतम तापमान में गिरावट को ध्यान में रखते हुए जनपद के समस्त विभागों को उच्च सतर्कता मोड में रहने, सभी संसाधनों को सक्रिय करने और आमजन के जीवन की सुरक्षा हेतु ठोस उपाय तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में जनपद में ठंड का प्रकोप, घना कोहरा, दृश्यता में भारी कमी तथा ठिठुरन में वृद्धि की संभावना व्यक्त की गई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित सर्वोपरि है और प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि किसी भी नागरिक को ठंड, कोहरे या पाले की वजह से किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा संकट की स्थिति में समयबद्ध सहायता उपलब्ध हो सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार की मौत

फतेहपुर। फतेहपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। इसरौली शराब ठेके के सामने एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर फतेहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस उसके पास मिले सामान के आधार पर उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। इसके अतिरिक्त, आसपास के थानों में भी जानकारी भेजी गई है ताकि मृतक के परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक देवां की ओर जा रहा था ।

इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट आफ द ईयर का प्लेटिनम अवार्ड, हर्षित सिंह को मिला

पायनियर संवाददाता। हैदरगढ़ बाराबंकी

इण्डिया फिल्म प्रोजेक्ट आईएफपी 2025 फिल्म आफ द ईयर का प्लेटिनम अवार्ड पाने वाले निर्देशक गोंडा जनपद के होनहार युवा हर्षित सिंह हैदरगढ़ कस्बे में पले-बढ़े हैं। मुंबई में आयोजित समारोह में सुप्रसिद्ध फिल्मकार दिवाकर बनर्जी द्वारा हर्षित सिंह के नाम की घोषणा करते ही हैदरगढ़ वासी झूम उठे।

यह अवार्ड निर्देशक हर्षित सिंह एवं फिल्म के लेखक गोंडा के ही उनके सहयोगी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को संयुक्त रूप से मिला।यह अवार्ड इन दोनों युवाओं को 50 घंटे के भीतर एक रचनात्मक एवं समाज को संदेश देने वाली शार्ट फिल्म बनाने के लिए दिया गया है। अवार्ड पाकर नाम रोशन करने वाले हर्षित सिंह राष्ट्रीय इण्टर कालेज रनापुर हैदरगढ़ में शिक्षक रहे

स्वर्गीय रमाशंकर सिंह के एकलौते बेटे हैं। हर्षित सिंह हैदरगढ़ कस्बा में ही पैदा हुए।इण्टर मीडिएट तक की शिक्षा भी यहीं से प्राप्त की।फिल्म अवार्ड की जानकारी होते ही कस्बा निवासी डॉ मुहीउद्दीन आब्दी, ब्लाक प्रमुख सुनील सिंह,सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण कुमार द्विवेदी,लाला लक्ष्मी नरायन साहू,चेयरमैन आलोक तिवारी,राष्ट्रीय इण्टर कालेज के प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, आदि ने संदेश भेजा।

बाइक-ट्रक की टक्कर से दो युवक गंभीर , एक की हालत नाजुक

मसौली बाराबंकी। बहराइच हाईवे पर बुधवार देर शाम एक सड़क हादसा हो गया। मसौली थाना क्षेत्र में कल्याणी नदी के पास हुए इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। अलीनगर बदोसराय निवासी अरुण कुमार पुत्र विश्राम गौतम अपनी मोटरसाइकिल (यूपी 41 ए डब्लू 7709) से बाराबंकी से घर लौट रहे थे। कल्याणी नदी के पास हाईवे पर खड़े एक ट्रक (यूपी 71 बी 3855) से उनकी बाइक टकरा गई। इस टक्कर में अरुण कुमार और उनके साथ बाइक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरे घायल युवक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव पहुंचाया।

बस डंपर से टकराई, चार लोग घायल

पायनियर संवाददाता। देवा, बाराबंकी

विशुनपुर के पास कल्याणी नदी पुल के पास गुरुवार दोपहर एक अनुबंधित बस ओवरटेक करते समय डंपर के पिछले हिस्से से टकरा गई। हादसे में बस में सवार चार यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए सीएचसी देवा भेजा गया। बहादुरगंज से आ रही परिवहन विभाग की अनुबंधित बस कल्याणी नदी पुल के पास आगे चल रहे डंपर को ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान सामने से वाहन आने पर बस चालक का संतुलन बिगड़ गया और बस डंपर में जा धसी। टक्कर के बाद बस में हड़कंप मच गया और यात्री घबराकर बाहर निकलने लगे घायल यात्रियों में मोहम्मदपुर खाला बाराबंकी के रंजीतपुर गांव निवासी रामकली और सुमन तथा सीतापुर जनपद के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी राम विजय और रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के ही भिखारीपुर निवासी पुत्तीलाल शामिल हैं हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे सीओ फतेहपुर जगत राम कनौजिया और चौकी प्रभारी मिथिलेश यादव ने डंपर को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस आगे की कार्रवाई में लगी है।

समाजसेवी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर गरीबों का हुआ इलाज

पायनियर संवाददाता। औरैया/दिबियापुर

गुरुवार को स्थानीय रामकृष्ण नगर स्थित अवतार क्लीनिक में समाजसेवी रामअवतार शर्मा की चर्तुथ पुण्य तिथि पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में करीब डेढ़ सैकड़ा मरीजों की चिकित्सकीय जांच कर उन्हें दवाइयां वितरित की गयी। इससे पूर्व समाजसेवी डाक्टर राम अवतार के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इस मौके पर समाजसेवी के ज्येष्ठ पुत्र युवा चिकित्सक डा0 ए कुमार शर्मा ने बताया कि स्वर्गीय पिताजी ने जीवन पर्यन्त गरीब और बेसहारा लोगों को चिकित्सा सेवायें दी थीं। उनके न रहने पर वह पिताजी के सपनों को साकार करने का प्रयास कर रहे हैं। शिविर में खांसी, जुकाम, बुखार, सिरदर्द, जोड़ों का दर्द आदि बीमारियों के सम्बध में उपचार किया गया। इस मौके पर डा. एकुमार शर्मा ने मौजूद लोगों को सलाह दी कि सर्दी के मौसम में नवजात शिशुओं तथा बुर्जुगों का विशेष ध्यान रखे उन्हें गर्म कपड़े पहनाते हुये धूप में बैठायें। शिविर में पूर्व प्रधान अश्वनी शर्मा, अशीष शर्मा रिजोली , मोहम्मद सलीम, बासू एवं बाँबी आदि का विशेष सहयोग रहा।

मिशन शक्ति 5 के तहत आयोजित किये गये जागरूकता कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में कानपुर देहात पुलिस द्वारा ष्मिशन शक्ति 5.0ष् अभियान के तहत जागरुकता अभियान चलाया गया ।

इस अभियान के अंतर्गत जनपदीय थाना पुलिस द्वारा विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबर्स, कानूनी अधिकारों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना तथा अपराधों से बचाव के उपायों से अवगत कराना है, इस दौरान महिलाओं को 181

(महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) एवं 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई । साथ ही, न्च्ब्ब्ट ऐप के माध्यम से पुलिस सेवाओं का लाभ उठाने तथा सोशल मीडिया पर साइबर अपराधों (जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग एवं फर्जी खातों से बचाव) से सावधान रहने के टिप्स साझा किए गए। कानूनी अधिकारों के अंतर्गत महिलाओं को च्व्ब्ैव् एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम तथा साइबर क्राइम से संबंधित आईटी एक्ट की जानकारी दी गई ।

मैथा व राजपुर में ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश के क्रम में एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में विकासखण्ड मैथा एवं राजपुर के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी सम्मानित सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया ब्लॉक मैथा के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी सुश्री संजू सिंह द्वारा बताया गया कि मिशन वात्सल्य योजनान्तर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठकों का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करना है। जिसमें बच्चों के जीवन की रक्षा, विकास, संरक्षण और भागीदारी के उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना है। ब्लॉक मैथा के सभागार में खण्ड विकास अधिकारी श्री हरगोविन्द गुप्ता राजपुर द्वारा बताया गया कि यह योजना ऐसे बच्चों की देखभाल और संरक्षण करती जिनके पास माता-पिता या कानूनी अभिभावक नहीं हैं।

एनआईए टीम ने पेट्रोल पंप कारोबारी के ठिकानों पर की ताबड़तोड़ छापेमारी

पायनियर संवाददाता। औरैया

शहर निवासी एक व्यापारी के घर व प्रतिष्ठानों पर भोर होते ही भारी पुलिस बल के साथ पहुंची एनआईए की टीम ने छापेमारा। अचानक से भारी पुलिस बल देख लोगों में खलबली मच गई। टीम के अधिकारियों ने घर व प्रतिष्ठानों पर मिले लोगों से गहनता से पूछताछ की। वहीं कारोबारी से जुड़े अन्य नजदीकी लोगां के प्रतिष्ठानों पर भी छापे मारे गए। फिलहाल इस छापेमारी में क्या-क्या तथ्य सामने आए हैं, इस संबंध में कोई भी अधिकारी कुछ भी कहने से दूरी बनाता नजर आया।

गुरुवार तड़के शहर के पेट्रोल पंप संचालक कमल कांत वर्मा के घर पर भारी पुलिस बल के साथ एनआईए की टीम पहुंची। अचानक से भारी पुलिस बल के पहुंचते ही घर में सो रहे लोगों में खलबली मच गई। इसी बीच एनआईए के अधिकारियों ने घर में मौजूद मोबाइल फोन कब्जे में ले लिए। साथ ही मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने घर की तरफ जाने वाले रास्ते को पूरी तरह से बंद कर दिया। लोग इधर-उधर से होकर निकलने को मजबूर दिखे। मोहल्ले में भारी पुलिस का अमला देख लोगों में तरह-तरह के चर्चाएं शुरू हो गईं। इस दौरान एनआईए की टीम ने सदर बाजार होमगंज स्थित सराफा की दुकानां को भी अपनी निगेहबानी में ले लिया।

इसी सप्ताह चालू होगी हाईटेक नर्सरी

पायनियर संवाददाता। कानपुर देहात

उद्यान विभाग द्वारा कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे राजकीय कृषि प्रक्षेत्र, (चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्व विद्यालय, कानपुर के परिसर में) डींघ, वि०ख० मलासा, कानपुर देहात हाईटेक नर्सरी (वेजीटेबिल सीडलिंग ईकाई) में पौध उत्पादन का कार्य इसी सप्ताह शुरू किया जाना है।

जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि हाईटेक नर्सरी में साल भर मौसम के अनुसार विभिन्न सब्जियों की पौध स्थानीय कृषकों की मॉग के अनुसार तैयार करायी जायेगी। इच्छुक कृषक प्रत्येक सीजन के डेढ़ से दो माह पूर्व अपनी बुकिंग हाईटेक नर्सरी के प्रभारी रमेश चन्द्र कटियार, स०उ०नि० (6392626116) को बुकिंग कराना होगा। कृषकों द्वारा बीज उपलब्ध कराने पर पौध उत्पादन का खर्च 1 रू० प्रति पौध की दर से तथा बीज न उपलब्ध कराने की स्थिति में हाईटेक नर्सरी में उत्पादित पौध 02 रू० प्रति पौध की दर से बिकी की जायेगी। वर्तमान में गर्मी के मौसम में

उगाये जाने वाली सब्जियों जैसे-लौकी, तरोई, करेला, खीरा, कद्दू, खरबूज, तरबूज, मिर्च, टमाटर आदि की बुकिंग शुरू कर दी गयी है। इच्छुक कृषक जिला उद्यान अधिकारी के कार्यालय विकास भवन कमरा न0-315 में तथा हाईटेक नर्सरी के प्रभारी रमेश चन्द्र कटियार से अपनी बुकिंग अग्रिम बुकिंग कराना होगा। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 बल्देव प्रसाद द्वारा अवगत कराया गया कि नर्सरी की क्षमता 15 लाख पौध प्रतिवर्ष है। जिसमें मौसम व स्थानीय मॉग के अनुसार सब्जियों, मसालों एवं फूलों (शोभाकार पोधों) की स्थानीय मॉग के अनुसार गुणवत्तायुक्त, स्वस्थ एवं रोग रहित पौध उपलब्ध करायी जायेगी तथा आस-पास के जनपदों के कृषकों द्वारा भी अपने आर्डर बुक किये जा सकते हैं।

अभियुक्ता व उसके साथी को पति की हत्या प्रकरण में आजीवन कारावास

प्रत्येक पर 10-10 हजार का अर्थदण्ड भी लगाया

❖ अभियुक्ता द्वारा अन्य साथी के साथ मिलकर अपने पति की गला दबाकर हत्या कर देने के अपराध में दोषी पाया

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत गंभीर अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने हेतु अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन एवं पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र द्वारा सतत निगरानी की जा रही है।इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराधों से संबंधित मामलों की प्रभावी पैरवी हेतु विशेष सतर्कता बरती जा रही है। लंबित अभियोगों की निजी रूप से मॉनिटरिंग करने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उक्त निर्देशों के अनुपालन में मॉनिटरिंग सेल, विशेष लोक अभियोजक, जिला शासकीय अधिवक्ता एवं कोर्ट पैरोकारों के समन्वित प्रयासों से जिला एवं सत्र न्यायालय जनपद श्रावस्ती द्वारा 04 दिसंबर को थाना कोतवाली भिनगा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 324/2019 धारा 302/34 भादवि में नामित अभियुक्तगण बाबूराम यादव पुत्र वंशराज यादव, सुखपता पत्नी स्व0 आत्माराम यादव निवासीगण नौव्वनपुरवा अवधूतनगर दा0 परशुरामपुर थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती। अभियुक्ता द्वारा अन्य साथी के साथ मिलकर अपने पति की गला दबाकर हत्या कर देने के अपराध में दोषी पाते हुए प्रत्येक को आजीवन कारावास एवं 10-10 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की बैठक सम्पन्न

पायनियर संवाददाता। श्रावस्ती

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई बैठक में उप कृषि निदेशक ने कृषि संबंधी आंकड़े, मृदा स्वास्थ्य तथा प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की जनपद में आवश्यकता पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि योजना की गाइडलाइन के अनुसार कृषि विभाग तथा अन्य संबद्ध विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्य एवं आगामी छः वर्षों का लक्ष्य निर्धारित की जानी है।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों से विभागवार योजनाओं पर गहन चर्चा की तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग अपनी छह वर्षीय कार्ययोजना निर्धारित प्रारूप में तैयार कर एक दिवस के भीतर उप कृषि निदेशक को हार्ड और सॉफ्ट

कॉपी में उपलब्ध कराए। उन्होंने उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि सभी विभागों से प्राप्त प्रस्तावों को संकलित कर योजना को अंतिम रूप दिया जाए और उसके बाद संपूर्ण प्रस्ताव कृषि निदेशालय को त्वरित रूप से भेजा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का प्रभाव तभी दिखेगा जब सभी विभाग समयबद्ध और समन्वित रूप से कार्य करेंगे। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जनपद के किसानों को नवीन सुविधाओं का लाभ मिलेगा, कृषि की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, अग्रणी जिला प्रबन्धक जुगल किशोर, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

आज क्वार्टर फाइनल में भारत की असली परीक्षा बेल्जियम से

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप

एजेंसी। चेन्नई

भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

29
गोल दागे भारत ने पूल चरण में और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है।

मैच का प्रसारण रात 8 बजे से

यहां से कोई भी चूक भारत के नौ साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था।भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है। चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए।पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी।श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं।उन्होंने कहा,निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।श्रीजीश ने कहा, ''जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।क्वार्टर फ़ाइनल के अन्य मैचों में स्पेन का सामना न्यूज़ीलैंड से, फ़्रांस का सामना जर्मनी से और नीदरलैंड का सामना अर्जेंटीना से होगा।

इंग्लैंड ने चिली,अफ्रीका ने मलेशिया को हराया

एजेंसी। चेन्नई

इंग्लैंड ने जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप के नौवें से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मुकाबले में गुरूवार को चिली को 3 - 1 से हराया। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मैच में इंग्लैंड के लिये काडेन ड्रेसे ने तेरहवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर पहला गोल दागा। वहीं कप्तान मैक्स एंडरसन ने दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में फील्ड गोल करके बढत दुगुनी कर दी । इसके चार मिनट बाद चिली के लिये जेवियर वर्गास ने बेहतरीन फील्ड गोल करके अंतर कम किया। चिली पूल चरण में भारत और स्विटजरलैंड के बाद पूल बी में तीसरे स्थान पर रही थी । इंग्लैंड ने हालांकि जवाबी हमलों में जॉनी हिबिट स्टर्च के गोल के दम पर फिर 3-1 से बढत बना ली। हाफटाइम तक यही स्कोर था और आखिरी दोनों क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई प्रयास किये लेकिन गोल नहीं हो सका। दक्षिण अफ्रीका ने

जेडन ब्रूकर के दो गोलों की मदद से मलेशिया को नौवे से 16वें स्थान के क्लासीफिकेशन मैच में 3-1 से हराया। मैच में चारों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए । ब्रूकर ने 18वें और 39वें मिनट में गोल दागे जबकि तीसरा गोल रोस मोंटगोमेरी ने 58वें मिनट में किया। मलेशिया के लिये एकमात्र गोल मैट अकील ने 48वें मिनट में किया।

संक्षिप्त समाचार

भुल्लर ने तीसरा आईजीपीएल खिताब जीता

अहमदाबाद। गगनजीत भुल्लर ने अंतिम दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से बृहस्पतिवार को यहां खिताब जीता और इसके साथ ही आईजीपीएल टूर पर तीन खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। पहले दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से शुरुआत करते हुए भुल्लर ने अंतिम दो दौर में 67 के समान स्कोर से कुल 11 अंडर के स्कोर से खिताब अपने नाम किया।इक्कीस साल के प्रतिभावान राघव चुघ अंतिम दौर में चार अंडर 68 के स्कोर से कुल 10 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। फिलिपीन्स के जस्टिन किबान, मैक्सिको के सेंटयागो डि ला फुएंटेस और भारतीय-अमेरिकी मानव शाह आठ अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

अर्जुन ने जेरूशलम मास्टर्स का खिताब जीता

जेरूशलम। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने यहां फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए।

इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।एरिगैसी ने बाद में कहा, ''यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं।उन्होंने आगे कहा, ''आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के ख़िलाफ़) काफ़ी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के ख़िलाफ़ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज़ में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।इस जीत के साथ एरिगैसी को 55,000 अमेरिकी डॉलर, जबकि आनंद को 35,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली।एरिगैसी ने सेमीफाइनल में रूस के ग्रैंडमास्टर पीटर स्विडलर को जबकि आनंद ने विश्व ब्लिट्ज चैंपियन इयान नेपोमनियाची को हराया था।

नारायण 600 टी20 विकेट लेने वाले पहले क्रिकेटर

अबु धाबी। गेंदबाजी में विविधता के लिए पहचाने जाने वाले रहस्यमयी स्पिनर सुनील नारायण ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में 600 विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने।वेस्टइंडीज के नारायण ने बुधवार को यहां शारजाह वारियर्स के खिलाफ अबु धाबी नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। त्रिनिदाद के इस 37 वर्षीय क्रिकेटर ने टॉम एबेल को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। उनकी यह उपलब्धि टी20 प्रारूप में महानतम गेंदबाजों में से एक के रूप में नारायण के दर्जे को और मजबूत करती है।मैच के बाद अबु धाबी नाइट राइडर्स ने नारायण के विशेष जर्सी दी जिसमें 600 अंक लिखा था जो उनकी अभूतपूर्व उपलब्धि को दर्शाता है।

हार्दिक फैन फॉलोइंग के चलते स्थल बदला

हैदराबाद। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को देखने के लिए जबरदस्त भीड़ को देखते हुए आयोजकों को बृहस्पतिवार को यहां जिमखाना मैदान जैसे साधारण स्थल से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच को अधिक सुरक्षित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में स्थानांतरित करना पड़ा। यह मुकाबला उनकी टीम बड़ौदा और गुजरात के बीच खेला गया। इसमें बड़ौदा ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। हार्दिक की मौजूदगी के कारण अप्रत्याशित भीड़ और सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया गया। भारतीय हरफनमौला का चोट से उबरने के बाद यह दूसरा प्रतिस्पर्धी मैच था। वह आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की जर्सी में नजर आएंगे जो नौ दिसंबर से कटक में शुरू होगी।अधिकारियों ने पुष्टि की कि टीम होटल, अभ्यास नेट्स और टिकट काउंटरों के आसपास असामान्य रूप से बड़ी भीड़ देखी गई जो घरेलू मैच के दर्शकों की सामान्य संख्या से कहीं अधिक थी।आयोजन समिति के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, ''दर्शकों की संख्या और दर्शकों की आवाजाही हमारे अनुमान से बहुत अधिक थी। सुरक्षा और मैच संचालन को सुचारू रखने के लिए हमने मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया। पंजाब के खिलाफ नाबाद 77 रन ठोकने के बाद हार्दिक ने गुजरात के खिलाफ 10 रन बनाए और एक विकेट हासिल किया।

कलिकेश एनआरएआई के अध्यक्ष व पवन सिंह नए महासचिव बने

मोहाली। कलिकेश नारायण सिंह देव ने गुरुवार को यहां भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की आम सभा की बैठक के दौरान निर्विरोध चुने जाने के बाद के इस राष्ट्रीय खेल महासंघ के अध्यक्ष के रूप में अपना चार साल का पहला पूर्ण कार्यकाल शुरू किया। एनआरएआई के चुनावों के परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित किए जाने के बाद इस खेल के जाने-माने प्रशासक और तकनीकी विशेषज्ञ पवन सिंह को नया महासचिव चुना गया।चुनाव का संचालन चुनाव अधिकारी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) निर्मलजीत कौर की देखरेख में किया गया। चुनावों में नई कार्यकारी समिति और नई संचालन संस्था का भी गठन किया गया।अध्यक्ष चुने जाने के बाद सिंह देव ने कहा,भारतीय निशानेबाजी ने पिछले कुछ वर्षों में सफलता और लोकप्रियता दोनों के मामले में अपना सबसे सफल दौर देखा है और इससे हमारी जिम्मेदारियां कई गुना बढ़ जाती हैं।उन्होंने कहा, ''मैं आम सभा का मुझमें और मेरी टीम में विश्वास बनाए रखने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

केरल ने रोका गत चैंपियन मुंबई का विजयरथ

- आसिफ के पांच विकेट से केरल ने मुंबई को 15 रन हराकर उलटफेर किया
- ग्रुप के अन्य मैच में असम ने विदर्भ को 58 रन से जबकि आंध्र ने छत्तीसगढ़ को 8 विकेट व ओड़िशा ने रेलवे को एक रन से हराया।

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

तेज गेंदबाज केएम आसिफ के पांच विकेट की बदौलत केरल ने बृहस्पतिवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप ए मुकाबले में गत चैंपियन मुंबई को 15 रन से हराकर उलटफेर किया। मुंबई को इस टी20 टूर्नामेंट में अपने पांच मैचों में पहली हार मिली लेकिन फिर भी टीम 16 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। वहीं केरल अपनी तीसरी जीत के साथ 12 अंक से पांच टीमों के इस पूल में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है जबकि आंध्र भी 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल नेट रन रेट में आंध्र से थोड़ा पीछे है।

अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले मुकाबले में स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई टीम 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.4 ओवर में 163 रन पर ऑल आउट हो गई। भारतीय तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर की अगुआई वाली मुंबई की टीम में भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी

केरल से हारने के बाद मायूस दिखे मुंबई के सूर्यकुमार यादव व सरफराज खान।

शामिल थे। केरल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 178 रन बनाए।केरल को संजू सैमसन ने शानदार शुरूआत कराई। उन्होंने 28 गेंद में 46 रन बनाए जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था।हालांकि रोहन कुनुम्मल (02) और सैमसन के आउट होने से केरल का सातवें ओवर में स्कोर दो विकेट पर 58 रन हो गया।सैमसन ने ज्यादातर स्ट्राइक अपने पास रखी और मुंबई के स्टार गेंदबाजों का जिम्मेदारी से सामना किया। उनके आउट होने के बाद स्कोरिंग गति धीमी पड़ गई। विष्णु विनोद ने 40 गेंद में 43 रन बनाए। विनोद ने मोहम्मद अजहरुद्दीन (32) के साथ 63 रन की साझेदारी। तेज गेंदबाज़ शराफुद्दीन की 15 गेंद में 35 रन की पारी ने केरल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

सरफराज खान ने जड़ा शानदार अर्धशतक : मुंबई ने आयुष म्हात्रे (03) के जल्दी आउट होने के बाद अजिंक्य रहाणे (32) और सरफराज खान (52) के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी से टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।12वें ओवर में मुंबई का स्कोर तीन विकेट पर 99 रन था और वे आराम से लक्ष्य की ओर बढ़ रहे थे।लेकिन 18वें ओवर में आसिफ (25 रन देकर पांच विकेट) ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने एक ही ओवर में सैराज पाटिल (13), सूर्यकुमार (32) और शारदुल (शून्य) के विकेट झटके जिससे स्कोर सात विकेट पर 149 रन हो गया। आसिफ ने आखिरी ओवर में शम्स मुलानी और हार्दिक तामोरे को आउट कर मुंबई की पारी समाप्त कर दी। बत्तीस वर्षीय आसिफ को इस सत्र में लखनऊ की इस पिच से काफी सफलता मिली है, उन्होंने अभी तक मुश्ताक ट्रॉफी के चार मैच में 13 विकेट लिए हैं।

असम ने विदर्भ को 58 रन से दी मात

इकाना के मेन ग्राउंड पर खेले गये मुकाबले में असम ने मध्यक्रम के बल्लेबाज अब्दुल अजीज कुरैशी और निहार डेका की अर्धशतकीय पारियों तथा गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ को 58 रन से मात दी। 29/3 की स्थिति में फंसी असम की टीम को कुरैशी व डेका ने 68 गेंदों में 115 रन की साझेदारी से संभाला और टीम को 175/7 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की खराब शुरूआत रही और टीम दूसरे ओवर में ही 9/3 पर सिमट गई। ध्रुव शोरी और

यश राठौड़ ने 40 रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन साझेदारी टूटते ही विकेटों का सिलसिला जारी रहा। हर्ष दुबे ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन टीम 18वें ओवर में 117 पर ढेर हो गई। असम की ओर से मैन ऑफ द मैच मुख्तार हुसैन ने 3/36, आकाश सेनगुप्ता ने 3/12 और अविनव चौधरी ने 2/20 लेकर विदर्भ की बल्लेबाजी क्रम को तोड़ दिया।

रशीद-हेब्बर के प्रदर्शन से आंध्रा की आसान जीत

मैन ऑफ द मैच शेख रशीद (नाबाद 59) और अश्विन हेब्बर (50) की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों की बदौलत आंध्रा ने छत्तीसगढ़ को 7 गेंद शेष रहते 8 विकेट से करारी मात दी। इकाना स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 2 विकेट पर 158 रन बनाए। टीम की शुरूआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज अमित कुमार (12) व सानिध्य हुर्कत (7) जल्द ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद अमनदीप खरे (44) और शशांक सिंह (46) ने पारी को संभालते हुए सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।आंध्रा की ओर से केवी शशिकांत, पृथ्वी राज और बालीपूड़ी यशवंत ने दो-दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आंध्रा की शुरूआत मजबूत रही। अश्विन हेब्बर ने 40 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 50 रन ठोके, जबकि श्रीकर भरत 17 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शेख रशीद ने 44 गेंद में 4 चौके और 2 छक्कों के साथ नाबाद 59 रन की विजयी पारी खेली। रिकी भुई 14 रन पर नाबाद रहे और टीम ने 159 रन बनाते हुए आराम से जीत हासिल कर ली।

शमी के चार विकेट से सेना को हराकर बंगाल शीर्ष पर

हैदराबाद। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के 13 रन पर चार विकेट से बंगाल ने बृहस्पतिवार को यहां सैयद मुशताक अली ट्रॉफी के ग्रुप सी मैच में सेना को सात विकेट से हरा दिया। यह बंगाल की पांच मैच में चौथी जीत है और अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम 16 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। टीम ने इसके साथ ही नॉकआउट में जगह बनाने का अपना दावा मजबूत कर दिया है।आईपीएल नीलामी में उतर रहे ईश्वरन ने 37 गेंद में 58 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक पोरेल (29 गेंद में 56 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 93 रन जोड़े जिससे बंगाल ने 166 रन के लक्ष्य को 15.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। इससे पहले मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए शमी ने 13 रन देकर चार जबकि आकाशदीप ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे सेना की टीम 18.2 ओवर में 165 रन पर सिमट गई। ऋतिक चटर्जी ने भी 32 रन देकर दो विकेट चटकाए।चोट के बाद वापसी करते हुए पंजाब के खिलाफ तेजतर्रार पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या ने इस बार गेंद से प्रभावित करते हुए चार ओवर में 16 रन देकर एक विकेट हासिल किया जबकि उनकी टीम बड़ौदा ने गुजरात को कम स्कोर वाले मैच में आठ विकेट से हराया।गुजरात की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.1 ओवर में सिर्फ 73 रन पर ढेर हो गई। गुजरात के सिर्फ दो खिलाड़ी दोहरे अंक में पहुंच पाए।

समीर व माधव के अर्धशतक से जीता उत्तर प्रदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मैन ऑफ द मैच समीर रिजवी (42 गेंदों पर 70 रन), माधव कौशिक (41 गेंदों पर 67 रन) और अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (3 विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी में चंडीगढ़ को 40 रनों से करारी शिकस्त दी। चंडीगढ़ के लिए संदीप शर्मा ने चार विकेट लिए, जबकि मनन वोहरा ने 35 गेंदों पर 61 रनों की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरूआत खराब रही, जब आर्यन जुयाल पहले ही ओवर में आउट हो गए। इसके बाद, माधव कौशिक और सिद्धार्थ यादव (12 गेंदों पर 28 रन) ने आक्रामक रुख अपनाते हुए महज 28 गेंदों पर 54 रनों की तेज साझेदारी की। संदीप शर्मा ने सिद्धार्थ यादव को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

यूपी ने चंडीगढ़ को 40 रन से हराया, भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट झटके

समीर रिजवी व माधव कौशिक

इसके माधव कौशिक और समीर रिजवी ने पारी को संभाला और अगले 9 ओवर में 86 रनों की साझेदारी की। रिजवी ने महज 42 गेंदों पर 70 रन बनाए, जबकि कौशिक ने 41 गेंदों पर 67 रनों की पारी खेली। रिजवी की पारी 18वें ओवर में समाप्त हुई, जिसके बाद रिंकू सिंह ने आकर महज 10 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 24 रन बनाकर टीम के स्कोर को 20 ओवरों में 7 विकेट पर 212 रन तक पहुंचाया। चंडीगढ़ के लिए संदीप शर्मा 4 विकेट लिए। जवाब में चंडीगढ़ की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर तक उनके दो शीर्ष क्रम के बल्लेबाज आउट हो चुके थे। हालांकि, सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने निखिल ठाकुर (32 रन) के साथ मिलकर टीम का स्कोर 11वें ओवर में 100 रन तक पहुंचा दिया। लेकिन, कार्तिक त्यागी ने उसी ओवर में वोहरा (61 रन) को आउट कर मैच का रुख बदल दिया। वोहरा के आउट होते ही चंडीगढ़ की पारी लड़खड़ा गई और 100/3 से स्कोर तेजी से 15वें ओवर में 128/6 हो गया, जिससे वे लक्ष्य से बहुत पीछे रह गए। निचले क्रम में अमृत लुबाना ने 23 गेंदों पर 30 रन बनाकर कुछ संघर्ष किया, लेकिन टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 172 रन ही बना सकी और 40 रनों से मुकाबला गंवा दिया। यूपी के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने 23 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि विप्रज निगम ने 2 विकेट झटके।

स्टार्क के छह विकेट के बावजूद इंग्लैंड संभला

एजेंसी। ब्रिसबेन

जो रूट (नाबाद 135 रन) ने बृहस्पतिवार को यहां एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक जड़ा जिससे इंग्लैंड ने स्टंप तक पहली पारी में नौ विकेट पर 325 रन बना लिए। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 71 रन देकर छह विकेट झटके लेकिन इंग्लैंड शुरूआती झटकों से उबरकर अच्छी स्थिति में पहुंच गया।

ऑस्ट्रेलिया में रूट ने अभी तक शतक नहीं लगाया था और इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 एशेज टेस्ट में उनका सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 89 था। लेकिन उन्होंने लंबा इंतजार खत्म करते हुए 181 गेंद में 11 चौके से 100 रन पूरे किए। वह अभी तक 202 गेंद का सामना करके 15 चौके और एक छक्का जड़ चुके हैं।

रूट ने ऑस्ट्रेलिया में जड़ा अपना पहला शतक

स्टार्क ने बेन डकेट और ओली पोप को खाता भी नहीं खोलने दिया जिससे तीसरे ओवर में इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर पांच रन हो गया था। तभी रूट क्रीज पर आए। उन्होंने पर्थ में श्रृंखला के पहले मैच में मिली आठ विकेट की हार के बाद इंग्लैंड की पारी को संभालते हुए आत्मविश्वास दिलाने की कोशिश की। वह 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के साथ क्रीज पर मौजूद हैं। आर्चर ने अपने करियर का सबसे अच्छा नाबाद 32 रन का स्कोर बनाया। इससे रूट और आर्चर ने अंतिम विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी निभा ली है।

स्टार्क ने बीच के सत्र में हैरी ब्रूक (31 रन) को आउट कर अपने करियर का 415वां विकेट हासिल किया। इस तरह उन्होंने पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम (104 टेस्ट में 414 विकेट) को पीछे छोड़ दिया जो टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। ब्रूक ऑफ स्टंप के बाहर स्लिप में कैच आउट हुए जिससे रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 54 रन की भागीदारी खत्म हो गई। अपना 160वां टेस्ट खेल रहे रूट ने फिर जैक क्रॉली (76) के साथ 117 रन की भागीदारी करके इंग्लैंड को तीन विकेट पर 122 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इंग्लैंड ने पहले दो सत्र (दोपहर और शाम) में 98-98 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया ने हर एक सत्र में दो दो विकेट लिए।रूट और बेन स्टोक्स (19 रन) आराम से खेल रहे थे। लेकिन जोश इंग्लिस ने बेन स्टोक्स को शानदार तरीके से रन आउट कर दिया जिससे चीजें फिर से बदल गईं। अब स्कोर पांच विकेट पर 210 रन हो गया। तीन गेंद बाद स्कॉट बोलैंड ने जेमी स्मिथ को बोल्ड कर दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। अब स्कोर छह विकेट पर 211 रन था। रूट इस समय 79 रन पर थे और विल जैक्स उनके साथ क्रीज पर थे। फिर दोनों ने 40 रन जोड़े। जैक्स ने स्टार्क की गेंद पर बिना वजह बड़ा शॉट खेला और पवेलियन लौट गए। फिर स्टार्क ने गस एटकिंसन (04) और ब्रायडन कार्स (00) को जल्दी जल्दी आउट किया जिससे स्कोर नौ विकेट पर 264 रन हो गया। फिर रूट और आर्चर ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया की पहले दिन बल्लेबाजी की उम्मीद तोड़ दी।

ओपनिंग करूं या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी,फर्क नहीं पड़ता

रायपुर। सीमित ओवरों के क्रिकेट में विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शतक लगाया और उसके बाद कहा कि उन्हें अपनी नयी भूमिका से सामंजस्य बिठाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई।भारत के लिए वनडे में श्रेयस अय्यर ने चौथे नंबर पर अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मुंबई के इस बल्लेबाज के चोटिल होने के कारण टीम प्रबंधन ने गायकवाड़ को यह जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में शतक जड़कर यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई। गायकवाड़ ने मैच के बाद मीडिया से कहा, मेरे लिए यह सम्मान की बात है की टीम प्रबंधन ने एक ऐसे सलामी बल्लेबाज पर भरोसा दिखाया जो चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है। मैंने अपनी इस भूमिका को इसी तरह से लिया। उन्होंने कहा, यह केवल

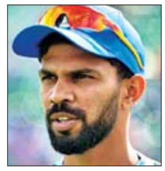

शुरुआती 10 से 15 गेंद खेलने का मामला होता है और उसके बाद प्रक्रिया समान रहती है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 83 गेंदों पर 105 रन की पारी खेली और विराट कोहली (102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की, जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन बनाए। गायकवाड़ ने कहा,एकदिवसीय प्रारूप में जब मैं पारी की शुरुआत करता था तब भी मैं हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता था कि मैं 45वें ओवर तक बल्लेबाजी कर सकूं।

कश्मीर की ये जगहें बनाती हैं इसे जन्नत

कश्मीर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। यहां की वादियां, झीलें, बर्फ से ढके पहाड़ और शांत वातावरण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पहलगाम, गुलमर्ग, डल झील जैसे नाम तो अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन कश्मीर की खूबसूरती सिर्फ इन्हीं तक सीमित नहीं है। पहलगाम के अलावा भी कश्मीर में कई ऐसी अनछुई और कम चर्चित जगहें हैं, जो किसी जन्नत से कम नहीं लगतीं। ये स्थान न केवल सुकून देने वाले हैं बल्कि प्रकृति से गहराई से जुड़ने का एक्सपीरियंस कराते हैं। तो आइए जानते हैं कश्मीर की ऐसी ही कुछ शानदार जगहों के बारे में, जिन्हें आप अपने अगली जर्नी में शामिल कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग यानी 'फूलों की घाटी', जो गर्मियों में रंग-बिरंगे फूलों से भर जाती है और सर्दियों में सफेद चादर ओढ़ लेती है। यह भारत का प्रमुख स्कीइंग डेस्टिनेशन है, जहां गुलमर्ग गोंडोला (एशिया की सबसे ऊंची केबल कार) का रोमांच पर्यटकों को लुभाता है।

सोनमर्ग

सोनमर्ग का अर्थ होता है 'सोने की भूमि'। यह जगह बर्फ से ढकी चोटियों और हरे मैदानों के कारण बेहद आकर्षक लगती है। थाजवास ग्लेशियर और झीलों की ट्रैकिंग यहां का प्रमुख आकर्षण है।

युसमर्ग

श्रीनगर से लगभग 50 किमी दूर युसमर्ग एक शांत, सुंदर और प्राकृतिक जगह है। देवदार के जंगल, पहाड़ियों पर चरती भेड़ें और हरे मैदान इसे एक जादुई कहानी जैसी जगह बनाते हैं। यहां का नीलनाग झील ट्रैकिंग के लिए काफी पॉपुलर है।

दूधपथरी

दूधपथरी का नाम ही इसकी खूबसूरती बयां करता है। यहां की धाराओं का पानी इतना साफ और सफेद लगता है जैसे दूध बह रहा हो। हरियाली से भरे मैदान, ऊंचे पहाड़ और शांत माहौल इसे एक परफेक्ट पिकनिक स्पॉट बनाते हैं।

बांगस घाटी

कुपवाड़ा जिले में स्थित बांगस घाटी, अब धीरे-धीरे लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो रही है। ये जगह फूलों से ढके मैदान, बहती नदियां और शांत वातावरण के लिए जानी जाती है।

कसोल की वादियों में करें नए साल का आगाज

नया साल अगर शोर-शराबे से दूर, पहाड़ों की शांति और ताजी हवा के बीच बिताना हो, तो इसके लिए हिमाचल प्रदेश का कसोल एकदम परफेक्ट जगह है। यहाँ की खूबसूरत वादियाँ, बहती नदियां और छोटे-छोटे गाँव आपको कुछ ही पलों में जग भर का सुकून देंगे। सबसे खास बात ये है कि आप ये ट्रिप आराम से कम बजट में कर सकते हैं, बस इसके लिए सही प्लानिंग जरूरी है। आप 3 दिन के ट्रिप प्लान में कसोल की खूबसूरती भी देख सकेंगे, आपको ट्रेकिंग का मजा भी मिलेगा और शांत माहौल में रिलैक्स करने का भी समय मिलेगा। तो बिना किसी झंझट के बस इसी प्लान को फॉलो कीजिए और अपनी कसोल ट्रिप को यादगार बना लीजिए। चलिए जानते हैं कसोल के 3 दिन के ट्रिप का पूरा प्लान।

पहला दिन कसोल की सैर और शांत माहौल का अनुभव: पहले दिन सुबह आप कसोल पहुँचकर हल्का सा फ्रेश हो जाएँ। इसके बाद सीधे चल पड़ें चलल गाँव की ओर। रास्ते में नेचर का खूबसूरत नजारा, नदी की आवाज और शांत माहौल, आपको शहर से दूर एक सुकून वाला पल देगी। दोपहर में वापस कसोल लौटें और किसी लोकल कैफे में गर्मा-गरम खाना एंजॉय करें और फिर थोड़ा आराम कर लें।

दूसरे दिन लें खूबसूरत खीरगंगा ट्रेक का मजा: कसोल ट्रिप के दूसरे दिन को एंजॉय आप खीर गंगा ट्रैक के साथ का सकते हैं। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर ट्रेक के लिए निकल जाएँ। यह ट्रेक लगभग चार से पाँच घंटे का समय लेता है, इसलिए हल्का बैग लेकर चलें और साथ में पर्याप्त पानी रखें। चढ़ाई के दौरान रास्ते की हरियाली, छोटे झरने और पहाड़ों के नजारे आपके मन को मोह लेंगे। दोपहर तक आप खीर गंगा पहुँच जाएँगे, जहाँ का माहौल बिल्कुल अलग ही सुकून देता है।

तीसरे दिन करें तोश गांव की सैर: तीसरे दिन सुबह खीरगंगा से नीचे उतरें और तोश गाँव की ओर निकलें। तोश एक छोटा-सा, बेहद खूबसूरत पहाड़ी गाँव है जहाँ पहुँचते ही आपको एकदम अलग शांति महसूस होगी। यहाँ दोपहर का खाना गाँव के किसी साधारण से कैफे में खाएँ और थोड़ा समय गाँव की गलियों व आस-पास के नजारों को देखने में बिताएँ। दोपहर का टाइम यहां बिताने के बाद, शाम में वापस कसोल लौट आएँ।

दुनिया का सबसे ऊंचा कृष्ण मंदिर

हिमाचल प्रदेश के रोर वैली में स्थित युल्ला कंदा झील के पास बसा विश्व का सबसे ऊँचा कृष्ण मंदिर, 13,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित है। यह मंदिर हाल ही में बर्फबारी के कारण चर्चा में आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में मंदिर बर्फ की चादर में लिपटा हुआ दिख रहा है, जहाँ की पत्थर की दीवारें और प्रार्थना ध्वज भी बर्फ में गायब होते नजर आ रहे हैं।

बेहद खास है मंदिर का ट्रैक: मंदिर तक पहुँचने के लिए एक ट्रैक है, जो लगभग 12 किलोमीटर लंबा है। यह ट्रैक जंगली फूलों से भरे रास्तों, हरे-भरे घास के मैदानों और शांत जलप्रपातों के बीच से गुजरता है। इस ट्रैक पर चलते हुए, भक्तों को किन्नौर पर्वतों के अद्भुत दृश्य देखने को मिलते हैं। कहा जाता है कि युल्ला कंदा झील का निर्माण पांडवों ने अपने वनवास के दौरान किया था। यहाँ स्नान करने से मन और शरीर की सभी नकारात्मकता दूर होने का विश्वास है। हालांकि सर्दियों में मंदिर की यात्रा करना विशेषज्ञों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन सामान्य पर्यटकों के लिए यहाँ आने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का अनुभव करना एक अनूठा अनुभव है, और यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसकी प्राकृतिक सुंदरता भी लोगों को आकर्षित करती है। यदि आप इस सर्दी में एक अद्भुत अनुभव की तलाश में हैं, तो युल्ला कंदा झील का यह कृष्ण मंदिर आपकी सूची में होना चाहिए।

जंगलों के बीच छिपा 'भारत का नियाग्रा फॉल्स' नजारा देखकर दंग रह जाएंगे

भारत छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित चित्रकोट जलप्रपात को भारत का नियाग्रा फॉल्स कहा जाता है। 90 फीट ऊंचा और लगभग 1000 फीट चौड़ा यह जलप्रपात इंद्रावती नदी पर बना है और इसकी चौड़ाई बरसात के दिनों में इतनी बढ़ जाती है कि देखने वाले दंग रह जाते हैं। सफेद झरने का गर्जन, चारों ओर की हरियाली और हवा में घुली पानी की बूंदें इसे एक दिव्य अनुभव बनाती हैं। बरसात और सर्दियों के मौसम में चित्रकोट का नजारा सबसे सुंदर होता है। उस समय पानी की धार इतनी विशाल हो जाती है कि यह बिल्कुल अमेरिका के नियाग्रा फॉल्स जैसा प्रतीत होता है। स्थानीय नाविकों द्वारा कराई जाने वाली बोटिंग इस अनुभव को और भी रोमांचक बना देती है क्योंकि आप झरने के बेहद करीब जाकर उसकी शक्ति और सौंदर्य का अहसास कर सकते हैं।

चित्रकोट जलप्रपात प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफर्स और ट्रैवलर्स के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय पानी पर पड़ती सुनहरी रोशनी इसे और भी मनमोहक बना देती है। आसपास के घने जंगल, पक्षियों की आवाजें और बस्तर की सांस्कृतिक झलक इस यात्रा को यादगार बना देते हैं।

अगर आप शांत वातावरण में कुछ समय बिताना चाहते हैं, भीड़भाड़ से दूर प्राकृतिक सुंदरता के बीच खो जाना चाहते हैं तो चित्रकोट जलप्रपात आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां के आसपास कई व्यू पॉइंट्स और इको-रिसॉर्ट्स हैं जो आपकी यात्रा को और खास बना देंगे। इसके साथ ही स्थानीय व्यंजनों का स्वाद चखना बिल्कुल ना भूलें। यहां आने वाला हर यात्री ना सिर्फ इसकी सुंदरता से मोहित होता है, बल्कि प्रकृति की भव्यता और शक्ति को करीब से महसूस करता है। इस खूबसूरत जगह को देखने के बाद आपका नियाग्रा फॉल्स का सपना शायद कुछ वक्त के लिए टल जाए क्योंकि यह अनुभव खुद में बिल्कुल अनोखा और अविस्मरणीय है।

नहीं हो पा रही है शादी तो इन मंदिरों के करें दर्शन

भारतीय संस्कृति में शादी सिर्फ दो लोगों का ही नहीं बल्कि दो परिवारों का भी मिलन माना जाता है। यही वजह है कि शादी से पहले लड़का-लड़की की कुंडली से लेकर विचारों तक पर गहरी चर्चा की जाती है। लेकिन अगर किसी वजह से आप अपनी शादी के लिए संघर्ष ही कर रहे हैं और काफी कोशिशों के बाद भी आपको सफलता नहीं मिल रही है तो भारत के इन 4 खूबसूरत और पौराणिक मंदिरों के दर्शन जरूर करके आएं।

नित्यकल्याण पेरुमल मंदिर, तमिलनाडु

नित्यकल्याण पेरुमल मंदिर, तमिलनाडु में स्थित भगवान विष्णु (जिन्हें वराह अवतार में नित्यकल्याण पेरुमल के रूप में पूजा जाता है) और उनकी पत्नी कोमलवल्ली थायर को समर्पित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान वराह ने ऋषि कालवा की 360 कन्याओं से एक वर्ष में 360 दिन तक विवाह किया था, इसलिए उन्हें 'नित्य कल्याण पेरुमल' (हर दिन विवाह करने वाले भगवान) कहा जाता है। यहां शादी की इच्छा लेकर आने वाले भक्त मंदिर में एक जोड़ी माला अर्पित करते हैं।

तिरुमाननचेरी मंदिर, तमिलनाडु

तिरुमाननचेरी मंदिर, कुंभकोणम के पास एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है, जो तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिले में स्थित है। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर में भगवान शिव और देवी पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था, जिससे इस मंदिर में उनके शाश्वत संबंध की नींव पड़ी थी। धार्मिक मान्यताओं की मानें तो लोग इस मंदिर के दर्शन करके अपने भाग्य को दोबारा हासिल कर सकते हैं या अविवाहित व्यक्ति अपने खोए हुए रिश्ते को दोबारा पा सकता है।

कात्यायनी मंदिर, छतरपुर, दिल्ली

छतरपुर मन्दिर, देवी कात्यायनी को समर्पित एक मन्दिर है। इस मंदिर का वास्तविक नाम श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मन्दिर है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मन्दिर परिसर है। राजधानी के छतरपुर इलाके में स्थित भव्य कात्यायनी मंदिर में हजारों अविवाहित महिलाएं, हर साल नवरात्रि के दौरान मनचाहे वर की इच्छा लेकर मंदिर में दर्शन के लिए आती हैं।

बरसाना राधा रानी मंदिर, उत्तर प्रदेश

बरसाना राधा रानी मंदिर, उत्तर प्रदेश में स्थित है। यहां बरसाना की एक पहाड़ी पर स्थित, देवी राधा को समर्पित यह खूबसूरत मंदिर एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर है। राधा और कृष्ण की किंवदंतियां-उन भक्तों की भक्ति, उनकी चंचलता, उनका शाश्वत बंधन, उन लोगों को सांत्वना प्रदान करता है, जो इस बारे में अनिश्चित हैं कि उन्हें अपनी कहानी में उनका राजकुमार कब और कैसे मिलेगा।

दक्षिण का 'काला ताज' क्यों है सबसे अनोखा

आदिलशाही वंशावली के इब्राहिम आदिल शाह (1580-1627) सल्तनत के छठे सुल्तान थे। उनके मकबरे, जहां उनके स्वजनों के अवशेष भी हैं, को इब्राहिम रौजा नाम से जाना जाता है, जिसका मतलब है इब्राहिम का बगीचानुमा मकबरा। यह आदिलशाही वास्तुकला का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। कर्नाटक राज्य के बीजापुर (वर्तमान विजयपुरा) में स्थित इस परिसर में विशेषकर घनी अलंकृत सतहें, बल्बनुमा गुंबद, पतली मीनारें और कोष्ठकों का व्यापक उपयोग किया गया हैं। इसका निर्माण इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय की दूसरी रानी ताज सुल्तान ने करवाया था। यह परियोजना एक प्रसिद्ध फारसी वास्तुकार मलिक संदल के दिशा-निर्देशों से पूर्ण की गई व इसका निर्माण कार्य ताज सुल्तान की मृत्यु के बाद पूर्ण हुआ।

आदिलशाहियों ने 1489 से 1686 ईस्वी तक दक्कन क्षेत्र पर शासन किया और वे कला एवं वास्तुकला के प्रमुख संरक्षक थे। इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय के शासनकाल में सर्वाधिक मस्जिदों का निर्माण हुआ। आदिलशाही वास्तुकला दक्कनी शैली की झलक देती है, जिसमें बड़े, पंखुड़ीदार गुंबद, लटकती छतें, प्रचुर मीनारें, सजावटी छज्जे और गारे का इस्तेमाल है तो वहीं सूक्ष्म-वास्तुकला, पुष्प पदक (फ्लोरल मेडेलियन) और स्क्रालवर्क भी देखने को मिलते हैं। यह परिसर आदिलशाही कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसका निर्माण अरबी, फारसी और हिंदू तत्वों के मिश्रण से किया गया है।

गोलाकार आकृति बनी पहचान: इब्राहिम रौजा दो मुख्य ढांचों से मिलकर बना है: एक मकबरा और एक मस्जिद, जो एक ही चबूतरे पर स्थित हैं। मकबरे के भीतर का कमरा साधारण है, जिसमें दीवारों पर छोटे मेहराबदार गड्ढे बने हैं। इसमें बेसाल्ट पत्थर का प्रयोग हुआ है और छत पर गुंबद नहीं है, बल्कि छत को सहारा देने के लिए मोर्टार का उपयोग किया गया है। छत पर एक बड़ा मंडलाकार पैनल है जिसके केंद्र में एक फूल जैसी रचना है, जो इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय की कब्र के ठीक ऊपर है। कुल छह कब्रें हैं, जिनमें सुल्तान के अलावा ताज सुल्तान और जुहरा सुल्तान की कब्रें भी शामिल हैं।

लंबे सफर में रिलैक्स रहने के लिए कुछ टिप्स

लंबी फ्लाइट्स अक्सर थका देती हैं। इस दौरान क्या खाएं, कैसे बैठें जैसी चीजों पर ध्यान दिया जाए, तो आप काफी हद तक रिलैक्स रहेंगे। जानते हैं इस बारे में कुछ टिप्स...

ट्रैवल करना किसी को भी अच्छा लग सकता है, लेकिन लंबे सफर में आपको थकान महसूस होने के साथ ही बोरियत भी हो सकती है। यह बात एयर ट्रैवल पर भी लागू होती है। साथ ही, मैटर यह भी करता है कि 10 या 12 घंटे की लंबी फ्लाइट में आप क्या खाते हैं और कैसे रिलैक्स रहते हैं। वैसे, कुछ बातों को ध्यान में रखकर आप अच्छा फील कर सकते हैं।

कैसा हो फूड: आप ट्रैवल के दौरान क्या खाते हैं, ये आपको बहुत प्रभावित करता है। बोर्डिंग से पहले हैवी मील लेना अवॉइड करें। ब्रेड, मीट, वाइट सॉस, बर्गर जैसे चीजें ठीक नहीं है। इनमें कार्बोहाइड्रेट्स ज्यादा होते हैं, जिससे स्वेलिंग हो सकती है। इसके अलावा, हाई शुगर आपको हाइपरऐक्टिव बना सकती है। साल्टी फूड से वाटर रिटेंशन हो सकता है। आप ऐसी हल्की डाइट लें, जिसमें प्रोटीन ज्यादा हो। अल्कोहल और कैफीन बेस्ड ड्रिंक्स अवॉइड करें। इनसे डिहाइड्रेशन की प्रॉब्लम हो सकती है।

मॉइश्चर फ्री: अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो सफर के दौरान इसके और ड्राई होने के चांसेज हैं। अगर स्किन ऑयली है, तो ब्रेकआउट्स हो सकते हैं। बेहतर है कि आप कम मेकअप लगाएं या ना लगाएं। एक मॉइश्चराइजर और लिप बाम कैरी करना ठीक रहेगा।

एक्टिव रहें: लंबी फ्लाइट में एक ही पॉजिशन में बैठे रहने से प्रॉब्लम हो सकती है। बेस्ट रहेगा कि आप मूव करते रहें। अपने पैरों को इधर-उधर घुमाएं। उंगलियों को थोड़ा मोड़ते रहें। कुछ घंटों बाद अपनी सीट से उठें भी। अगर आपका सोने का मन है, तो सही पोजिशन में सोएं। गर्दन को मोड़कर ना सोएं। इससे बाद में दर्द हो सकता है। खूब पानी पीएं, जो हाइड्रेशन में भी आपकी हेल्प करेगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष : 01169342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. ए-8, सेक्टर 7, जिला गौतमबुद्धनगर- उत्तर प्रदेश, नोएडा 201, 301, फोन नंबर 0120-2470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक डॉ. देवेन्द्र सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।